शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

खाली खजाने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 29 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-86

विरोध भी करेंगे और फ्रॉड करके योजनाओं का लाभ भी लूटेंगे

हिंदुओं के गांव में खुल गया हजारों मुस्लिमों का खाता

राजस्थान के जिस गांव में एक भी मुस्लिम नहीं, उस गांव के पते पर भी बंगाल और बिहार के मुस्लिमों का रजिस्ट्रेशन पाया गया है। राजस्थान के पाली में 29000 फर्जी खाते बना कर पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा हड़पा जाता रहा। बीते साल इसी तरह का फर्जीवाड़ा छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में हुआ था। बेरला ब्लॉक के बरगांव में 656 मुस्लिमों के नाम पर खुले फर्जी खातों में इस योजना के पैसे जा रहे थे। जांच में पता चला कि इस गांव में सिर्फ 19 मुस्लिम किसान ही रहते हैं। अन्य सभी मुस्लिम नाम फर्जी थे। इससे पूर्व तमिलनाडु में भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में बड़ा घोटाला हुआ था। तमिलनाडु में धोखाधड़ी करके 110 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान ऑनलाइन निकाल ले लिया गया था। यह घोटाला सरकारी अधिकारियों और नेताओं की मिलीभगत से हुआ था।

फ्रॉड करके लूट लिए पीएम किसान निधि के करोड़ों रुपए

राजस्थान के पाली में मुस्लिमों के नाम पर भारी फ्रॉड सामने आया है। यहां हिंदुओं के गांव में मुस्लिमों के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 7 करोड़ रुपए ले लिए गए। इन गांवों में एक भी मुस्लिम नहीं हैं। जिन खातों में ये ट्रांसफर किए गए, वे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के नाम पर बनाए गए हैं। पाली में ऐसे लगभग 29 हजार फर्जी खाते मिले हैं। जांच में पाली जिले के देसूरी में 20 हजार, रानी में 9,004 और मारवाड़ जंक्शन में 62 फर्जी खाते मिले। इस मामले में अब मुकदमा दर्ज किया गया है। हैरानी की बात है कि ये फर्जीवाड़ा साल 2020 में हुआ, लेकिन अधिकारियों ने यह बात सामने नहीं आने दी। इस मामले में अधिकारियों ने एफआईआर भी नहीं दर्ज करवाई थी। साल 2019 से अगस्त 2020 के बीच फर्जी किसानों के नाम से सीएससी और ईमित्र के माध्यम से पीएम सम्मान निधि के लिए आवेदन किया गया। आवेदन का सत्यापन पटवारी ने किया और उसे तहसीलदार को भेज दिया। तहसीलदार ने भी जांच करके आवेदन पत्रों को कलेक्टर भेज दिया। इस तरह यह फर्जी सूची केंद्र सरकार के पास पहुंच गई। इसके बाद केंद्र सरकार ने इन खातों में किसान निधि के पैसे भेजने शुरू कर दिए।

यूपी, बिहार और प. बंगाल के मुसलमानों का मिला खाता

साल 2020 में अधिकारियों ने पाया कि देसूरी में पीएम किसान सम्मान निधि के लिए मुस्लिमों ने भारी संख्या में आवेदन किए। इसके कारण लंबित आवेदनों की संख्या में भारी वृद्धि हो गई। उस साल 5 नवंबर को 265 लंबित आवेदनों की संख्या 21 दिसंबर तक अचानक 19,331 तक पहुंच गई। बाद में पता चला कि ये खाते फर्जी हैं। ये खाते पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और ▶10पर

थाईलैंड-म्यांमार में छह बार आए तीव्र भूकंप से भारी नुकसान

विनाशकारी भूकंप में 150 की मौत, 750 से अधिक घायल

बैंकॉक/सागिंग, 28 मार्च (एजेंसियां)।

दक्षिण पूर्वी एशिया के देश म्यांमार और थाईलैंड में एक ही दिन में छह बार भूकंप के झटके लगे। इस विनाशकारी भूकंप में अब तक करीब 150 लोगों की मौत हो गई। 750 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों का आंकड़ा और भी बढ़ने की आशंका है।

म्यांमार और थाईलैंड में आज लगे भूकंप के तेज झटकों के बाद भारी तबाही हुई। इस शक्तिशाली भूकंप में इमारतों, पुल और बांध को नुकसान हुआ है। दो सबसे अधिक प्रभावित शहरों से विचलित करने वाला मंजर सामने आया है। रिक्टर स्केल पर 7.7 तीव्रता के इस भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था।

हिल गया दक्षिण पूर्वी एशिया, थाईलैंड में इमरजेंसी लागू

भारत, चीन और बांग्लादेश तक महसूस किए गए झटके

दोपहर करीब 12 बजे लगे झटकों के कुछ ही देर बाद 6.4 तीव्रता का भूकंप भी आया।

म्यांमार में पहला भूकंप सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई। इसके बाद दूसरा झटका दोपहर 12 बजकर दो मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7 मापी गई। इसके बाद एक-एक घंटे के अंतराल पर दो और भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके भारत, चीन और बांग्लादेश तक महसूस किए गए।

बैंकॉक पुलिस का कहना है कि दोपहर में थाई राजधानी में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में निर्माणाधीन ऊंची इमारत ढह गई। इमारत ढहने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 80 से अधिक लोगों के मलबे में दबे होने की खबर है। पुलिस के मुताबिक, बैंकॉक के लोकप्रिय चतुचक मार्केट के पास घटना हुई। इस बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है कि ढहने के समय साइट पर कितने श्रमिक थे। ▶10पर

ऑक्सफोर्ड में पूछे गए तीखे सवालों पर बौखलाई ममता बनर्जी

अहम सवालों को एजेंडा बताया तो गो-बैक के नारे सुने

लंदन, 28 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और महिलाओं पर हो रहे व्यभिचार को लेकर ऑक्सफोर्ड में ताबड़तोड़ फूछे गए सवालों पर बौखला गईं और उन्होंने इन जरूरी सवालों का जवाब देने के बजाय उन सवालों को प्रायोजित एजेंडा बता कर टालने की कोशिश की। ममता बनर्जी के ऐसे रवैये पर जब हंगामा बढ़ने लगा तो ममता ने अपना घिसा-पिटा विक्टिम कार्ड खेला, लेकिन वह भी नहीं चला। आखिरकार ममता को वहां से चुपचाप निकल जाना पड़ा। ममता बनर्जी फिलहाल लंदन के दौरे पर हैं। यहां वह ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में जब भाषण दे रही थीं, तो उसी बीच पूछे गए सवालों पर ममता के आपत्तिजनक जवाब पर भारी हंगामा मच गया। हॉल में मौजूद लोगों ने ममता बनर्जी गो बैक के नारे भी लगाए। ममता बनर्जी ने सवालों के पीछे एजेंडा बता कर उसमें भी भाजपा को लपेटने की कोशिश की। वह भी फौरन साफ हो गया कि ममता बनर्जी से सवाल पूछने वाले छात्र एसएफआई यानि स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की लंदन इकाई के सदस्य थे। एसएफआई लंदन ने आधिकारिक तौर पर इसकी जिम्मेदारी भी ली है। एसएफआई के छात्र नेताओं ने ममता बनर्जी के बीच भाषण के दौरान पहले उनसे आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कारकांड को लेकर सवाल पूछे। सवाल का ऊलजलूल जवाब देने पर छात्रों ताबड़तोड़ कई सवाल पूछे और जमकर हंगामा किया। ममता बनर्जी ने सवालों को एजेंडा बता कर टालने की कोशिश की और कहना शुरू किया, यहां राजनीति मत करिए, यह मंच राजनीति के लिए नहीं है। इस पर छात्रों और वहां मौजूद बंगाल के रहने वाले लोगों ने खूब हंगामा किया। उन्होंने ममता बनर्जी से सीधा पूछा, बंगाल के हिंदुओं के साथ क्या हो रहा? ▶10पर

हिंदुओं पर अत्याचार और महिलाओं से व्यभिचार पर उठे सवाल

सवालों का जवाब देने के बजाय खेला विक्टिम-कार्ड वह भी फेल

सांसदों की सैलरी बढ़ाई, कर्मचारियों को चटनी चटाई

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 2% बढ़ा

नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत (डीए-डीआर) में 2 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट के फैसले के बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को जानकारी दी। केंद्र सरकार के इस निर्णय के साथ केंद्रीय कर्मचारियों का डीए और डीआर 53 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत हो जाएगा। इससे कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों के पेंशन में वृद्धि होगी। पिछली बार डीए में वृद्धि जुलाई 2024 में हुई थी, जब इसे 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 53 प्रतिशत किया गया था। डीए और डीआर दोनों में वृद्धि के कारण राजकोष पर संयुक्त प्रभाव प्रति वर्ष 6,614.04 करोड़ रुपए होगा। सरकार के इस फैसले से करीब 1.15 करोड़ केंद्र सरकार के ▶10पर

बिहार की कोसी मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना मंजूर

ममता बनर्जी के राष्ट्रविरोधी रवैये का आधिकारिक खुलासा

450 किमी की फेंसिंग के लिए ममता नहीं दे रही मंजूरी

नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को बांग्लादेश से सटी 450 किलोमीटर भारतीय सीमा पर बाड़बंदी (फेंसिंग) नहीं होने देने के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद बंगाल सरकार भूमि नहीं दे रही है।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर बीएसएफ और सेना पर सवाल उठाया जाता है। भारत की 2216 किलोमीटर सीमा बांग्लादेश से सटी हुई है। उसमें से 1653 किलोमीटर बाड़ लग चुकी है। बाड़ के पास वाली सड़क भी बन चुकी है और चौकियां भी बन गई हैं। शेष फेंसिंग की लंबाई 563 किलोमीटर है और ये सीमा आज भी खुली हुई है। इसमें 112 किलोमीटर सीमा ऐसी है जहां नाले, नदी और पहाड़ियों के कारण फेंसिंग व्यावहारिक नहीं है। वहीं 450 किलोमीटर की फेंसिंग बाकी है। बंगाल सरकार इसके लिए इजाजत नहीं दे रही है। जबकि इन खुले रास्तों से बेतहाशा घुसपैठ होती है। फेंसिंग की मंजूरी के लिए पश्चिम बंगाल सरकार और गृह मंत्रालय की सात बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन मामला अभी तक लंबित पड़ा है।

तृणमूल कांग्रेस वोट के लिए घुसपैठियों को दे रही संरक्षण

अमित शाह ने कहा, 450 किलोमीटर की बाड़ लगाने का काम लंबित है क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार इसके लिए जमीन नहीं दे रही है। जब भी बाड़ लगाने जाते हैं, तो सत्तारूढ़ पार्टी का कैडर आकर हुड़दंग और धार्मिक नारेबाजी करता है। 450 किलोमीटर की सीमा पर बाड़बंदी का काम रुका हुआ है क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार की दया दृष्टि घुसपैठियों पर है। ▶10पर

मुठभेड़ में तीन आतंकी मरे या पांच? चार जवान शहीद

कठुआ का कठोर सवाल किसने किसे मारा?

जम्मू, 28 मार्च (ब्यूरो)।

कठुआ जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में चार पुलिस कर्मियों की जान चली गई। इस अभियान में तीन आतंकी भी मारे गए, जबकि तीन से चार अन्य अभी भी इलाके में छिपे हुए हैं। हालांकि पुलिस का दावा है कि मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए, लेकिन आतंकियों के शव अभी नहीं मिले हैं। यही नहीं अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मारे जाने वाले आतंकी सन्याल से भागने वाले ही हैं या फिर कोई दूसरा ग्रुप है क्योंकि खुफिया एजेंसियों ने 10 से 12 आतंकियों की घुसपैठ की सूचना दी है। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के सुदूर जंगली इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान फिर से शुरू किया। एक दिन पहले वहां मुठभेड़ में तीन आतंकवादी और इतने ही पुलिसकर्मी मारे गए थे। गुरुवार को मुठभेड़ में एक अधिकारी समेत ▶10पर

गंभीर रूप से जख्मी हुए डीएसपी का चल रहा इलाज

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 39^0

न्यूनतम : 27^0

नेपाल में हिंदू राष्ट्र और राजशाही की वापसी का आंदोलन तेज

काठमांडू में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से भिड़ंत, एक की मौत

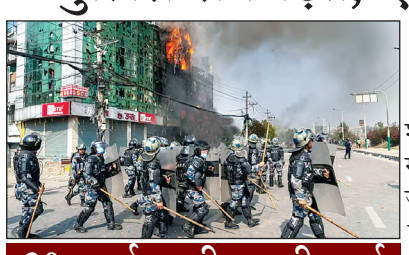

काठमांडू, 28 मार्च (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश नेपाल में शुक्रवार को पुलिस और राजशाही समर्थकों के बीच जोरदार झड़प हो गई। झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और करीब 30 लोग जख्मी हुए। कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। राजधानी काठमांडू में अफरा-तफरी मची है। यह झड़प काठमांडू एयरपोर्ट के पास हुई। प्रदर्शनकारी नेपाल में राजशाही और हिंदू साम्राज्य की बहाली की मांग कर रहे थे। हालात को देखते हुए काठमांडू के तिनकुने, सिनामंगल और कोटेश्वर इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। पुलिस ने हालात को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियां चलाईं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कई घरों, अन्य इमारतों और वाहनों में आग लगा दी। ▶10पर

30 प्रदर्शनकारी जख्मी, कई इलाकों में कर्फ्यू लागू

प्लास्टिक, पानी और सियासी माफिया के खिलाफ 'शुभ-लाभ' का अभियान

नेताओं से साठगांठ कर पानी पर कब्जा जमा रहे माफिया

प्लास्टिक, पानी और सियासी माफिया सरकारों के साथ मिलकर पानी पर नियंत्रण करते जा रहे हैं। इन गिरोहों ने पानी को भारी कमाई का जरिया बना डाला है। भारत में यह कारोबार तेजी से फैल रहा है। इन्हीं की वजह से प्लास्टिक माफिया भी शहर दर शहर को आक्रांत करते चले जा रहे हैं। तमाम नदियों से लेकर भूगर्भ जल तक उनका वर्चस्व बढ़ चुका है। वह नदियों को साफ नहीं रहने देते, वह लोगों में जागरूकता नहीं आने देते, वही हैं जो चाहते हैं प्रत्येक नदी को बांध दिया जाए और प्रत्येक जल धारा में नदी खनन हो, यह साजिश तब और गहरी हो जाती है जब लोगों को साफ पानी से वंचित कर उनको दूध से महंगा पानी खरीदने को मजबूर किया जाने लगता है। भारत के महानगरों और शहरों में पानी माफियाओं के निजी टैंकरों का बढ़ता दबदबा देश की जल आपूर्ति प्रणाली में मूलभूत चुनौतियों को रेखांकित करता है। कतार लगे टैंकरों के लिए प्रत्येक बोरवेल रोजाना 20,000 से 30,000 लीटर भूजल की निकासी करता है। भारत के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले करीब 38 प्रतिशत लोगों को पाइप के जरिए पानी की सुविधा हासिल नहीं है। यह एक ऐसी समस्या है जो हर साल गर्मियों में विकराल हो जाती है। हैदराबाद और बेंगलुरु के लिए टैंकर माफिया पानी के प्राथमिक स्रोत बन चुके हैं। शहर का दौरा करें तो घर घर में खुदे निजी बोरवेल से पानी निकालते कई टैंकर नजर आएंगे। जिनमें से कुछ 24,000 लीटर क्षमता के मिलेंगे। वहां के निवासी खुद बताते हैं कि यह बोरवेल प्रतिदिन 20 घंटे चलता है और इससे पानी की निकासी करने वाले टैंकर हैदराबाद और बेंगलुरु की सीमा पर बसी कॉलोनियों के साथ-साथ दूरदराज के इलाकों तक पानी की आपूर्ति करते हैं। हर साल गर्मी का मौसम आते ही हैदराबाद और बेंगलुरु के विभिन्न इलाकों में निजी टैंकरों से पानी लेने के लिए हाथों में बाल्टी और डिब्बे लिए घंटों इंतजार करते लोगों की लंबी-लंबी कतारें दिखने लगती हैं। नगर निगम और जल बोर्ड से पूछें तो वे बताएंगे कि 90 प्रतिशत घरों में पाइपलाइन से जलापूर्ति होती है। ▶10पर

सरकारी सिस्टम तबाह कर चुके हैदराबाद और बेंगलुरु के पानी माफिया

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नवकार मंत्र जैन धर्म में है सबसे पवित्र और मौलिक प्रार्थना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन (जीतो) द्वारा समूचे विश्व में एक ही तारीख, एक ही समय, समस्त जैन और समस्त जैनेतर समाज के साथ साझा अभियान के तहत जन जन तक नवकार मंत्र की गूंज का श्रीगणेश हो चुका हैं। समस्त आचार्य भगवंत, साधु, साध्वीवृन्द, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों के अपार समर्थन से समस्त समाज में उत्साह हिलोरें ले रहा हैं। यह एक सार्वभौमिक मंत्र है जो किसी विशेष देवता का आह्वान नहीं करता है, बल्कि जैन परंपरा में पाँच सर्वोच्च प्राणियों को सम्मान देता है। इसे आध्यात्मिक शुद्धि, आंतरिक शांति और मुक्ति (मोक्ष) के लिए शक्तिशाली माना जाता है। यह भौतिक लाभ की माँग नहीं करता बल्कि श्रद्धा, विनम्रता और भक्ति पर जोर देता

है। इसका जाप करने से आत्मा शुद्ध होती है और कर्म दूर होते हैं, जिससे आध्यात्मिक प्रगति में मदद मिलती है। इन प्रबुद्ध प्राणियों को नमन करके, एक साधक सही ज्ञान, सही विश्वास और सही आचरण के सिद्धांतों के साथ जुड़ जाता है। यह शांति, आत्म-अनुशासन और मानसिक शक्ति को बढ़ावा देता है। यह किसी एक तीर्थंकर पर ध्यान केंद्रित नहीं करता बल्कि सभी प्रबुद्ध प्राणियों का सम्मान करता है, जिससे यह सार्वभौमिक रूप से लागू होता है। प्रतिदिन भक्ति के साथ नवकार मंत्र का जाप करने से आध्यात्मिक उत्थान, शांति और मुक्ति के मार्ग पर प्रगति होती है।

जीतो के पूर्व मंत्री और प्रचार समिति के सज्जन राज मेहता ने बताया कि जीतो दक्षिण के चेयरमैन रणजीत सोलंकी और जीतो उत्तर के चेयरमैन विमल कटारिया के नेतृत्व में जीतो नवकार समिति के सदस्यों ने चिकपेट, गांधीनगर, बलेपेट, मामुलपेट, बी वी के अयंगर रोड में समस्त व्यावसायिक संस्थाओं, कॉलोनियों ईटा संघ, शापूरजी संघ जैसे बड़े निवासी संघ के सिरमौर प्रतिनिधियों से मुलाकात कर समर्थन के लिए निवेदन किया और सभी ने हर्षध्वनि के साथ आश्वस्त किया। सिल्क, पेपर, क्लॉथ, स्टील, गारमेंट, आयरन, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल, केमिकल, ज्वेलेरी मार्केट के पदाधिकारियों को, राजपुरोहित संघ, राजपुरोहित समाज के पदाधिकारियों से भी भेंट की। मुख्य सहयोगी जीतो के भूतपूर्व कोषाध्यक्ष जयंतीलाल बालर एवं सहयोगी जीतो के महेन्द्र जियाणी, दिनेश बाफना का बहुमान कर उनके प्रति आभार प्रकट किया गया।

प्रतिनिधि मंडल में महेंद्र रांका, महावीर दांतेवाडीया, दिनेश खींवेसरा, राजेन्द्र दांतेवाडिया, महेंद्र जियाणी, कैलाश संकलेचा, मेहुल श्रीश्रीमाल, रूपचन्द कुमट का विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रीय प्रजा प्रभुत्व सेना द्वारा रामनवमी पर शोभायात्रा का होगा आयोजन

पोस्टर का हुआ विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी रामनवमी पर्व, 6 अप्रैल, को कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में हिंदुत्व वादी संगठन राष्ट्रीय प्रजा प्रभुत्व सेना द्वारा विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस शोभायात्रा के पोस्टर का विमोचन परमहंस परिव्राजकाचार्य अनन्त श्री विभूषित कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु 1008 परम पूज्यपाद श्री वसन्त विजयानन्द गिरी जी द्वारा किया गया। इस दौरान सेवा के फाउंडर प्रेसिडेंट राकेश एम देसरला, विजय कुमार चूत्तर, गौतमचंद धारीवाल, दीपिका, रोशन कुमार आदि भी मौजूद रहे। पोस्टर विमोचन के साथ जगतगुरु ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि हमारे हिंदू सनातन धर्म की पताका फहराने में राम की सेना का एकजुट प्रदर्शन समय की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम सदा सर्वदा हमारे नायक थे, है और रहेंगे। आयोजन की अपार सफलता का भी जगतगुरु ने आशीर्वाद प्रदान किया। देसरला ने बताया कि 6 अप्रैल की शाम टाउन हॉल से बीवीके अयंगर रोड होते हुए फ्रीडम पार्क तक यह आयोजन भव्य शोभा यात्रा के रूप में होगा। इसमें अधिकाधिक राम भक्तों, हिंदूवादी कार्यकर्ताओं को भाग लेने की अपील की। साथ ही देसरला ने यह भी बताया कि एक जुट होकर हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए सेना के साथ कदम बढ़ाकर हिंदुत्व एवं प्रतिबद्धता को मजबूत करना चाहिए। धारीवाल एवं चूत्तर ने भी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 6 अप्रैल रविवार की शाम 5 बजे से यह भव्य शोभा यात्रा राम नाम की गूंज के साथ व्यापक स्तर पर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करेगी। पोस्टर विमोचन अवसर पर महेश चौधरी, अश्विन सेमलानी, लोहित सी गांधी आदि अनेक गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश देसरला का माला एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत सत्कार भी किया गया।

अच्छे संबंध अनुराग से बनते हैं तो खराब संबंध क्रोध से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में आलेख मुनि जी ने कहा कि संबंध दो तरह के होते हैं। अच्छे संबंध अनुराग से बनते हैं तो खराब संबंध क्रोध, इर्ष्या, झगड़ों और नफरत से बनते हैं। बार बार एक ही के साथ एक जैसा व्यवहार करने पर इन संबंधों का असर आत्मा पर पड़ता है और आत्मा से जुड़े संबंध अनेक भवों तक पीछा करते हैं। यही कारण है कि वर्तमान में किसी को देख कर स्नेह उमड़ता है तो किसी

को देख कर बिना वजह क्रोध और इर्ष्या भभकती है। इसलिए हम प्रयास करें कि क्रोध ईर्ष्या आदि की प्रकृति नही रखें और तुरंत स्वयं को सम्हाल लें। प्रवचन सभा में आचार्य आनंद ऋषि जी के पुण्य स्मृति दिवस प्रसंग पर कृतज्ञ संघ की ओर से गुणानुवाद करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि आनंद ऋषि जी जिनशासन के दिग्गज और निर्विवाद संत थे, जिन्होंने विशाल शिष्य समुदाय को नेतृत्व दिया और श्रमण संघ के आचार्य बने। आपने अनेक साहित्य की रचना की और भारत के अधिकांश क्षेत्र में विचरण किया। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सभी का स्वागत किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद की ओर से श्री जिनकुशलसूरि जैन आराधना भवन के प्रवित्र प्रागण में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व महामंत्री वीणा बैद द्वारा ऊंची उड़ान निजता की हो पहचान कार्यक्रम रखा गया। आरती जैन ने सभी का स्वागत करते हुए वीणा बैद का परिचय दिया। विना बैद ने बताया कि एक स्त्री अपने मुख्य कर्तव्य से अपने आभामंडल को कैसे मजबूत कर सकती हैं एवं अच्छे पोषण व्यायाम योगा आदि विषयों पर अपने विचार रखे। शांति गोटी, शशि मेहता, रीता जैन, किरण ललवानी एवं आरती जैन ने बैद का बहुमान किया। संचालन स्वाति गोलछा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन नंदा बाफना द्वारा व्यक्त किया गया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने संसद में उठाया मेंगलूरु हवाई अड्डे के भूमि अधिग्रहण का मुद्दा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने शुक्रवार को मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण के संबंध में आ रही बाधाओं का मुद्दा उठाया, जो इसकी सुरक्षा और विस्तार में बाधा बन रही हैं। संसद के शून्यकाल के दौरान सदन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने सरकार से मेंगलूरु शहर की 'उड़ान' को सक्षम बनाने की हार्दिक अपील की। उन्होंने कहा मैं चाहता हूं कि हमारे केंद्रीय मंत्री अपने हस्तक्षेप के माध्यम से मेंगलूरु की 'उड़ान' को सक्षम करें, एक ऐसा शहर जो 'विकास भी विरासत भी' के विचार का प्रतीक है। उन्होंने अपने भाषण में कहा मेंगलूरु हवाई अड्डे, जो एक निजी ऑपरेटर द्वारा संचालित है, ने रनवे के लिए सुरक्षा क्षेत्र प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन से अतिरिक्त भूमि मांगी है, जिसने राज्य सरकार से पूछा है, जिसने भारतीय एएआई को लिखा है और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए तैयार है। मैंने व्यक्तिगत रूप से नागरिक उड्डयन सचिव से मुलाकात की है, जिन्होंने भी इस पर सहमति व्यक्त की है। लेकिन अब यह यहीं अटक गया है। जबकि सभी एजेंसियाँ सैद्धांतिक रूप से और अपनी क्षमता और स्थान के अनुसार कहती हैं कि वे ऐसा करने के लिए तैयार

हैं, लेकिन इसे सुगम बनाने के लिए कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। अड़चन यह है कि एएआई की ओर से निजी ऑपरेटर या राज्य सरकार को कोई निर्देश नहीं दिया गया है। अगली कार्रवाई के बारे में किसी भी शामिल एजेंसी को सूचित नहीं किया गया है। उक्त हस्तक्षेप के महत्व और नौकरशाही की देरी के कारण मेंगलूरु हवाई अड्डे के विस्तार और सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर जोर देते हुए उन्होंने कहा यह समय की मांग है। केंद्रीय विमानन मंत्रालय हस्तक्षेप करे और सभी एजेंसियों के बीच बातचीत की सुविधा प्रदान करे और जल्द से जल्द भूमि अधिग्रहण को वास्तविकता बनाए।

सैन जयंती महोत्सव को लेकर हुई चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मारू सैन समाज ट्रस्ट मयनहल्ली के तत्वावधान में संस्था के अध्यक्ष भवरलाल पंवार की अध्यक्षता में सैन जयंती को लेकर समाज भुखंड परिसर में आम सभा आयोजित की गई। संस्था के अध्यक्ष भंवरलाल पंवार ने बताया कि दो दिवसीय सैन जयंती महोत्सव के तहत 24 अप्रैल-25 को रात्रि विशाल भजन संध्या व 25 अप्रैल को सैन जयंती महोत्सव समाज भुखंड परिसर में मनाया जाएगा। रात्रि विशाल भजन संध्या में भजन गायक अनिल देवड़ा जोधपुर व कैलाश पंवार भजनों की प्रस्तुति देंगे। युवा मंडल अध्यक्ष कैलाश पंवार ने समाज में एकता को लेकर अपने विचार प्रकट किए। सभा में समाज के लोगों ने आगामी सैन जयंती महोत्सव व समाज भुखंड पर चल रहे भवन निर्माण को लेकर सार्थक चर्चा की। इस अवसर पर समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक गरुड़ाचार का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक बी.एन. गरुड़ाचार (97) का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। मृतक के परिवार में विधायक उदय गरुड़ाचार सहित दो बेटे और दो बेटियां हैं। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि बसवनगुड़ी में कृष्णा रोड स्थित उनके आवास पर अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई है। मांड्या जिले के नागमंगला तालुक के बिंदिगनविले गांव के निवासी गरुड़ाचार ने पुलिस विभाग में विभिन्न स्तरों पर अधिकारी के रूप में काम किया था। आईपीएस अधिकारी गरुड़ाचार ने कर्नाटक प्रशासनिक न्यायाधिकरण (केएटी) के सदस्य के रूप में भी काम किया था। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि मृतक का अंतिम संस्कार शनिवार को शाम 4 बजे विल्सन गार्डन स्थित विद्युत शवदाह गृह में किया जाएगा। चिक्कपेट के भाजपा विधायक उदय बी. गरुड़ाचार के पिता बी.एन. गरुड़ाचार ने विभिन्न जिलों में पुलिस अधीक्षक, बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन सिटी के डीसीपी और बेंगलूरु सिटी के पुलिस आयुक्त के रूप में कार्य किया था। बाद में वे डीजी-आईजीपी के पद से सेवानिवृत्त हुए।

बेंगलूरु सूटकेस हत्या मामले का आरोपी पति पुणे से गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुलीमावु पुलिस ने राकेश राजेंद्र खेडेकर (36) को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने कथित तौर पर अपनी पत्नी गौरी अनिल साम्बेकर (32) की हत्या कर दी, उसके शव को सूटकेस में भर दिया, उसे अपने किराए के घर में छोड़ दिया और घटनास्थल से भाग गया।

यह घटना उसके पैतृक शहर पुणे, महाराष्ट्र से हुई। आरोपी ने कथित तौर पर अपने ससुराल वालों को फोन करके दावा किया था कि उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने पुलिस को सूचित किया, जो मौके पर पहुंची और देखा कि शव सूटकेस में भरा हुआ था और उस पर चाकू से वार किया गया था। पुलिस ने बताया कि राकेश, जो एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर था, फरार था। बाद में उसे गुरुवार देर रात पुणे से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला यह जोड़ा फरवरी में काम के लिए किराए के घर की तीसरी मंजिल पर रहने आया था। राकेश एक निजी फर्म में काम करता था और घर से ही काम करता था। घटना के समय राकेश घर पर नहीं था।

दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने अवैध मवेशी परिवहन को रोका, 25 मवेशियों को बचाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक दक्षिणपंथी संगठन के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को सुरथकल में अवैध रूप से मवेशियों को ले जा रहे एक वाहन को रोका और 25 गायों को सफलता-पूर्वक बचाया। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, कार्यकर्ताओं ने एक वाहन को रोका, जिस पर अवैध रूप से मवेशियों को ले जाने का संदेह था। जांच करने पर, उन्होंने पाया कि 25 गायों को नियमों का उल्लंघन करते हुए ले जाया जा रहा था। कार्यकर्ताओं ने जानवरों को सुरक्षित रूप से बचाया और अधिकारियों को सूचित किया। स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है और आगे की जांच चल रही है।

दूध के दामों में बढ़ोतरी पर भड़के कुमारस्वामी

राज्य की कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक सरकार नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक सरकार नहीं है। मूल्य वृद्धि और कर अधिरोपण के लिए सरकार की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि दो साल से लगातार हो रही जबरन वसूली और उगादी त्योहार के लिए कीमतों में बढ़ोतरी ही उनका काम है।

दूध की कीमतों में तीसरी बार बढ़ोतरी की गई है। अगस्त 2023 में 3 रुपये, जून 2024 में 2 रुपये

और अब 4 रुपए की वृद्धि की गई है।

अब सभी को प्रति यूनिट बिजली 36 पैसे देनी होगी। उन्होंने महादेवप्पा और काका पाटिल की आलोचना करते हुए कहा कि वे बहुत अस्थिर हैं। रावण के दसवें अवतार की लूटमार की प्रवृत्ति, जो एक हाथ से देता है और दस हाथ से छीन लेता है, कन्नड़ लोगों के लिए मौत की सजा है। दूध और बिजली की कीमतों में वृद्धि निंदनीय है।

कुमारस्वामी ने सरकार पर किसानों और केएमएफ को लाभ पहुंचाने के लिए कंपनी चलाने का आरोप लगाया है। आप इस पैसे का क्या करते हैं? क्या आप इसे किसानों को हस्तांतरित करेंगे या केएमएफ इसे अपने पास रखेगा? उन्होंने स्पष्टीकरण की मांग की। यह ईस्ट इंडिया कांग्रेस कंपनी है। जबरन वसूली यहां आम बात हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक राज्य ईस्ट इंडिया कांग्रेस कंपनी मुश्किल स्थिति में है।

जीवन का आनंद बाहर नहीं भीतर है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सयंमलताजी के सानिध्य में जानो मानो पहचानों कार्यशाला की शुरुआत साध्वी के नमस्कार महामंत्र के मंगलोच्चार से हुई।

साध्वी सयंमलताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा जीवन का आनंद कहीं बाहर नहीं बल्कि मनुष्य के अपने ही भीतर है। मनुष्य निज की खोज, निजी की पहचान, निजी का प्रकाश और निजी का ज्ञान करके अपने जीवन को सफल

बनाए। बाहरी स्वच्छता पवित्रता का ध्यान प्रतिक्षण रहता है, परंतु भीतर जन्मों से जमे हुए क्रोध, मान, लोभ के कचरे को साफ करने का प्रयास नहीं करता। मूर्च्छा को तोड़ आत्मसाधना के प्रति सजग बने। आत्मसाधना में अनुशासन वह मर्यादा का महत्वपूर्ण योगदान है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा भीतर में लगे कैमरे से व्यक्ति अपनी फोटो खींच कर उसी के अनुरूप एक्शन करने का प्रयास करते हुए आत्मा की उन्नति करे। चारों साध्वियों ने लेखपत्र का वाचन किया। जुगराज श्रीश्रीमाल ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया। इस अवसर पर राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोकचौधरी, युवक परिषद अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, महिला मंडल अध्यक्ष उषा चौधरी एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

खाली खजाने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं: विजयेंद्र

भाजपा ने राज्य सरकार पर साधा निशाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने दूध की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर की हालिया बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार खाली खजाने के कारण आम आदमी पर बोझ डाल रही है। संशोधित कीमतें 1 अप्रैल से लागू होंगी। विजयेंद्र ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के लिए सरकार की आलोचना करते हुए कहा खाली खजाने के साथ, सरकार अपनी एकमात्र अस्तित्व की रणनीति के रूप में मूल्य वृद्धि का सहारा ले रही है। किसानों का समर्थन करने के बजाय, यह वित्तीय तनाव उपभोक्ताओं पर डाल रही है। उन्होंने निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की। विपक्ष के नेता आर अशोक ने भी कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि 20 महीनों में दूध की कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी है, जिसमें कुल 9 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि

हुई है। उन्होंने कहा सिद्धरामैया की सरकार ने बार-बार आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ाई हैं, जिससे गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों का जीवन असहनीय हो गया है। जिसके बाद सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने कहा कि अतिरिक्त राजस्व से डेयरी किसानों को सीधे लाभ होगा। उन्होंने दावा किया हालांकि उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है, लेकिन यह निर्णय दूध उत्पादकों के हित में है। संशोधन के साथ, नंदिनी दूध के एक लीटर पैकेट की कीमत 44 रुपये से बढ़कर 48 रुपये हो जाएगी, जबकि दही की कीमतों में भी 4 रुपये की वृद्धि होगी। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अब किसानों को 31.68 रुपये से बढ़ाकर 35.68 रुपये प्रति लीटर का भुगतान करेगा। इस निर्णय की विपक्ष और उपभोक्ताओं दोनों ने आलोचना की है, खासकर इसलिए क्योंकि यह उगादी त्योहार से ठीक पहले आया है, जब डेयरी उत्पादों की मांग अधिक होती है। इससे पहले कर्नाटक सरकार ने नंदिनी दूध की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। उम्मीद है कि 30 मार्च को उगादी त्यौहार से कुछ दिन पहले इस कदम से उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में यह फैसला कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) और किसान संगठनों की मांगों के बाद लिया गया। इस बढ़ोतरी के साथ, नंदिनी दूध के एक लीटर वाले नीले पैकेट की कीमत अब 44 रुपये से बढ़कर 48 रुपये हो जाएगी।

इस बढ़ोतरी से राज्य भर के होटलों और मिठाई की दुकानों में चाय, कॉफी और डेयरी आधारित उत्पादों की कीमत बढ़ने की संभावना है। सरकार पर दूध की कीमतों में संशोधन करने का दबाव था, किसान समूहों ने शुरू में 5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की मांग की थी। हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहले इस बढ़ोतरी का विरोध किया था, लेकिन अब कैबिनेट ने इसे हरी झंडी दे दी है। यह फैसला मेट्रो और आरटीसी बस किराए में वृद्धि के साथ-साथ बिजली दरों में संशोधन के लिए सरकार की हाल ही में हुई आलोचना के बीच लिया गया है। इस महीने की शुरुआत में पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश ने पुष्टि की थी कि मूल्य संशोधन आसन्न था। उन्होंने वित्तीय बाधाओं का हवाला देते हुए कहा कि सरकार पर दूध उत्पादकों को सब्सिडी के रूप में 656.07 करोड़ रुपये बकाया हैं, जिससे 9.04 लाख से अधिक लाभार्थी प्रभावित हैं। जबकि किसानों ने 10 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की मांग की थी, मुख्यमंत्री के साथ चर्चा के बाद अंतिम वृद्धि 4 रुपये पर सीमित कर दी गई थी। कर्नाटक राज्य रायता संघ और ग्रीन ब्रिगेड सहित किसान संगठन फरवरी से ही विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें खरीद मूल्य में कम से कम 50 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि के साथ-साथ 10 रुपये प्रति लीटर का अंतरिम समर्थन मूल्य भी मांगा जा रहा है। नंदिनी दूध की कीमतों में आखिरी संशोधन जून 2024 में हुआ था, जब सरकार ने प्रति पैकेट 50 मिलीलीटर अतिरिक्त जोड़ते हुए कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की थी। उस कदम की भी आलोचना हुई थी।

कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेट्रो और बस किराए, दूध और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर जनता ने नाराजगी जताई है। लगातार बढ़ती कीमतों से तंग आकर आम लोग सरकार पर भड़क गए हैं और उन्हें चिंता है कि अगर कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो वे कैसे गुजारा करेंगे। किसानों के बहाने दूध-दही की कीमातों में 4 रुपए की वृद्धि की गई है। सरकार कीमतें बढ़ाकर आम जनता से पैसा ऐंठने की कोशिश कर रही है। यदि दूध उत्पादकों को लाभ पहुंचाना था तो अन्य माध्यमों से कीमत कम की जानी चाहिए थी। जनता ने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया है कि इसे एक तरफ रखकर ग्राहकों से जबरन वसूली करना तथा किसानों को लाभ पहुंचाना कितना उचित है।

पिछले दो वर्षों से सरकार केवल कीमतें बढ़ाने में व्यस्त रही है। पिछले दो-तीन महीनों में मेट्रो, बस, बिजली, दूध और पीने के पानी की कीमतें बढ़ गई हैं। अब वे ऑटो किराया बढ़ाने की भी योजना बना रहे हैं। दूध की कीमतों में वृद्धि के कारण होटलों में कॉफी और चाय की कीमत भी बढ़ जाएगी। दूसरी ओर, मुफ्त गारंटी देने का दावा करने वाली सरकार, कीमतें बढ़ाकर मध्यम और गरीब लोगों को लूटने की कोशिश कर रही है। त्योहार के दौरान लोगों को रियायती दामों पर चीजें मिलनी चाहिए। हालांकि, सरकार ने दूध और बिजली के दाम बढ़ाकर दोहरा झटका दिया है। कई महिलाओं ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यदि मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण नहीं किया गया तो लोग दूध और घी भी इस सरकार के भरोसे छोड़ देंगे। मेट्रो किराए में अत्यधिक वृद्धि की गई। इसके बाद बस किराये में भी वृद्धि कर दी गई।

अब दूध के दाम बढ़ा दिए गए हैं। दूध एक ऐसा पदार्थ है जिसका सेवन छोटे-बड़े सभी लोग करते हैं। इन आवश्यक डेयरी उत्पादों की कीमतों में बेतरतीब वृद्धि नहीं की जानी चाहिए। यदि हम ऐसा करेंगे तो बाजार में प्रतिस्पर्धा के कारण हमारे दूध को नुकसान होगा। यदि अन्य राज्यों में दूध की कीमतें बढ़ने के बहाने दूध की कीमतें बार-बार बढ़ाई जाती रहेंगी तो यह आम लोगों पर बोझ होगा। लोगों ने मूल्य वृद्धि की तत्काल समीक्षा की मांग की है। यह मूल्य वृद्धि और कर वृद्धि की सरकार है। दूध की कीमतों में तीन गुना वृद्धि की गई है। बिजली के बिल बार-बार झटके से आ रहे हैं।

दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं की कीमतें पहले ही आसमान छू रही हैं। इस बीच, दूध और दही की कीमत भी बढ़ गई है, जिससे जले पर नमक छिड़कने जैसा काम हो गया है। सत्तारूढ़ सरकारों को आम लोगों की पीड़ा पर ध्यान देना चाहिए, न कि उन्हें पीड़ा में धकेलना चाहिए। सभी सरकारें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी न किसी तरह से कीमतें बढ़ाती रही हैं। हाल ही में मूल्य वृद्धि की श्रृंखला से लोग परेशान हैं। लोगों की पीड़ा पर ध्यान देना सरकार की जिम्मेदारी है।

कोर्ट ने बैंक को ऋण वसूली के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारी की पूरी पेंशन काटने से रोका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केनरा बैंक को निर्देश दिया है कि वह किसी सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी की पेंशन में से 50 प्रतिशत से अधिक राशि उसके बकाया ऋण की वसूली के लिए न काटे। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि पेंशन सेवानिवृत्त लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा का काम करती है और इसे धोखाधड़ी, जालसाजी या कदाचार के मामलों को छोड़कर पूरी तरह से ऋण चुकौती में नहीं लगाया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति एस जी पंडित, जिन्होंने फैसला सुनाया, ने इस बात पर जोर दिया कि बैंकों को बकाया राशि वसूलने का कानूनी अधिकार है, लेकिन उन्हें पेंशनभोगियों की आजीविका की सुरक्षा करने वाले नियमों का पालन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पेंशनभोगी की वित्तीय स्थिरता आवश्यक है और उन्हें ऋण चुकौती के लिए अपनी पूरी पेंशन छोड़ने के लिए मजबूर करना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन हो सकता है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। यह मामला केरल के त्रिशूर में रहने वाले 70 वर्षीय सेवानिवृत्त केनरा बैंक कर्मचारी मुरुगन ओ के द्वारा न्यायालय के समक्ष लाया गया था।

मुरुगन 30 नवंबर, 2014 को सेवानिवृत्त हुए थे और अपनी पेंशन के एक हिस्से से लगातार अपने ऋण की ईएमआई का भुगतान कर रहे थे। हालांकि, जुलाई 2024 से, केनरा बैंक ने बकाया राशि का निपटान करने के लिए उनकी पूरी पेंशन काटनी शुरू कर दी, जिससे उन्हें कानूनी हस्तक्षेप की मांग करनी पड़ी। उन्होंने अदालत से यह भी अनुरोध किया कि बैंक को उस शैक्षिक ऋण पर दंडात्मक ब्याज लगाने से रोका जाए, जिसके लिए वह अपनी बेटी के साथ सह-देनदार थे। केनरा बैंक ने तर्क दिया कि मुरुगन पर 8.5 लाख रुपये बकाया हैं और इस बात पर जोर दिया कि बकाया राशि वसूलना उसके अधिकार में है। हालांकि, अदालत ने फैसला सुनाया कि बैंक ऋण वसूली के लिए उनकी पेंशन का केवल 50 प्रतिशत ही काट सकता है और सुझाव दिया कि वह ऋण के खिलाफ प्रदान की गई किसी भी संपार्श्विक को लागू करने जैसे अन्य कानूनी रूप से स्वीकार्य तरीकों का पता लगाए। न्यायमूर्ति पंडित ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अभी भी सेवा में लगे कर्मचारियों के लिए भी, ऋण वसूली आमतौर पर उनके टेक-होम वेतन के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होती है। उन्होंने कहा कि पेंशनभोगियों की वित्तीय भलाई सुनिश्चित करने के लिए यही सिद्धांत उन पर भी लागू किया जाना चाहिए।

बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने असंतुष्टों के साथ बैठक की

भाजपा ने कर दिया है निष्कासित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा से निष्कासित विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने शुक्रवार को असंतुष्टों के साथ बैठक कर उत्सुकता पैदा कर दी है। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि यतनाल के साथ बैठक करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद, असंतुष्टों ने बैठकें आयोजित करके वरिष्ठों को सीधे चुनौती दी है। पूर्व सांसद जीएम सिद्धेश्वर के आवास पर हुई बैठक में निष्कासित विधायक यतनाल, रमेश जारकीहोली, कुमार बंगारप्पा, प्रतापसिंह, एन.आर. संतोष और विधायक बी.पी. हरीश, जिन्हें कारण बताओ नोटिस मिला है, भी शामिल हुए। इससे पहले वे हैदराबाद से विमान द्वारा केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचे और सीधे पूर्व सांसद जी.एम.सिद्धेश्वर के आवास पर पहुंचे। यतनाल टीम द्वारा अचानक स्थान परिवर्तन, जिसने पहले सदाशिवनगर में पूर्व विधायक कुमार बंगारप्पा के निवास पर बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया था, कौतुहल का विषय है। यतनाल ने मीडिया को कोई जवाब नहीं दिया और यूबी सिटी अपार्टमेंट में सिद्धेश्वर के निवास पर एक गुप्त बैठक की। बताया जा रहा है कि नेता अपने अगले कदम के बारे में लंबी चर्चा कर रहे हैं, साथ ही यतनाल के निष्कासन

को मंजूरी देने और आलाकमान को मनाने पर भी चर्चा हो रही है। इससे पहले भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली, जिन्हें राज्य भाजपा में विद्रोही नेताओं में से एक माना जाता है, ने गुरुवार को कहा था कि बसनगौड़ा पाटिल यतनाल का निष्कासन दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन इसे जल्द ही वापस लिया जाएगा।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यतनाल को इसलिए निष्कासित किया गया क्योंकि उन्होंने राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और उनके पिता और पूर्व सीएम बी.एस. येदियुरप्पा की आलोचना की थी। मुझे यकीन है कि ऐसा इन नेताओं की आलोचना के कारण नहीं हुआ है। मैंने भी अतीत में कई बार विजयेंद्र की आलोचना की है। लेकिन मेरे खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यतनाल को क्यों निष्कासित किया गया। हालांकि, हम सभी इंसान हैं और हम सभी गलतियां करते हैं। हो सकता है कि हमने कोई गलती की हो, हो सकता है कि यतनाल ने कोई गलती की हो। हमें नहीं पता कि गलती क्या थी, लेकिन मुझे यकीन है कि इसे माफ कर दिया जाएगा और यतनाल को पार्टी में फिर से शामिल किया जाएगा। राजनीति में इस तरह के उतार-चढ़ाव आम बात है। यहां तक कि ग्रहण के दौरान सूर्य का चेहरा भी ढक जाता है। विजयेंद्र की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे अब भी अपने पुराने बयानों पर कायम हैं। मैं अपने बयानों से पीछे नहीं हटूंगा, लेकिन अब मैं कोई और टिप्पणी नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि राज्य भाजपा के सभी बागी नेताओं ने यतनाल के पीछे एकजुट होने और पार्टी आलाकमान से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि निष्कासन रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें यतनाल को पार्टी से निकाले जाने के बारे में पहले कुछ नहीं पता था। विद्रोही शुक्रवार को बेंगलूरु में मिलेंगे और यतनाल को पार्टी हाईकमान को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के अनुरोध के साथ एक पत्र भेजने के लिए मनाएंगे। लेकिन हमारी कोई प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली ले जाने की योजना नहीं है। कुछ मीडिया हाउस कह रहे हैं कि यतनाल के दोस्तों और पार्टी के सहयोगियों ने उन्हें छोड़ दिया है। लेकिन यह सच नहीं है। यतनाल अकेले नहीं हैं। हम सब उनके साथ हैं। यतनाल एक संवेदनशील व्यक्ति हैं और वे अभी दर्द में हैं। लेकिन फिर, हमने उनसे चुप रहने और अब किसी के खिलाफ कोई बयान नहीं देने का आग्रह किया है। हम पार्टी हाईकमान को बताएंगे कि वे एक निस्वार्थ नेता हैं और पार्टी को उनके नेतृत्व से लाभ होगा। मुझे यकीन है कि वे सुनेंगे। उन्होंने कहा कि अपील राष्ट्रीय नेताओं से की जाएगी, न कि राज्य नेताओं से। बैठक कुमार बंगारप्पा के घर में होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके या यतनाल के पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। हम भाजपा में बने रहेंगे। हम आगामी चुनावों में 28 एमपी सीटों और सभी विधानसभा सीटों के लिए लड़ेंगे।

कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए नया फॉर्मूला लेकर आई है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य पीसीसी के साथ बैठक में भाग लिया।

बैठक के बाद, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि पार्टी देश में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए नया फॉर्मूला लेकर आई है। शिवकुमार ने यह भी कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (पीसीसी) को सदस्यता प्राप्त करने, सोशल मीडिया पर नजर रखने, पार्टी की संपत्तियों की देखभाल करने आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है। वे देश में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए नया फॉर्मूला लेकर आए हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने यह पहल की है।

पार्टी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (पीसीसी) को सदस्यता प्राप्त करने, सोशल मीडिया पर नजर रखने, पार्टी की संपत्तियों की देखभाल करने आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया है। इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दो सहयोगियों पर पार्टी की निर्भरता प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के 400 सीटें जीतने के दावे के लिए एक बड़ा झटका है। खड़गे ने नई दिल्ली में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया। खड़गे ने एकता और दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य स्तर पर चुनाव जीतने के महत्व पर चर्चा की। खड़गे ने जोर देते हुए कहा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें राज्य स्तर पर चुनाव जीतने के लिए दीर्घकालिक रणनीति के साथ एकजुटता से काम करना याद रखना चाहिए। हमारी विचारधारा मजबूत है, लेकिन सत्ता के बिना हम इसे लागू नहीं कर सकते। खड़गे ने कई राज्यों में आगामी चुनावों से पहले राज्य स्तर पर मजबूत संगठनात्मक ढांचे की आवश्यकता पर भी चर्चा की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा अगले साल (मार्च-अप्रैल 2026) असम, केरल, पुद्दुचेरी और तमिलनाडु में चुनाव होंगे। अपने जिले के हर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है। हम मिलकर काम करेंगे, लेकिन आप जमीन पर हमारी पहली रक्षा पंक्ति हैं। हमारी रणनीति बनाने में आपके इनपुट महत्वपूर्ण होंगे और हम उन्हें ध्यान में रखेंगे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यतनाल के निष्कासन से भाजपा को पंचमसाली वोट खोने का डर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीजापुर विधानसभा क्षेत्र से हिंदू फायरब्रांड विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किए जाने के मामले के कारण भाजपा को पंचमसाली समुदाय के वोट खोने का खतरा मंडरा रहा है, जो एक ठोस आधार था।

गांव से लेकर दिल्ली तक किसी भी चुनाव में प्रत्याशियों की जीत या हार में पंचमसाली समुदाय की अहम भूमिका रही है। वे विशेष रूप से कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में प्रचलित हैं, जिसमें बल्लारी, रायचूर, कोप्पल, बागलकोट, बीदर, विजयपुर, कलबुर्गी और विजयनगर शामिल हैं। साथ ही कल्याण कर्नाटक में हावेरी, धारवाड़ और बेलगावी शामिल हैं, और मध्य कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भी, जिनमें दावणगेरे, शिवमोग्गा और चित्रदुर्ग शामिल हैं।

जब राज्य में भाजपा-जेडीएस गठबंधन सरकार सत्ता विवाद के कगार पर थी तब भाजपा विश्वशैव-लिंगायत समुदाय के वोटों को आकर्षित करने में सफल रही। यह वह दौर था जब

येदियुरप्पा, जो अब तक एक साधारण नेता थे, वीरशैव समुदाय के एक प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे। यह कोई रहस्य नहीं है कि इस समुदाय ने तब से लेकर 2023 के विधानसभा चुनाव तक भाजपा का समर्थन किया है। हालाँकि, जब केंद्रीय भाजपा नेताओं ने येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया, तो यही समुदाय थोड़ा कांग्रेस की ओर झुक गया। हालाँकि, पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा एक बार फिर इस समुदाय का वोट आकर्षित करने में सफल रही।

अब, पंचमसाली समुदाय के एक प्रभावशाली नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को भाजपा की केंद्रीय अनुशासन समिति ने मनमाने ढंग से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। राजनीतिक क्षेत्र में इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि क्या आने वाले दिनों में यह लोटस पार्टी के लिए महंगा साबित होगा। पंचमसाली समुदाय के जया मृत्युंजय स्वामीजी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदुयुरप्पा और राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र यतनाल के निष्कासन का मुख्य कारण थे। यह चेतावनी कि यदि यतनाल का निष्कासन वापस नहीं लिया गया तो पूरा पंचमसाली समुदाय भाजपा को सबक सिखाएगा, भाजपा के लिए एक कड़वी गोली बन गई है। क्या यतनाल के निष्कासन से राज्य भाजपा में सब कुछ ठीक हो जाएगा? क्या कल से भाजपा गुट-मुक्त हो जाएगी? राजनीतिक गलियारों से ऐसे सवालों का जवाब हमेशा नहीं ही मिलता है।

यह मानना मुश्किल है कि आलाकमान के फैसले से राज्य में भाजपा के लिए अनुकूल माहौल बनेगा। वर्तमान स्थिति में, आलाकमान के नेता मतभेदों को सुलझाने के लिए राज्य के वरिष्ठ नेताओं और गुटबाजी में शामिल नेताओं को एक साथ ला सकते थे। लेकिन यदि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया होता और उन्हें निष्कासित कर दिया होता, तो क्या समस्याएं हल हो जातीं? राज्य में भाजपा की कहानी पहले से ही घर-घर में चर्चित है। 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी कमजोर होती जा रही है।

इसके अलावा, नेताओं के बीच असंतोष पार्टी संगठन के लिए हानिकारक होता जा रहा है। विशेषकर बी.वाई. विजयेंद्र के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद कई वरिष्ठ नेताओं की पार्टी संगठन में रुचि खत्म हो गई है, क्योंकि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष का पद नहीं दिया गया। बी.एस. येदियुरप्पा को 2021 में सीएम पद से हटाकर बसवराज बोम्मई को इस पद पर लाने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता, बाद के घटनाक्रम से स्तब्ध हैं। जब 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा, तब आलाकमान की नींद खुली और उसने बी.एस. येदियुरप्पा को पार्टी में सक्रिय किया। इस प्रकार, पार्टी से दूर चले गए लिंगायत वोट को वापस जीतने के लिए, बी.एस. येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई. विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष का पद दिया गया। यहां जो हुआ वह हाईकमान की अपेक्षा के विपरीत था। लिंगायत नेताओं ने सबसे पहले विजयेंद्र की प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति का विरोध किया था। उस समय प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवार थे। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, सी.टी. रवि, सुनील कुमार और अन्य ने पर्दे के पीछे से प्रयास किया था। लेकिन आलाकमान को किसी की परवाह नहीं थी, उसने बी.वाई. विजयेन्द्र को पद पर नियुक्त किया। यद्यपि इससे कई वरिष्ठ नेताओं में असंतोष पैदा हुआ, लेकिन कुछ लोग चुप रहे, तथा बाहरी तौर पर इसे प्रदर्शित करने के बजाय, मन ही मन कोसते रहे। बसनगौड़ा यतनाल अकेले ऐसे व्यक्ति थे जो चुप नहीं रहे। उनका मानना था कि भले ही उन्हें अध्यक्ष पद न मिले, लेकिन कम से कम विधान सभा में विपक्षी दल की सीट तो मिल ही जाएगी। लेकिन वह भी उपलब्ध नहीं था। उनका मानना था कि भाजपा के सत्ता में रहते हुए उन्हें मंत्री पद दिया जाएगा।

मेंगलूरु जेल के पास मोबाइल नेटवर्क बाधित

अधिकारियों ने समाधान का आश्वासन दिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला जेल में लगाए गए 5जी मोबाइल जैमर के कारण नेटवर्क संबंधी समस्याओं का जल्द ही समाधान होने की उम्मीद है। स्थानीय निवासियों द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों को उजागर करने वाली एक मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, जेल अधीक्षक यशोदा वंतीगोडी ने शिकायतों को स्वीकार किया और पुष्टि की कि समाधान खोजने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु और बेलगावी जेलों में भी इसी तरह की समस्याएँ हुई थीं, लेकिन जैमर के पावर लेवल को एडजस्ट करके बेंगलूरु में समस्या का समाधान किया गया। जेल के अंदर सुरक्षा बनाए रखते हुए लोगों की असुविधा को कम करने के लिए मेंगलूरु में भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। पी-वीएस सर्किल क्षेत्र सहित जेल के आस-पास रहने वाले निवासियों ने गंभीर मोबाइल नेटवर्क व्यवधान की सूचना दी है, जिससे आप-ातकालीन कॉल करना मुश्किल हो गया है। हाल ही में एक वरिष्ठ नागरिक बीमार पड़ गया और नेटवर्क फेल होने के कारण एम्बुलेंस से संपर्क करने में असमर्थ

था, जिससे वह पूरी रात परेशान रहा। जियो नेटवर्क उपयोगकर्ताओं को किए गए कॉल अक्सर 'व्यस्त' प्रतिक्रिया देते हैं, भले ही फोन उपयोग में न हो। स्थानीय पशु बचाव दलों को भी घायल पशुओं के बारे में संकट कॉल प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, जिससे चिकित्सा सहायता प्रदान करने में देरी हो रही है। हाल ही में एक मामले में, दिल के दौरे के एक मरीज के परिवार ने तत्काल सलाह के लिए जेल के पास रहने वाले हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पद्मनाभ कामथ से संपर्क करने की कोशिश की। हालांकि, बार-बार कॉल करने के प्रयास विफल रहे, जिससे मरीज की स्थिति और खराब हो गई। अधिकारियों ने जैमर लगाने के लिए जिम्मेदार टीसीआईएल की तकनीकी टीम को इस मुद्दे को तुरंत हल करने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित करने के लिए जैमर की पावर सेटिंग में समायोजन किया जाएगा कि जेल की सुरक्षा से समझौता किए बिना निवासियों के लिए नेटवर्क सुलभ रहे।

स्थानीय निवासियों ने जेल प्रशासन से वैकल्पिक समाधान तलाशने का आग्रह किया है, जैसे कि आम जनता के लिए नेटवर्क सेवाओं को बाधित करने के बजाय जेल के अंदर अवैध फोन के उपयोग को रोकने के लिए मोबाइल डिटेक्टरों का उपयोग करना। आस-पास कई स्कूल, कॉलेज और चिकित्सा सुविधाएं होने के कारण, निवासियों ने आगे की कठिनाइयों को रोकने के लिए तत्काल समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया है, खासकर बुजुर्ग नागरिकों और चिकित्सा आपात स्थिति में रहने वालों के लिए।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर होगा मामला दर्ज: मंत्री

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आबकारी मंत्री आर.बी. तिम्मापुर ने कहा कि कलबुर्गी संभाग में इस वर्ष उन लोगों के खिलाफ 359 मामले दर्ज किए गए हैं जो अधिकतम खुदरा मूल्य पर शराब खरीदकर सार्वजनिक स्थानों, पार्कों और शहर के बाहरी इलाकों में मौज-मस्ती के साथ पीते हैं।

यहां शुक्रवार को संभागीय आबकारी विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को रोकने के लिए सीएल 7 की सीमा बढ़ाई जा रही है, ताकि लोग निर्धारित स्थानों पर बैठकर शराब पी सकें और पुलिस विभाग की मदद से सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह

देखा गया है कि पड़ोसी राज्यों से इस क्षेत्र में गांजा (मारिजुआना) की बिक्री के मामलों में वृद्धि हुई है, तथा पड़ोसी राज्यों में सार्वजनिक रूप से बेची जानेवाली सेंदी की बढ़ती खपत भी एक समस्या है। संबंधित विभागों को कलबुर्गी क्षेत्र में मारिजुआना की बिक्री को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। सीमा पर चेक पोस्टों सहित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली पर निगरानी रखने की सलाह दी गई है। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे मारिजुआना और अन्य घातक नशीले पदार्थों की बिक्री को रोकने के साथ-साथ गांवों के घरों में भी शराब की बिक्री को रोकने के लिए कदम उठाएं। बैठक में लघु उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री तथा यादगीर जिला प्रभारी शरणबसप्पा दर्शनपुर, विधायक अल्लमप्रभु पाटिल, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त (प्रवर्तन एवं अपराध) डॉ. वाई. मंजूनाथ, संयुक्त आबकारी ना-गराजप्पा आदि अधिकारी उप-स्थित थे।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक रिटायरीज यूनियन का विरोध प्रदर्शन आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पेंशन संशोधन समेत विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक रिटायरीज यूनियन ने शनिवार सुबह 10 बजे से फ्रीडम पार्क में धरना देने की योजना बनाई है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए वेदिके के संयुक्त महासचिव के. विश्वनाथ नाइक ने कहा हमारे वेदिके के तहत चार लाख सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। 1995 से लंबित बैंक सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मूल पेंशन को संशोधित किया जाना चाहिए। विशेष भत्ते पर पेंशन दी जानी चाहिए। सभी बैंकों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समान रूप से सुविधाएं दी जानी चाहिए।

स्वास्थ्य बीमा सुविधाओं में सुधार किया जाना चाहिए और इस बीमा पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से छूट दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा वाणिज्यिक बैंकों के पेंशनरों के साथ होने वाले भेदभाव को टाला जाना चाहिए।

बैंक की नौकरी से इस्तीफा देने वालों को पेंशन दिए जाने की समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाना चाहिए। इन मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन में तीन हजार लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

नर्सिंग कॉलेजों में दिया जाएगा विदेशी भाषा प्रशिक्षण: डॉ. शरणप्रकाश पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि कर्नाटक में नर्सिंग छात्रों के लिए वैश्विक रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए, सभी नर्सिंग कॉलेजों में विदेशी भाषा प्रयोगशालाओं के माध्यम से विदेशी भाषा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यहां शुक्रवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर फिजियोथैरेपी कॉलेज में नए फिजियोथैरेपी भवन के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुशल नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग बढ़ रही है। इसलिए

विदेशी भाषा प्रशिक्षण की आवश्यकता है। प्रशिक्षित नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के छात्रों को विदेशी अस्पतालों में अवसर मिलने की संभावना है। विभिन्न देशों के लोग पहले ही हमसे संपर्क कर चुके हैं। इन अस्पतालों को ऐसे अभ्यर्थियों की आवश्यकता है जो उनकी स्थानीय भाषा जानते हों और हम अपने छात्रों को तदनुसार सक्षम बनाने के लिए कदम उठा रहे हैं। नर्सिंग छात्रों के पास अपने पाठ्यक्रम के दौरान जर्मन, जापानी और अंग्रेजी सीखने का विकल्प होता है।

ई-प्रसाद सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं के घरों तक पहुंचाई जाएगी प्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धार्मिक बंदोबस्ती विभाग ने ई-प्रसाद सेवा शुरू की है, जिसके तहत राज्य के 14 प्रमुख मंदिरों से प्रसाद श्रद्धालुओं के घरों तक पहुंचाया जाएगा। नई सेवा का शुभारंभ मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शांतिनगर स्थित परिवहन विभाग कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में भक्त मंदिरों में नहीं जा पाते हैं। ऐसे मामलों में, ई-प्रसाद सेवा के माध्यम से ऑर्डर करने और आपके घर तक प्रसाद पहुंचाने की व्यवस्था लागू की गई है। भक्तों को बिना किसी हानि, बिना किसी लाभ के आधार पर सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रसाद की डोर-टू-डोर डिलीवरी की जाएगी। बेंगलूरु के श्री विनायकस्वामी मंदिर, गवीपुर के श्री गवी गंगाधरेश्वर स्वामी मंदिर, हलासुर के श्री सोमेश्वरस्वामी मंदिर, मैसूरु के नंजनगुड के श्री कांतेश्वर स्वामी, कोलार के मलूर के श्री पुसन्ना वेंकटरमण स्वामी मंदिर, दक्षिण कन्नड़ के कुक्के के श्री सुब्रहण्य मंदिर, विजयनगर के हुविनाहदगली के श्री मैलारालिं-

गेश्वर मंदिर, कोप्पल के हुलिगी के श्री हुलिगेमा मंदिर, कलबुर्गी के गणगपुरा के श्री गुरुदत्त-त्रेय स्वामी मंदिर, उडुपी के कोल्लूर के श्री मूकाम्बिका, बीदर के श्री क्षेत्र झरानी नरसिम्हा मंदिर, बेलगावी के येल्लमना हिल के श्री रेणुका येल्लमा मंदिर और बल्लारी के श्री कनक दुर्गामा मंदिर से चढ़ावा आपके दरवाजे तक पहुंचेगा। भक्तजन ई-प्रसाद सेवा से प्रसाद प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें मिश्री, बादाम, काजू, अंगूर, भासा या भंडारा, कुमकुम, बेल पत्र/फूल/तुलसी, तथा देवता का पैकेट आकार का लेमिनेटेड फोटो, डॉलर और धागा, मंदिर की महिमा और भजन प्रिंट शामिल हैं।

बल्लारी मेयर ने महिलाओं से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की नियमित जांच करवाने का किया आग्रह

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए बल्लारी मेयर मुल्लांगी नंदीश ने महिलाओं से इस बीमारी की नियमित जांच करवाने का आह्वान किया। वे बल्लारी के फुटबॉल स्टेडियम में महिला नागरिक कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बोल रहे थे। बल्लारी सिटी कॉरपोरेशन ने बायोसिफर लैब्स, संजीविनी अस्पताल, नव कर्नाटक नर्सिंग होम और सिरी डायग्नोस्टिक लैब के सहयोग से शिविर का आयोजन किया। स्वास्थ्य जांच शिविर हमारी महिला पौरकर्मिकाओं के लिए आयोजित किया गया है। शिविर में पंजीकरण, परामर्श और अन्य सभी सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क हैं। महिलाओं, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिलाओं को ऐसे शिविरों का लाभ उठाना चाहिए, जहां अनुभवी चिकित्सा पेशेवर उनकी जांच कर सकते हैं। इन दिनों गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। महिलाओं को इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैं उनसे इसकी नियमित जांच करवाने की अपील करता हूं। प्रारंभिक निदान से बेहतर उपचार हो सकता है। संसाधन व्यक्ति डॉ. शंकर ने अपने अनुभव से उदाहरण देते हुए इस बात पर जोर दिया कि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और स्तन कैंसर से मृत्यु हो सकती है। उन्होंने कहा 10 से 45 वर्ष की आयु की महिलाओं को इन बीमारियों की जांच अवश्य करानी चाहिए। यदि बीमारी का प्रारंभिक अवस्था में पता चल जाए, तो इसका इलाज संभव है। केंद्र सरकार ने गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर के उपचार के लिए विशेष अनुदान आवंटित किया है और महिलाओं को इसका लाभ उठाना चाहिए। उप महापौर डी. सुकुम, सामाजिक, नगर निगम की स्वास्थ्य और शिक्षा स्थायी समिति के अध्यक्ष एम.के. पद्मरोजा, प्रोबेशनरी स्वास्थ्य अधिकारी मुनाफ पटेल, डॉक्टर समीर और गंगाधर तथा नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टमाटर की कीमतों में गिरावट, किसान परेशान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिलचिलाती धूप और बिजली कटौती के बीच बड़ी मुश्किलों और कर्ज के साथ उगाए गए टमाटरों की कीमत बहुत नीचे पहुंच गई है, जिससे उत्पादक बेहद मुश्किल में हैं। सूरज की तपिश दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और पानी की भारी कमी के बीच उगाए गए टमाटरों की कीमत में भारी गिरावट आई है।

उन्हें उनकी लागत वसूल किए बिना ही बगीचे में छोड़ दिया जाता है, और पकने के बाद वे ऐसे दिखते हैं जैसे खेत में सड़ रहे हों। टमाटर, जिसे लॉटरी फसल के रूप में जाना जाता है, कभी-कभी शतक भी बना लेता है, लेकिन इसके ढहने में ज्यादा समय नहीं लगता। टमाटर के बिना कोई भी व्यंजन अधूरा है। फिर भी, कीमतें स्थिर नहीं रहतीं। कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु,

बेंगलूरु ग्रामीण, मगदी, दावणगेरे, चित्रदुर्ग और अन्य जिलों में टमाटर व्यापक रूप से उगाया जाता है।

इस बार धूप की अधिकता और बीमारी की अनुपस्थिति के कारण पैदावार अधिक हुई तथा बाजार में अधिक उपज आ रही है, जिससे मांग कम होने के कारण कीमतों में गिरावट आई है। कोलार और चिक्कबल्लापुर मंडियों से बड़ी मात्रा में टमाटर महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे पड़ोसी राज्यों को निर्यात किया जाता है। लेकिन वहां भी फसल खूब हुई है और चूंकि वहां के व्यापारी राज्य में नहीं आ रहे हैं, इसलिए मांग कम हो गई है। इसके अलावा, अधिक धूप के कारण टमाटर जल्दी पक जाते हैं। फल भी जल्दी पक जाता है। इसलिए उत्पादन ज्यादातर कम मांग के कारण होता है। कई किसानों ने इस डर से अधिक फसल उगा ली है कि इस बार गर्मी के कारण सब्जियों के दाम बढ़ जाएंगे।

इसलिए, कीमत गिर गई है। बाजार में 15 किलो वजन का एक क्रेट 80 से 100 रुपये में बिक रहा है। बेंगलूरु में यह खुदरा 10 रुपये किलो बिक रहा है। यदि इसमें मजदूरी, परिवहन और कमीशन शामिल हो जाए तो किसान के पास कुछ नहीं बचेगा। इससे नाराज कई किसानों ने टमाटर तोड़े बिना ही उन्हें खेतों में ही छोड़ दिया है। कुछ किसान अपनी उपज मंडी में लाते भी हैं, लेकिन कीमत न मिलने के कारण वे उसे बेच नहीं पाते, इसलिए वे उसे सड़क किनारे फेंक देते हैं और पशुओं को खिला देते हैं।

भूंकप से प्रधानमंत्री की थाईलैंड यात्रा पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली 28 मार्च (एजेंसियां)।
थाईलैंड और म्यांमार में शुक्रवार को आये विनाशकारी भूकंप के कारण चार अप्रैल को बैंकॉक में होने वाले 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के आयोजन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीन अप्रैल से छह अप्रैल तक थाईलैंड और श्रीलंका की यात्रा का कार्यक्रम पर कोई फर्क नहीं पड़ा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री और विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मुजूमदार ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री की यात्रा का विवरण देते हुए यह बात कही।

श्री मजूमदार ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन से चार अप्रैल तक थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की थाईलैंड की तीसरी यात्रा होगी। भारत और थाईलैंड के बीच ऐतिहासिक रूप से मधुर द्विपक्षीय संबंध रहे हैं, दोनों देशों के बीच सभ्यतागत, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध हैं। थाईलैंड भारत का समुद्री पड़ोसी है, हमारी एक्ट ईस्ट नीति और हिन्द प्रशांत के लिए विजन में एक मूल्यवान भागीदार है और बिम्सटेक में भी एक अत्यधिक मूल्यवान भागीदार है। प्रधानमंत्री

थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। यह थाई प्रधानमंत्री के साथ उनकी दूसरी बैठक होगी। इससे पहले उन्होंने पिछले साल 11 अक्टूबर को वियनतियाने में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान उनसे मुलाकात की थी।

श्री मजूमदार ने कहा कि बिम्सटेक क्षेत्र में मौसम की चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपद-ाओं का खतरा बना रहता है। इसकी प्रासंगिकता आज म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंप में देखी जा सकती है। आपदा प्रबंधन में सहयोग और मानवीय सहायता और आपदा राहत अभ्यासों के माध्यम से हमारे आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के बीच सहयोग भारत के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के बाद, प्रधानमंत्री श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के निमंत्रण पर चार से छह अप्रैल तक राजकीय यात्रा पर श्रीलंका जाएंगे।

आप सभी को याद होगा कि राष्ट्रपति दिसानायके ने राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद दिसंबर 2024 में अपनी पहली विदेश यात्रा पर नई दिल्ली का दौरा किया था और अब प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में राष्ट्रपति दिसानायके द्वारा मेजबानी किए जाने वाले पहले विदेशी नेता बनकर इस यात्रा का प्रतिदान कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री की अपने कार्यकाल के दौरान श्रीलंका की चौथी यात्रा भी होगी।

श्री मिस्री ने कहा कि श्रीलंका हमारी पड़ोस प्रथम नीति का एक अभिन्न अंग है और यह संबंध आपसी विश्वास और सद्भावना पर आधारित है और समय की कसौटी पर खरा उतरा है। भारत ने महत्वपूर्ण क्षणों में श्रीलंका की सहायता की है, सबसे हाल ही में 2022 में श्रीलंका के सामने आए अभूतपूर्व आर्थिक संकट के दौरान, और भारत को श्रीलंका के आर्थिक स्थिरीकरण और सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम होने पर खुशी है।

म्यांमार-थाईलैंड भूकंप पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, हम वर्तमान में मुख्य रूप से म्यांमार में हुए नुकसान की रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहे हैं। हम म्यांमार के अधिकारियों के संपर्क में हैं और सहायता और राहत सामग्री की सटीक आवश्यकताओं पर भी विचार कर रहे हैं।

जब भी इस तरह की प्राकृतिक आपदाएं आई हैं, भारत हमेशा पड़ोस में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश रहा है।

भूकंप के कारण बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के आयोजन एवं प्रधानमंत्री की यात्रा पर असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि थाईलैंड के अधिकारियों से इस बारे में बात हुई है। चूंकि भूकंप का थाईलैंड पर कोई ज्यादा असर नहीं हुआ है। इसलिए शिखर सम्मेलन के आयोजन एवं प्रधानमंत्री की यात्रा पर कोई परिवर्तन नहीं है।

मछुआरों के मुद्दे पर सवालों के जवाब में विदेश सचिव कहते हैं, हमारे पक्ष के मछुआरों द्वारा कथित रूप से सीमा रेखा पार करने के आधार पर, श्रीलंकाई पक्ष पर गिरफ़्तारियाँ की गई हैं और फिर एक प्रक्रिया से गुज़रना पड़ा है। हम सभी स्तरों पर श्रीलंका के अधिकारियों के साथ बहुत निकट संपर्क में रहे हैं। हमारा प्रयास इन मुद्दों को हल करना जारी रखना है। इन मुद्दों पर आपसी सहमति बनाना और निश्चित रूप से, कोलंबो में हमारे मिशन और जाफ़ना में हमारे वाणिज्य दूतावास इन मुद्दों से बहुत निकटता से जुड़े हुए हैं।

श्री मिस्री ने कहा, हमने हमेशा श्रीलंका के साथ अपनी चर्चाओं में इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया है कि सभी परिस्थितियों में बल के उपयोग से बचने की आवश्यकता है और इसलिए, हमें लगता है कि दोनों पक्ष इस मुद्दे के दीर्घकालिक और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान प्राप्त करने के लिए हमारी चल रही बातचीत और हमारी रचनात्मक भागीदारी को जारी रखने की आवश्यकता को समझते हैं। मुझे कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ अपनी बैठक के दौरान हमारे मछुआरों के कल्याण से संबंधित मुद्दों को उठाएंगे।

अनुशासन बिगड़ता देख बैठक बीच में छोड़कर चले गए सभापति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली 28 मार्च (एजेंसियां)।
राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की शुक्रवार को एक बैठक बुलाई गई। इसमें राज्यसभा में अगले सप्ताह होने वाले कार्यों पर चर्चा की जानी थी। जानकारी के मुताबिक, कई सांसदों द्वारा अनुशासन का पालन न करने पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बैठक के बीच में उठकर चले गए।

राज्यसभा में विपक्ष के कुछ सांसदों का कहना है कि बैठक के दौरान सरकार और उनके बीच डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र संख्या पर चर्चा को लेकर मतभेद था। इसी मुद्दे पर सभापति बैठक से चले गए।

विपक्ष के सांसदों का कहना है कि वे बजट सत्र में लगातार डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र संख्या पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा, कुछ विधेयकों को संसदीय समितियों के पास भेजने को लेकर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को हुई इस बैठक में सत्ता पक्ष और विपक्षी सांसद अपनी-अपनी बातों पर अड़े रहे। इससे बैठक में अव्यवस्था उत्पन्न हुई।

राज्यसभा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक फोटो पहचान पत्र पर चर्चा की कोई बात ही नहीं है, बल्कि बैठक में अनुशासनहीनता देखने को मिली, इसलिए सभापति बैठक से उठकर चले गए।

बताया जा रहा है कि यहां सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद विभिन्न मुद्दों पर सहमति नहीं बना पाए और अपनी-अपनी बातों पर अड़े रहे, जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई।

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद बजट सत्र के दौरान लगातार डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र संख्या पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सदन में कई बार नियम 267 के तहत इस पर चर्चा की मांग भी उठाई है। इसके अलावा, समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर दिया गया वक्तव्य भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का बड़ा कारण बना हुआ है। जहां कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला, वहीं सदन के भीतर शुक्रवार को सपा सांसद के वक्तव्य पर काफी हंगामा हुआ।

रामजीलाल सुमन ने मौजूदा संसद सत्र के दौरान राणा सांगा को लेकर एक विवादित बयान दिया था, जिस पर सत्ता पक्ष ने अपनी नाराजगी जताई है।

सभापति जगदीप धनखड़ ने राणा सांगा को नायक बताया है। उन्होंने कहा कि सदन में कुछ भी बोलते समय जन भावनाओं का सम्मान और ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने सपा सांसद के वक्तव्य को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया है, लेकिन यह सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, हर परिस्थिति में हमारा आचरण मर्यादित होना चाहिए, संजीदगी का होना चाहिए। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि लोगों की संवेदनाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं चाहता हूं कि सदन में हम सभी एकजुट होकर यह संकल्प लें कि सदन के सदस्य के रूप में हम संवेदनशील मुद्दों पर मर्यादा बनाए रखेंगे।

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा का इलाहाबाद तबादला

नई दिल्ली 28 मार्च (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय तबादला कर दिया है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी करके न्यायमूर्ति वर्मा के स्थानांतरण से संबंधित घोषणा की गई।

अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश की सलाह के बाद न्यायमूर्ति वर्मा के तबादले का फैसला किया।

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले कॉलेजियम ने 24 मार्च 2025 को न्यायमूर्ति वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी।

शीर्ष अदालत की ओर से उस दिन जारी एक बयान में कहा गया था, उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 20 और 24 मार्च 2025 को आयोजित अपनी बैठकों में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय वापस भेजने की सिफारिश की है।

न्यायमूर्ति वर्मा के निवास पर कथित तौर पर बेहिसाब नकदी बरामद होने के विवादों में घिरने के बाद उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जो आज (28 मार्च) खारिज कर दी गई। याचिका अधिवक्ता मैथ्यूज जे नेदुम्परा, हेमाली सुरेश कुर्ने, राजेश विष्णु आद्रेकर और चार्टर्ड अकाउंटेंट मंशा निमेश मेहता ने संयुक्त रूप से दायर की थी।

उन्होंने अपनी याचिका में न्यायमूर्ति वर्मा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर और न्यायाधीशों की समिति के सदस्यों को मामले में पक्षकार बना था।

शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए 28 मार्च को याचिका खारिज की कि इस विवाद की जांच न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने समिति के गठन

का 22 मार्च को आदेश दिया, जिसमें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश सुश्री अनु शिवरामन शामिल हैं।

शीर्ष अदालत की ओर से जारी विज्ञप्ति (22 मार्च) के अनुसार, फिलहाल दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को न्यायमूर्ति वर्मा को कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपने के लिए कहा गया है।

याचिकाकर्ताओं ने न्यायमूर्ति वर्मा पर लगे आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा पिछले दिनों गठित तीन न्यायाधीशों की समिति के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया था। साथ ही, शीर्ष न्यायालय से दिल्ली पुलिस को मुकदमा दर्ज करने और प्रभावी तथा सार्थक जांच करने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी।

न्यायमूर्ति वर्मा के नयी दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर 14 मार्च को रात करीब 11.30 बजे आग लगने की घटना हुई।

उस समय वह घर पर नहीं थे। स्टोररूम में लगी इस आग को बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों और पुलिस को एक कमरे में कथित तौर पर भारी संख्या में नोट मिले। यह मामला सामने आने के बाद उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने विचार विमर्श किया था। इसके बाद उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से न्यायमूर्ति वर्मा पर लगे आरोपों के मामले में रिपोर्ट मांगी थी। उनकी रिपोर्ट के आधार पर मुख्य न्यायाधीश ने समिति के गठन का आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति वर्मा ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के सवालों का जवाब देते हुए अपने निवास पर किसी भी प्रकार की अवैध नगदी होने से इनकार किया है। साथी, उन्होंने इसे फंसाने और बदनाम करने की साजिश करार दिया है।

शीर्ष अदालत में दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट और न्यायमूर्ति वर्मा के जवाब सहित जांच के दौरान उपलब्ध आग की घटना से संबंधित कथित वीडियो और तस्वीरें अपनी वेबसाइट पर साझा की हैं।

मूल रूप से उच्च न्यायालय इलाहाबाद से आने वाले न्यायमूर्ति वर्मा को अक्टूबर 2021 में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 13 अक्टूबर 2014 को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने एक फरवरी 2014 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्हें 11 अक्टूबर 2021 को दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया।

दिल्ली उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध न्यायमूर्ति वर्मा के व्यक्तिगत विवरण के अनुसार, उनका जन्म छह जनवरी, 1969 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। उनके पिता इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से बी कॉम (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। मध्य प्रदेश के रीवा विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की। उसके बाद उन्हें आठ अगस्त, 1992 को एक वकील के रूप में नाम दर्ज किया गया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक अधिवक्ता के रूप में उन्होंने संवैधानिक, श्रम और औद्योगिक विधानों, कॉर्पोरेट कानूनों, कराधान और कानून की संबद्ध शाखाओं से संबंधित मामलों को संभालने से संबंधित क्षेत्रों में वकालत की। वह वर्ष 2006 से पदोन्नति तक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के विशेष अधिवक्ता थे। उन्होंने मुख्य स्थायी अधिवक्ता का पद भी संभाला। वर्ष 2013 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया।

वायु सेना और सेना को मिलेंगे 156 प्रचंड हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली 28 मार्च (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना और सेना के लिए 156 हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर प्रचंड की खरीद के लिए हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड एचएएल के साथ 62,700 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। कुल 156 हेलीकॉप्टर में से 66 हेलिकाप्टर भारतीय वायु सेना को और 90 की भारतीय सेना को आपूर्ति की जाएंगी।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अनुबंध में प्रशिक्षण और अन्य संबद्ध उपकरण भी शामिल है।

ईडी ने भ्रष्टाचार के आरोप में सात अधिकारियों पर कसा शिकंजा

पटना,28 मार्च (एजेंसियां)।
प्रवर्तन निदेशालय ने भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तारिणी दास और उनके रिश्तेदारों के ठिकानों पर कार्रवाई की थी। अब तक टीम को 11 करोड़ 64 लाख रुपये मिले हैं। टीम को तारिणी दास के पास से कई अहम साक्ष्य मिले थे।

इसमें जमीन के दस्तावेज, जमीन के कागजात चीजे ईडी की टीम ने जब्त की थी। अब ईडी की टीम ने वित्त विभाग के संयुक्त सचिव मुमुक्षु चौधरी, कार्यपालक अभियंता शहरी विकास उमेश कुमार सिंह, बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर रियाज अहमद, डीजीएम सागर जायसवाल, बीएमएसआईसीएल के डीजीएम विकास झा और कार्यपालक अभियंता साकेत कुमार के ठिकानों पर भी जांच की। इन सभी अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप है।

सूत्रों के अनुसार, इन लोगों ने पर आरोप है कि इन्होंने टेंडर में खास ठेकेदार को मदद के बदले मोटी रकम रिश्वत ली है। इतना ही नहीं बिल क्लीयरेंस में उगाही की। पटना कई ठेकेदारों के इस तरह की बिलों को मंजूरी देने के लिए रिश्वत के पैसे मिले थे। ईडी की टीम ने पटना में उपरोक्त अधिकारियों के आवासीय परिसरों की भी तलाशी ली।

इनमें कई साक्ष्य बरामद हुए। टीम ने इनके मोबाइल, जमीन के कागजात, बैंक पासबुक समेत अन्य कागजातों को जब्त कर लिया।

छापेमारी के दौरान भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तारिणी दास के आवास के मुख्या द्वार बंद कर दिया, ताकि न कोई अंदर से बाहर जा पाए और न कोई बाहर से अंदर आ सके। फिलहाल तलाशी का कार्य जारी है। उनपर आरोप है कि अपने कार्यकाल के दौरान वह गलत तरीके से संपत्ति अर्जित किया। साथ ही साथ अवैध काली कमाई से अपने रिश्तेदारों के नाम से भी संपत्ति अर्जित की।

किसानों को डीएपी की बोरी 1350 रुपए में मिलेगी

नई दिल्ली 28 मार्च (एजेंसियां)।
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ने डीएपी की कीमत 1350 रूपये प्रति बोरी तय की है ताकि किसानों को अधिक कीमत नहीं देनी पड़े इसके लिए भारी सब्सिडी किसानों को दी जा रही है।

श्री चौहान ने यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा फॉस्फेटिक और पोटासिक (पीएंडके) उर्वरकों पर खरीफ सीजन, 2025 के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें तय करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस साल भी लगभग एक लाख 75 हजार करोड़ रूपये की सब्सिडी किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने दी है। यह रबी सीजन 2024-25 के लिए बजटीय आवश्यकता से लगभग

13,000 करोड़ रुपये अधिक है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार निरन्तर किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास में लगी है। किसानों की आय बढ़ाने के साथ उत्पादन बढ़ाना भी ज़रूरी है और उत्पादन बढ़ाने के लिए फर्टिलाइजर और खाद की आवश्यकता पर भी ध्यान देना होगा। उत्पादन बढ़ने के साथ ही फर्टिलाइजर की कीमतें भी नियन्त्रित रहे, यह सरकार की प्राथमिकता रही है। किसानों पर फर्टिलाइजर विशेषकर डीएपी की बढ़ी हुई लागत का बोझ न आये इसलिए सरकार बढ़ी हुई कीमतों का भार उठाने के लिए विशेष पैकेज देती है।

श्री चौहान ने कहा कि सरकार ने 1350 रुपये प्रति बोरी कीमत तय की है ताकि किसानों को अधिक कीमत न देनी पड़े इसके लिए भारी सब्सिडी किसानों को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के पक्ष में आयात-निर्यात नीति में परिवर्तन किया गया है। चना उत्पादक किसानों के हित में चने पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लागू करने का फैसला की अधिसूचना कल केंद्र सरकार ने जारी कर दी है जिससे चना उत्पादक किसानों को लाभ होगा।

आसाराम बापू को बड़ी राहत, हाईकोर्ट से मिली 3 महीने की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली 28 मार्च (एजेंसियां)।
गुजरात उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को स्वयंभू संत और बलात्कार के दोषी आसाराम बापू की अंतरिम जमानत को चिकित्सा आधार पर तीन महीने के लिए और बढ़ा दिया। 86 वर्षीय संत, जिन्हें 2013 के बलात्कार मामले में सत्र न्यायालय ने 2023 में दोषी ठहराया था और आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं, को चिकित्सा आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी थी। चूंकि उनके जेल लौटने का समय आ गया था, इसलिए गुजरात उच्च न्यायालय ने अब उनकी अस्थायी जमानत को 30 जून तक बढ़ा दिया है। आसाराम बापू ने उच्च न्यायालय में छह महीने की अस्थायी जमानत की मांग करते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें उनके वकील ने तर्क दिया था कि डॉक्टरों ने पंचकर्म चिकित्सा - 90 दिन की उपचार पद्धति - की सिफारिश की थी।

जस्टिस इलेश जे वोरा और संदीप एन भट्ट की खंडपीठ ने शुरू में जमानत याचिका पर विभाजित फैसला सुनाया, जिसमें जस्टिस भट्ट ने असहमति जताई। इसके बाद, तीसरे जज जस्टिस एएस सुपेहिया ने जमानत देने का समर्थन करते हुए कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि 86 वर्षीय बीमार व्यक्ति को इलाज के लिए किसी खास थेरेपी या चिकित्सा पद्धति तक सीमित रखा जाना चाहिए। कानूनी समाचार आउटलेट लाइव लॉ ने न्यायमूर्ति सुपेहिया के हवाले से कहा इस प्रकार आवेदक के पक्ष में और असहमतिपूर्ण दृष्टिकोण सहित (डिवीजन) बेंच द्वारा पारित संबंधित आदेशों की समग्र सराहना और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के प्रकाश में, मैं इस राय पर हूं कि आवेदक अंतरिम जमानत का हकदार है।

बाल संरक्षण गृह में चार बच्चों की मौत के बाद सरकार जागी

फूड प्वाइजनिंग के शिकार बच्चों से मिले सीएम योगी

स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक भी दौड़े अस्पताल की तरफ

लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार के अधीन निर्वाण बाल संरक्षण गृह के चार बच्चों की जहरीला खाना खाने से हुए मौत के बाद सरकार जागी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक एवं वरिष्ठ नौकरशाही आनन फानन अस्पताल दौड़ी, जहां 27 बच्चों का इलाज चल रहा है। जहरीला खाना खाने की वजह से निर्वाण के 70 से अधिक बच्चे गंभीर रूप से बीमार हो गए थे जिनमें से चार बच्चों शिवांक (15), सूरज (12), दीपा (15) और रेनू (15) की मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने लोकबंधु अस्पताल में अधिकारियों और डॉक्टरों को समुचित इलाज करने के निर्देश दिए। उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद ही डिस्चार्ज करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने बच्चों के खाने-पीने की समुचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। सत्ताशीर्ष के जाग्रत होते ही वरिष्ठ नौकरशाह भी अस्पताल पहुंच कर अपनी सक्रियता दिखाने लगे। इनमें मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, लीना जौहरी, लखनऊ की मंडलायुक्त डॉ. रौशन जैकब, जिलाधिकारी विशाख जी, अस्पताल के एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी, डॉ. सरोज और डॉ. राजीव दीक्षित वगैरह शामिल हैं।

यह भी खुलासा हुआ कि बलरामपुर अस्पताल में भर्ती सूरज (12) की 25 मार्च को इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस मौत को छिपाने की कोशिश हुई। अभी भी एक बच्चे की हालत नाजुक है, जो आईसीयू में भर्ती है। डॉक्टरों की टीम उसकी सेहत की निगरानी में लगी है। अलग-अलग अस्पतालों में कुल 20 बच्चे भर्ती हैं। जबकि सात बच्चों का इलाज संस्था में चल रहा है। निर्वाण आश्रय केंद्र पारा इलाके के बुद्धेश्वर में बना है। यह पीपीपी मॉडल पर संचालित होता है। मानसिक कमजोर, अनाथ व लावारिस बच्चों को यहां रखा जाता है। यहां 147 बच्चे रहते हैं। इनकी उम्र 10 से 18 साल के बीच है। 23 मार्च को उल्टी-दस्त और पेट दर्द से जब बच्चे अचेत होने लगे तब संस्था ने अलग-अलग अस्पतालों में बच्चों को भर्ती कराना शुरू किया था। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया बच्चों की डेथ ऑडिट की जाएगी। इसके लिए डॉक्टरों की कमेटी बनाई गई है। इसमें डॉ. अरुण तिवारी, डॉ. पीसी तिवारी और डॉ. सबीह मजहर को शामिल किया गया है। कमेटी पोस्टमार्टम रिपोर्ट समेत अन्य बिंदुओं की जांच करेगी।

योगी कैबिनेट का महत्वपूर्ण फैसला

ऑक्सीजन प्लांटों को यूपी सरकार देगी सब्सिडी

लखनऊ में बनेगा विश्वस्तरीय कंवेंशन सेंटर

लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश ऑक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति-2021 के अंतर्गत प्रदेश की दो ऑक्सीजन इकाइयों को कुल 23.36 करोड़ की सब्सिडी दी गई है। कोविड महामारी के दौरान ऑक्सीजन की मांग और आपूर्ति में गंभीर संकट को देखते हुए इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन नीति 16 मई 2021 को पेश की गई थी। इसके अंतर्गत आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने रायबरेली और एयर लिक्विड नार्थ ने मथुरा में मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया गया। नीति में मुख्य रूप से कैपिटल सब्सिडी और स्टाम्प ड्यूटी की प्रतिपूर्ति का प्रावधान था। दोनों कंपनियों ने नोडल एजेंसी पिकप में प्रोत्साहन राशि का दावा किया था। कंपनियों के दावे क्रमश: 9.16 करोड़ और 14.20 करोड़ रुपए की सब्सिडी का अनुमोदन मंत्रिपरिषद ने कर दिया।

राजधानी के वृंदावन योजना में विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस अंतरराष्ट्रीय एग्जिबिशन कम कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा। कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए गुरुवार को इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। राजधानी की वृंदावन योजना के सेक्टर 15 में जल्द ही इसके लिए जमीन को लेकर तस्वीर साफ हो जाएगी। डीपी-ीआर के मुताबिक 10 हजार लोगों के बैठने की क्षमता वाले इस कंवेंशन सेंटर का निर्माण करीब 32 एकड़ क्षेत्रफल में किया जाना है।

आवास एवं विकास परिषद की वृंदावन योजना में अंतरराष्ट्रीय कंवेंशन कम एग्जिबिशन सेंटर बनने से राजधानी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों को लेकर काफी सहूलियत हो जाएगी। लखनऊ में अभी तक 10 हजार की क्षमता वाला कोई कंवेंशन सेंटर नहीं है। ऐसे में इसका निर्माण होने के बाद बड़े सांस्कृतिक, राजनीतिक, राजकीय, धार्मिक समारोह गीत-संगीत के कंसर्ट को भव्यता के साथ आयोजित किया जा सकेगा।

इसके पास ही ओपन थिएटर और होटल के लिए भी जमीन आरक्षित की जाएगी, ताकि बाहर से आने वालों को इसके आसपास ही ठहराने का इंतजाम किया जा सके। प्रोजेक्ट से जुड़े आवास विकास परिषद के अफसरों की मानें तो इस कंवेंशन सेंटर का निर्माण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर होगा। सूत्रों के मुताबिक कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब यहां म्यूजियम के अलावा पाथ वे, रैली ग्राउंड से सटा हुआ माउंट्स एंड ग्रीनरी वर्क, फ्लैग पोस्ट, रिटेनिंग वॉल, स्टैच्यू के पास लाइटनिंग और म्यूजियम ब्लॉक के लिए करीब 77 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कैबिनेट बाय सर्कुलेशन में हायर अप्लायंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 124 करोड़ रुपए की सब्सिडी की मंजूरी दे दी गई। कंपनी ने करीब 134 करोड़ रुपये सब्सिडी का दावा किया था। हायर अप्लायंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सिंगापुर की हायर सिंगापुर इन्वेस्टमेंट्स होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी है। हायर ग्रुप 1984 में चीन में बना था। भारत में कंपनी का इनकारपोरेशन 24 फरवरी 2003 को हुआ। निवेशक ने ग्रेटर नोएडा में फ्रिज, एसी, वाशिंग मशीन आदि के उत्पादन के लिए तीन चरणों में 2804 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया था। बाद में निवेशक ने 13 अगस्त 2021 को 1362.50 करोड़ का पुनरीक्षित प्रस्ताव दिया था। बाद में कैबिनेट के अनुमोदन के बाद यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति-2017 के तहत 11 जुलाई 2022 और यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन ने 13 जुलाई 2022 को लेटर आफ कम्फर्ट जारी किए। कंपनी ने लगभग 134 करोड़ रुपए सब्सिडी का दावा किया था।

दावे के सत्यापन के लिए सूचीबद्ध वैल्युअर से मूल्यांकन कराया गया। कंपनी ने 890 करोड़ रुपए के निवेश का दावा किया था। इसमें भवन, संयंत्र एवं मशीनरी शामिल थे। वैल्युअर ने 827 करोड़ रुपए के निवेश की रिपोर्ट दी। इस आधार पर 15 फीसदी प्रोत्साहन राशि के रूप में लगभग 124 करोड़ रुपये की संस्तुति की जबकि कंपनी ने 134 करोड़ की सब्सिडी का दावा किया था। कैबिनेट ने वैल्युअर की रिपोर्ट के आधार पर 124 करोड़ रुपए की सब्सिडी जारी करने को मंजूरी दे दी। इसमें से 93 करोड़ रुपये वर्ष 2024-25 और शेष धनराशि 25-26 में दी जाएगी।

स्टांप और पंजीयन विभाग से स्थानीय निकायों और विकास प्राधिकरणों को विकास के लिए मिलने वाली धनराशि उपयोगिता प्रमाणपत्र के अभाव में नहीं रुकेगी। शासन ने उपयोगिता प्रमाणपत्र की प्रक्रिया में बदलाव कर दिया है। स्टांप व पंजीयन विभाग को 7 फीसदी रजिस्ट्री शुल्क में से 2 फीसदी स्थानीय निकाय और विकास प्राधिकरणों में वितरित किया जाता है। ये धनराशि प्रत्येक तिमाही तब जारी होती थी, जब विभाग उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी करते थे। तीन महीने में ये धनराशि खर्च न हो पाने की वजह से उपयोगिता प्रमाणपत्र नहीं बनता था और स्टांप विभाग द्वारा अगली तिमाही की किस्त रोक ली जाती थी। इस प्रक्रिया में संशोधन किया गया है। अब पहली तिमाही का उपयोगिता प्रमाणपत्र तत्काल न कर तीसरी तिमाही और दूसरी तिमाही का चौथा तिमाही को जारी किया जाएगा। इससे विभागों को विकास कार्यों पर धनराशि खर्च करने का समय मिल जाएगा। इस प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने मंजूर कर लिया।

ग्रेटर नोएडा में स्मार्ट फोन निर्माण की इकाई बनाने के लिए ओप्पो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 120 करोड़ रुपये की सब्सिडी की मंजूरी दी गई है। ओप्पो ने 2000 करोड़ के अनुमानित निवेश (इसमें जमीन की कीमत शामिल नहीं) प्रस्ताव पर यूपी इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति-2014 के अंतर्गत विशेष प्रोत्साहन की मांग की गई थी। 28 नवंबर 2016 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में निवेश पर प्रस्ताव किया गया था। 22 दिसंबर 2016 को ओप्पो को कैपिटल सब्सिडी, स्टाम्प ड्यूटी , केंद्रीय बिक्री कर प्रतिपूर्ति, विद्युत शुल्क और ईएसआई और भविष्यनिधि की मद में सब्सिडी देने का फैसला लिया गया था।

इसके क्रियान्वन के लिए यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन ने 2 जनवरी 2017 को लेटर आफ कम्फर्ट जारी किया था।

मायावती को अब भी याद है यूपी गेस्ट हाउस कांड

सपा इस घटना के लिए पश्चाताप करे: मायावती

लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी पर जोरदार हमला बोला है। बसपा सुप्रीमो ने शुक्रवार को जारी अपने बयान में कहा कि आगरा में हुई घटना के साथ सपा मुखिया अखिलेश यादव को सपा सरकार में 2 जून 1995 को लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस में मेरे ऊपर कराया गया जानलेवा हमला भी याद करना चाहिए। सपा को इसके लिए पश्चाताप भी करना चाहिए।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि आगरा की घटना की आड़ में अब सपा अपनी राजनीति रोटियां सेंकना बंद करे और इस घटना की तरह यहां दलितों का और उत्पीड़न न कराए। बता दें कि बसपा सुप्रीमो ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर हुए हमले के बाद सपा नेताओं की प्रतिक्रिया पर पलटवार करते हुए कहा था कि सपा दलित नेताओं को आगे करके घिनौनी राजनीति कर रही है।

अपने राजनीतिक लाभ के लिए सपा अपने दलित नेताओं को ही नुकसान पहुंचाने में लगी है। दलितों को इनके सभी हथकंडों से सावधान रहना चाहिए। हालांकि उन्होंने आगरा की घटना को चिंताजनक बताते हुए कहा था कि सपा को अपने स्वार्थ में किसी भी समुदाय का अपमान नहीं करना चाहिए। अब इनको किसी भी समुदाय में दुर्गंध व सुगंध आ रही है। इससे समाज में अमन-चैन व सौहार्द बिगड़ेगा, जो ठीक नहीं होगा।

सलमान ने पहनी राम मंदिर घड़ी तो मौलाना को लगी मिर्ची

बरेली, 28 मार्च (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेता सलमान खान ने राम मंदिर की घड़ी पहन ली तो ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी को मिर्ची लग गई। मौलाना ने इसे नाजायज करार दिया, लेकिन इससे सलमान पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

सलमान खान ने जो घड़ी पहनी है वह अयोध्या राम मंदिर, भगवान राम, भगवान हनुमान और अन्य पवित्र प्रतीकों से जुड़ी हुई है।

एपिक एक्स राम जन्मभूमि रोज गोल्ड एडिशन नाम की यह शानदार घड़ी लग्जरी ब्रांड जैकब एंड कंपनी की है और इसकी कीमत 61 लाख रुपए है। सिकंदर फिल्म रिलीज होने से पहले अभिनेता सलमान खान ने इस शानदार घड़ी को पहनकर शानदार संदेश देने का काम किया।

विकसित भारत युवा संसद महोत्सव में बोले योगी आदित्यनाथ

युवा लीक से हटकर काम करें तो विकसित होगा नेतृत्व गुण

लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से विधान भवन में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विकसित भारत युवा संसद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अगले दो दिन में 240 युवा विधानसभा में भाषण देंगे। इनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ युवा संसद जाएंगे। इसका उद्देश्य 18 से 33 वर्ष के युवाओं की आवाज को सुनना है। साथ ही युवाओं में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में चुने गए सभी युवाओं का देश की सबसे बड़ी विधायिका में स्वागत किया। प्रधानमंत्री आने वाले समय में भारत में युवाओं की भूमिका को लेकर संकल्पित हैं। वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व को विकसित करने का उद्देश्य रखते हैं। माई भारत अभियान पर दो वर्ष से मंथन चल रहा था। आज 240 युवा देश की सबसे बड़ी विधायिका में आए हैं।

आपके लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र के तीन पिलर विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका से देश का संचालित होता है। विधायिका में अलग-अलग क्षेत्रों से चुने गए जनप्रतिनिधि अपनी बात रखते हैं। सभी के लिए नियम निर्धारित हैं। यहां जो नीति बनती है, वही सरकार के पास जाती है। कार्यपालिका उसे क्रियान्वित करती है। कोई कानून का पालन नहीं कर रहा हो तो उसकी सुनवाई के लिए न्यायपालिका है। लेखपाल से मुख्य सचिव तक प्रशासनिक तंत्र जनता के लिए लगा रहता है। तीनों तंत्र एक दूसरे के पूरक हैं। एक नीति बनाता है। दूसरा उसे लागू करता है। तीसरा कोई कमी होने पर उसे दूर करता है। सीएम ने कहा कि ट्रेंड चला कि हमारी मांगे पूरी हो, चाहे जो मजबूरी हो। इस वजह से तमाम समृद्ध शहर का प्रभावित हुए। प्रधानमंत्री ने 25 वर्ष का विजन डॉक्यूमेंट रखा। इसमें विकसित भारत की परिकल्पना साकार की गई। प्रधानमंत्री ने पंच प्रण की शपथ ली। वही पंच प्रण विकास का आधार बनेंगे। नेतृत्व का गुण विकसित करने के लिए आचार-विचार बेहद जरूरी है। आचरण बेहद जरूरी है।

यूपी पुलिस में होगी दारोगा, सिपाही और जेल वार्डर की बंपर भर्ती

लखनऊ, 28 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने दरोगा, सिपाही, जेल वार्डर, कंप्यूटर ऑपरेटर, रेडियो सहायक परिचालक और लेखा एवं गोपनीय संवर्ग के कुल 28,138 पदों पर सीधी भर्ती करने की कवायद शुरू कर दी है। अप्रैल माह के अंत तक इन पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने के लिए विज्ञप्ति जारी की जाएगी, जिसके बाद लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने गुरुवार को बताया कि डीजीपी मुख्यालय से भर्ती बोर्ड को सिपाही स्तर के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिए कुल 19,220 पदों का अधियाचन (प्रस्ताव) भेजा है। इसमें सिपाही पीएसी के 9837, सिपाही विशेष सुरक्षा बल के 1341, महिला सिपाही पीएसी (बदायूं, गोरखपुर, लखनऊ) के 2282, सिपाही नागरिक पुलिस के 3245, सिपाही पीएसी/सशस्त्र पुलिस के 2444 और सिपाही घुड़सवार पुलिस के 71 पद शामिल हैं। इसके अलावा डीजीपी मुख्यालय ने उप निरीक्षक (दारोगा) के 4543 पदों पर सीधी भर्ती के लिए भी बोर्ड को अधियाचन भेजा है।

इसमें उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के 4242, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस महिला (पीएसी वाहिनी बदायूं, गोरखपुर, लखनऊ) के 106, प्लाटून कमांडर/उप निरीक्षक सशस्त्र पुलिस के 135 और प्लाटून कमांडर/उप निरीक्षक (विशेष सुरक्षा बल) के 60 पद शामिल हैं। बता दें कि बोर्ड ने आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया हाल ही में संपन्न की है, जिनका चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल फिटनेस का प्रमाण पत्र जमा कराने की कवायद जारी है। बीते दिनों मुख्यमंत्री ने जल्द 30 हजार भर्तियां करने की घोषणा की थी।

दूसरी ओर कारागार मुख्यालय ने भी भर्ती बोर्ड को जेल वार्डर के 2833 पदों पर सीधी भर्ती करने के लिए अधियाचन भेजा है, जिसका परीक्षण करने के बाद आगामी अप्रैल माह के अंत तक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए विज्ञप्ति जारी की जाएगी। बोर्ड ने इन सभी भर्तियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए अपनी वेबसाइट का अवलोकन करते रहने को कहा है। इसके अलावा कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड ए के 1153, लिपिक, लेखा एवं गोपनीय सहायक के 345 पदों और रेडियो सहायक परिचालक के 44 पदों पर भी सीधी भर्ती की जाएगी।

बोर्ड ने आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया हाल ही में संपन्न की है, जिनका चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल फिटनेस का प्रमाण पत्र जमा कराने की कवायद जारी है। बीते दिनों मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि पुलिस में जल्द 30 हजार भर्तियां और की जाएंगी। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने लोक कल्याण संकल्प पत्र में पीएसी की तीन महिला वाहिनी बनाने की घोषणा की थी। जिनकी स्थापना का कार्य बीते आठ सालों से जारी है। पीएसी की तीनों महिला वाहिनियों के लिए भूमि का बंदोबस्त करने के बाद वहां भवनों का निर्माण कराया गया है, जिसके बाद अब महिला सिपाहियों की भर्ती की जा रही है। बता दें कि लखनऊ में ऊदा देवी महिला वाहिनी, बदायूं में वीरांगना अवंती बाई महिला वाहिनी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई महिला वाहिनी की स्थापना होने के बाद इनमें भर्तियों का रास्ता भी साफ हो गया है।

भर्ती बोर्ड के मुताबिक कुशल खिलाड़ी के अन्तर्गत उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के 91 पदों, आरक्षी नागरिक पुलिस 372 एवं आरक्षी पीएसी 174 पदों के लिए भी कार्यवाही प्रचलित है। इसमें अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह से अभिलेखों की संवीक्षा एवं खेल कौशल परीक्षण की प्रकिया शुरू की जाएगी। सभी भर्तियों के संबंध में शीघ्र ही यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट व एक्स हैंडल पर सूचना दी जाएगी।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का न्याय

बेशक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायमूर्ति का वह फैसला अशांत, आकुल और विक्षुब्ध करने वाला था। उन्होंने दुष्कर्म करने या उसकी कोशिश करने अथवा दुष्कर्म की मंशा की कानूनी व्याख्या की थी। यदि 688 जिला अदालतों में से किसी का फैसला ऐसा होता, तो बहुत चीखा-चिल्ली मचती और विरोध-प्रदर्शन भी होते। यह देश के 27 उच्च न्यायालयों में से एक के न्यायाधीश का फैसला था और करीब 4 महीने तक खूब चिंतन-मनन करने के बाद फैसला सुनाया गया था, लिहाजा सर्वोच्च अदालत को ज्यादा संवेदनहीन और अमानवीय लगा, नतीजतन विवादित हिस्से पर रोक लगा दी गई। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने फैसला सुनाते हुए कहा था-पीड़िता के निजी अंगों को पकडऩा और पायजामे का नाड़ा तोडऩा दुष्कर्म या दुष्कर्म की कोशिश नहीं मानी जा सकती। इस फैसले पर न्यायविदों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बहुत तल्ख प्रतिक्रियाएं जताई थीं। 'वी द वुमेन ऑफ इंडिया' की अर्जी पर सर्वोच्च अदालत को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की न्यायिक पीठ ने कहा कि 'यह मामला नाबालिग से दुष्कर्म का है, जो बेहद गंभीर है। खेद है कि फैसला देने वाले जज के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग करना पड़ रहा है। यह फैसला जज का असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाता है, लिहाजा इस पर रोक जरूरी है।' केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया, जज के फैसले में ऐसा कहा गया है। यह बेहद गंभीर टिप्पणी है। जस्टिस गवई ने यह भी कहा था कि पीड़िता की मां की याचिका भी टैग की जाए। अदालत ने केंद्र, उप्र सरकार और पक्षकारों को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है। बहरहाल सवाल है कि 'दुष्कर्म' का भाव क्या होता है? आरोपितों ने उस नाबालिग लडक़ी के निजी अंगों को क्यों पकड़ा था? पायजामे का नाड़ा क्यों तोड़ा या खोला था? और उस लडक़ी को पुलिया के नीचे क्यों ले जाना चाहते थे? इन सभी हरकतों में दुष्कर्म की नीयत अथवा मंशा साफ थी, लिहाजा एक आम आदमी के तौर पर हम इसे दुष्कर्म ही मानेंगे। आमतौर पर फैसले के ऐसे चरण में सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं करती और न ही रोक लगाती, लेकिन न्याय के नाम पर यह अनैतिक था और न्यायिक सिद्धांतों से परे था, लिहाजा विवादित हिस्से पर रोक लगानी पड़ी। वो तो लडक़ी जोर से चीखती रही, लिहाजा कुछ लोग उसे बचाने को वहां आ गए और आरोपित वहां से भाग गए, नतीजतन लडक़ी दुष्कर्म के दंश से बच गई। अलबत्ता दुष्कर्म हो सकता था। वर्ष 2021 में सर्वोच्च अदालत ने आरोपित पैतृक और स्त्री-द्वेषी रवैये के खिलाफ एक व्यापक चेकलिस्ट जारी की थी। खासकर न्यायिक फैसलों के संदर्भ में यह किया गया था, लेकिन अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। निचली अदालतों में स्थितियां काफी खराब हैं। सवाल हैं कि ऐसे मामलों में देश के आम नागरिक को अदालतों से इतर न्याय कहां से मिल सकता है? दुष्कर्म के काफी मामलों में विवाह को ही एक अंतिम उपाय माना जाता रहा है। क्या यही अंतिम विकल्प हो सकता है? लडक़ी बलात्‌दुष्कर्मी को अपना जीवन-साथी, पति कैसे स्वीकार कर सकती है? बहरहाल, एक नाबालिग लडक़ी के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने जो फैसला दिया है, वह उदाहरण बनाया जाना चाहिए।

केंद्र के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी पीठ के फैसले से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म की तैयारी थी, दुष्कर्म नहीं किया गया, जज के फैसले में ऐसा कहा गया है। यह बेहद गंभीर टिप्पणी है। जस्टिस गवई ने यह भी कहा था कि पीड़िता की मां की याचिका भी टैग की जाए। अदालत ने केंद्र, उप्र सरकार और पक्षकारों को नोटिस भेज कर जवाब मांगा है। बहरहाल सवाल है कि 'दुष्कर्म' का भाव क्या होता है? आरोपितों ने उस नाबालिग लडक़ी के निजी अंगों को क्यों पकड़ा था? पायजामे का नाड़ा क्यों तोड़ा या खोला था? और उस लडक़ी को पुलिया के नीचे क्यों ले जाना चाहते थे? इन सभी हरकतों में दुष्कर्म की नीयत अथवा मंशा साफ थी, लिहाजा एक आम आदमी के तौर पर हम इसे दुष्कर्म ही मानेंगे। आमतौर पर फैसले के ऐसे चरण में सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं करती और न ही रोक लगाती, लेकिन न्याय के नाम पर यह अनैतिक था और न्यायिक सिद्धांतों से परे था, लिहाजा विवादित हिस्से पर रोक लगानी पड़ी। वो तो लडक़ी जोर से चीखती रही, लिहाजा कुछ लोग उसे बचाने को वहां आ गए और आरोपित वहां से भाग गए, नतीजतन लडक़ी दुष्कर्म के दंश से बच गई। अलबत्ता दुष्कर्म हो सकता था।

औरंगजेब का अनुमान था कि इस भयानक मंजर से भारत के लोग और अधिक डर जाएंगे और स्वतंत्रता के प्रयास सदा के लिए समाप्त हो जाएंगे

गुरु तेग बहादुर, औरंगजेब व वाल्मीकि समाज

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

औरंगजेब ने हिंदुस्तान के इस सच्चे पातशाह को दिल्ली के चांदनी चौक में अमानवीय यातनाएं देकर शहीद कर दिया था। लेकिन देश का यह सच्चा पातशाह मर कर भी जिंदा रहा, लेकिन औरंगजेब जिंदा होते हुए भी मर गया था। चांदनी चौक की मस्जिद के पास गुरु जी का धड़ और सिर अलग-अलग पड़े थे। मुगल शासन ने गुरु जी की देह को उठाने पर प्रतिबंध लगा दिया था ताकि जनमानस में स्थायी भय डाला जा सके। लेकिन क्या मुगल सत्ता के इस अमानवीय कार्य से सचमुच आम भारतीय डर गया था या फिर गुरुजी और उनके साथियों के इस आत्मबलिदान से उनमें एक नई चेतना और ऊर्जा जागृत हुई? गुरु जी ने आनंदपुर से चलने से पहले ही अनुमान लगा लिया था कि उनके बलिदान से आम जनता में तूफान खड़ा हो जाएगा।

मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर बहस बंद होने का नाम नहीं ले रही। कुछ विद्वान औरंगजेब के गुणों को तलाशने में अपनी सारी बुद्धि खपा रहे हैं। जिन दिनों औरंगजेब और उसके दरबारी उसको हिंदुस्तान का बादशाह बता रहे थे, उन दिनों हिंदोस्तान के लोग गुरु तेग बहादुर को हिंदुस्तान का सच्चा पातशाह मान रहे थे। एक बादशाह लोगों के शरीर पर राज कर रहा था और दूसरा पातशाह उनकी चेतना का बादशाह था। औरंगजेब ने हिंदुस्तान के इस सच्चे पातशाह को दिल्ली के चांदनी चौक में अमानवीय यातनाएं देकर शहीद कर दिया था। लेकिन देश का यह सच्चा पातशाह मर कर भी जिंदा रहा, लेकिन औरंगजेब जिंदा होते हुए भी मर गया था। चांदनी चौक की मस्जिद के पास गुरु जी का धड़ और सिर अलग-अलग पड़े थे। मुगल शासन ने गुरु जी की देह को उठाने पर प्रतिबंध लगा दिया था ताकि जनमानस में स्थायी भय डाला जा सके। लेकिन क्या मुगल सत्ता के इस अमानवीय कार्य से सचमुच आम भारतीय डर गया था या फिर गुरुजी और उनके साथियों के इस आत्मबलिदान से उनमें एक नई चेतना और ऊर्जा जागृत हुई? गुरु जी ने आनंदपुर से चलने से पहले ही अनुमान लगा लिया था कि उनके बलिदान से आम जनता में तूफान खड़ा हो जाएगा। औरंगजेब का अनुमान था कि इस भयानक मंजर से भारत के लोग और अधिक डर जाएंगे और स्वतंत्रता के प्रयास सदा के लिए समाप्त हो जाएंगे। लेकिन इस शहादत के बाद पता चला कि गुरु तेग बहादुर जी का अनुमान ही सही था। उसका कारण यही था कि दशगुरु परंपरा भारतीय चेतना व ऊर्जा का ही स्वरूप था। भारत की आत्मा को इस परंपरा से ज्यादा और कौन जानता था? घटनास्थल पर मुगल सेना का पहरा था। मौसम बहुत ही खराब होने लगा था। रात्रि का अंधकार। तूफान। बादल और बिजली की गर्जना। गुरुजी के शरीर को वहां से कैसे उठाया जाए, ताकि विधिवत उनका अंतिम संस्कार किया जा सके। मुगल शासन से इसकी गुहार लगाना निरर्थक था क्योंकि मुगल साम्राज्य तो अपने इस अमानुषिक कृत्य से भविष्य में भी भारतीय समाज को आतंकित और भयभीत करना चाहता था, ताकि आने वाले समय में भी कोई साम्राज्य के सामने सिर उठा कर न चल सके। लेकिन गुरु जी के इस आत्मबलिदान ने तो जनमानस में आग भर दी थी। शायद चिडियों के बाज बनने की पहली इबारत लिखी गई

थी। लवाना समाज का लक्खी शाह बंजारा। बंजारा में न जाने कहां से अदम्य साहस का संचार हो गया। उसने निर्णय कर लिया कि वह गुरु जी के शरीर का संस्कार करेगा, चाहे उसे इसके लिए कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। उसके तीनों पुत्र नगाहिया, हेमा और हाडी भी इस पवित्र कार्य में अपने पिता के सहयोगी बने। उसका व्यवसाय अपने छकड़ों में एक स्थान से दूसरे स्थान पर सामान पहुंचाने का था। जब छकड़े गुरु जी की शहादत से पावन हो चुकी उस जमीन पर पहुंचे तो लक्खी और उसके बेटों ने किसी तरह चौकीदारों को भुलावे में डालते हुए, अपने प्राणों की भी चिंता न करते हुए गुरु जी का धड़ उठाकर अपने एक छकड़े में रख लिया। वे सभी गुरु जी की देह को लेकर रायसीना अपने गांव में पहुंचे। लेकिन प्रश्न था कि वे इसका विधिवत संस्कार कहां करें? कहीं भी करते तो मुगल शासकों को शक हो सकता था। 'माघ सुदि पंचमी विक्रमी सम्वत 1732 की रात को उसने गुरुजी के मृत शरीर को अपने सारे सामान के साथ अपने घर में ही जला दिया।' (मोहिंदर पाल कोहली, गुरु तेग बहादुर-पृ. 40)। आकाश को छूती हुई अग्नि की लपटें उठने लगीं। गुरु जी का शरीर पंचभूतों में विलीन हो गया। ज्योति अग्नि की ज्योति में जा मिली। गांव के लोग एकत्रित हो गए। वे लक्खी के साथ, उसका घर जल जाने पर दुख जताने लगे। लेकिन लक्खी तो जानता था कि इस अग्निकुंड में एक पावन शरीर का संस्कार हुआ है, जिसके कारण उस गांव की धरती पावन हो गई है। वह तीर्थ क्षेत्र बन गई है। आज उस स्थान पर रकाबगंज गुरुद्वारा लक्खी के त्याग का साक्षी है। उधर चांदनी चौक के बलिदान स्थल पर साहस का एक दूसरा अध्याय लिखा जा रहा था। गुरु जी का शीश अभी भी वहीं पड़ा था। वहीं भीड़ में वाल्मीकि समाज के कुछ युवक बेचैन हो रहे थे। काजी को देखते ही उनका रक्त खौलने लगा था। इसी वाल्मीकि समाज के पुरखों ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में कभी शस्त्र और शास्त्र का गहरा अभ्यास किया था। आज वह ऋण चुकाने का अवसर आ गया था। इन वाल्मीकि युवकों में से भाई जैता ने संकल्प लिया कि वह गुरु जी के शीश को किसी भी तरह ले जाकर उनके सुपुत्र श्री गोविंद सिंह जी के पास पहुंचाएगा ताकि वे उसका विधिवत अंतिम संस्कार कर सकें। भाई जैता ने अपने साथियों ननुआ और ऊदा के साथ मिल कर इस साहसी अभियान को अंजाम दिया। उसने रात के अंधेरे में घटनास्थल से गुरु जी का शीश उठाया और घोड़े पर सवार होकर आनंदपुर की ओर चल पड़ा। कुछ देर बाद उसके दो अन्य साथी भी उसके साथ आ मिले। लेकिन तीनों अपने बीच में एक सुरक्षित अंतराल बनाए हुए थे ताकि किसी को शक न हो जाए। उधर मुगल शासन आग बबूला हो रहा था। हर जगह धरपकड़ हो रही थी। लेकिन भाई जैता और उसके साथियों ने मौत की भी परवाह न करते हुए पांच दिन बाद गुरु जी का शीश आनंदपुर में उनके बेटे गोविंद सिंह जी को सौंप दिया। 16 नवंबर 1675 को गोविंद सिंह जी ने अपने पिता के शीश का विधिवत अंतिम संस्कार किया। आजकल वहां एक गुरुद्वारा मौजूद है। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुछ दिनों के उपरांत लक्खी दास अपने बेटों के साथ गुरु तेग बहादुर जी की अस्थियां लेकर आनंदपुर साहिब पहुंचा। उसने गोविंद सिंह जी को गुरु जी के शरीर के संस्कार की सारी घटना बताई और उनकी अस्थियां उन्हें सौंप दीं। सभी ने मिल कर अस्थियों को विधिवत पावन सतलुज में प्रवाहित कर दिया। तिब्बत से चली हुई सतलुज गुरु जी की अस्थियों को लेकर आगे चल पड़ी। इस प्रकार भारतीय इतिहास के एक अविस्मरणीय अध्याय का पटाक्षेप हुआ। अपने धर्म यानी स्वधर्म की रक्षा करते हुए प्राणोत्सर्ग का यह अनुपम उदाहरण कहा जा सकता है। कहा भी गया है, 'स्वधर्मे निधनं श्रेष्ठ' अर्थात अपने धर्म में निधन ही श्रेष्ठ है। धर्म के बारे में कथन है, 'धर्मो रक्षति रक्षतः।' धर्म उसकी रक्षा करते हैं जो धर्म की रक्षा करते हैं। यह समाज के संदर्भ में और भी सटीक है। समाज धर्म के अनुसार चले, तभी सभी प्रकार की उन्नति होती है। जो समाज धर्म की रक्षा नहीं करता, धर्म भी उस समाज की रक्षा नहीं करता।

दृष्टि कोण

प्रदेश कैसे निकालेगा चैंपियन खिलाड़ी?

हिमाचल प्रदेश में अभी तक वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है जिससे हम अपने स्टार खिलाडियों का पलायन रोक सकें। जब खिलाड़ी को सुविधा नहीं मिलेगी तो उसे फिर कैसे रोका जा सकता है? कोई भी पढ़ाई या परीक्षा पहले अपने लिए फिर देश के लिए, मगर खेल केवल व केवल देश के लिए होता है। वहां जब खिलाड़ी जीतता है तो उस देश का झंडा सबसे ऊपर उठता है और उस देश की धुन पूरा विश्व आदर के साथ सुनता है। हिमाचल में ओलंपियन व एशियाई पदक विजेता मुक्केबाज आशीष चौधरी को उसका विभाग प्रशिक्षण के लिए फ्री नहीं रख रहा है। खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए आठ से दस साल का लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम चाहिए। अगर हम एक सप्ताह भी खेल प्रशिक्षण में बाधा डालते हैं तो फिर हम उसे बहुत ही कठिनाई से पूरा कर पाते हैं। इसलिए केंद्र व राज्य सरकारों के विभाग अपने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के प्रशिक्षण समय को आन ड्यूटी मानते हैं, चाहे खिलाड़ी कैंप में हो या किसी भी ट्रेनिंग सेंटर में। ऐसा प्रावधान सेवा नियमों में भी प्रेजिडेंट महोदय ने रखा है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों के कई मुखिया पता नहीं किस पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं जो देश के झंडे से जुड़े इस विषय में भी नकारात्मक सोच रखते हैं। जो खिलाड़ी राष्ट्रीय, एशियाई प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर ओलंपिक तक भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है, अगर उसे ही अपना प्रशिक्षण जारी रखने के लिए सरकार व विभाग की मिन्नतें करनी पड़ रही है तो फिर आम खिलाड़ी का क्या होगा? हिमाचल सरकार व उसका विभाग, जहां आशीष तहसील कल्याण अधिकारी की नौकरी करता है, आगामी वर्ष में हो रहे एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों को देखते हुए उसे ट्रेनिंग के लिए फ्री रखा जाए, जैसा केंद्र व राज्यों के विभाग अपने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को रखते हैं। हिमाचल में महिला कबड्डी, हैंडबाल व अन्य कई खेलों में अच्छे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उन्हें भी प्रशिक्षण के लिए फ्री रखा जाए। हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडियों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है। इसका प्रमुख कारण हिमाचल में खेल संस्कृति का न होना है, जो खिलाड़ी कर्मचारी को खेल करने व करवाने से रोकती है और यह राज्य में खेलों के लिए शुभ संकेत नहीं है। वैसे तो देश के केंद्रीय व राज्यों के विभिन्न विभागों में

खेल आरक्षण से नौकरी प्राप्त खिलाड़ी कर्मचारी को नौकरी के पहले पांच वर्षों तक खेल करना अनिवार्य होता है, मगर हिमाचल में इक्का-दुक्का खिलाड़ी कर्मचारियों ने ही खेल किया है। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंतर्गत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैंकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है, मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है। भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए किशोरावस्था से ही सही तकनीक के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बढ़ जाता है। अरबों की आबादी में किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का प्रारंभिक स्तर से होना बेहद अनिवार्य हो जाता है जो सही उम्र में सही तकनीक सिखा कर भविष्य में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए शुरू से वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है, जिससे बाद में प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठतम परिणाम दिला सके। हम पहले भी लिख चुके हैं कि खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतने लंबे खेल प्रशिक्षण को प्राप्त कर कुछ एक खिलाड़ी ही अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाते हैं। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षकों की कमी सबके सामने है।

कुछ अलग

यह नारेबाजी कर्कश है!

कुनबा संभालने की फितरत में वो विरोध को भी जोड़ लेते, इक हम अकेले थक गए इन राहों के मुसाफिर बन कर। क्या सदन की बहस थक गई या सडक़ के मुद्दे दूर तलक दिखाई देने लगे। विरोध के कक्ष में हिमाचल की भाजपा ने बता दिया कि अगले चुनाव की दूरी कितनी और उसकी तैयारी कितनी। अलबत्ता इन बाजुओं में पार्टी के अपने अंतरविरोध और नेताओं के समूह भी हैं। कुछ दिन पहले ही रमेश धवाला ने जो भाजपा अपने पक्ष में की, कम से कम उसकी बोली में जो टोली थी, वह पार्टी की हमझोली नहीं। आसान राहें होतीं तो अब तक मुकद्दर के सिकंदर बदल गए होते, लेकिन आती हुई भाजपा-जाती हुई भाजपा नहीं हो सकती, इसलिए जोश और जश्न की सियासी खुराक के कायल कार्यकर्ताओं का हुजूम बताता रहा कि इन करवटों में कोई सौदेबाजी नहीं। बहरहाल कांग्रेस में सरकार का रुतबा सदन तक तो दिखा, लेकिन अब सडक़ पर विपक्ष की शक्ति का प्रदर्शन है। इस सडक़ पर गड्ढे हैं, तो भरने के लिए भाजपा के आरोप खनन की रेत में मिट्टी मिला रहे हैं। नारेबाजी कर्कश है, तो विरोध की भाषा विराम लगाने के लिए कांग्रेस का संगठन अपने 'संगठन' की परिक्रमा में किसे बचा, किसे आजमा रहा है। अपने रास्ते माप रही भाजपा ने सदन की बहस में खुद को छुपा लिया या नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कमोबेश वही आरोप खोज लिया, जिसकी बिना पर लोकसभा अध्यक्ष के संवैधानिक आचरण पर एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने विरोध दर्ज किया था। बहरहाल सदन से वाकआउट का कारण बड़ा था या चौड़ा मैदान पर भाजपा के विरोध में पार्टी विधायकों का शामिल होना कहीं अधिक जरूरी था। देखना यह है कि हिमाचल की पलकें सदन में किसे मंजूर करती हैं या चौड़ा मैदान भाजपा के गुस्से में खुद को कबूल करता है। जो भी हो 'कच्ची गलियों में भी भीड़ निकल आती है, गर मंजिल के निशान सफर पे निकल आएं।' बहस में बहिर्गमन या बहस में विरोध के नजारों ने गुरुवार को हिमाचल को सदन के मुकाबले चौड़ा मैदान में देखने का प्रयास किया या अब यही दस्तूर रहेगा कि लोकतंत्र केवल सत्ता के हमाम में नंगा होता रहेगा। भाजपा की रैली हम बनाम तुम की सियासत ने जो सुर छेड़े हैं, वहां पार्टियों के भीतर संगठनात्मक ताकत का फैसला होगा। कहना न होगा कि भाजपा की ओर से प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने यह साबित कर दिया कि वह जश्न में, हर कथन में फिलवक्त कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष पर भारी हैं। चौड़ा मैदान के मुकाबले अब सत्तारूढ़ दल को अपनी चौड़ाई बतानी होगी या अध्यक्ष पद की सीट बचानी है, यह देखना बाकी है। यह राजनीति भी समय-समय के तर्कों की कहानी है। कांग्रेस पूर्व विधायक बंबर ठाकुर जिस विधानसभा परिसर में प्रेस ब्रीफिंग करके संवैधानिक मर्यादा में फंसे, उसी के पक्ष में कानून व्यवस्था की नकेल, भाजपा रैली के हाथ आ गई। नारों ने लिख डाली इक हकीकत, मगर कल जब तुम थे तो यही रेत किस छननी से बाहर निकल गई। भाजपा ने माफिया की निशानदेही में ट्रांसफर, शराब, खनन, चिट्टा, वन, भ्रष्टाचार और मित्रों तक को शामिल किया है, तो हकीकत की गलबहियों में आखिर अब सियासी सदाचार है कहां। हम तो यही देख रहे हैं कि सडक़ प्रस्तावना तब होती है, जब आसपास की सडक़ बिक जाती है। ठेकेदारी की प्रथा अब सियासत की सीढ़ी है, हर कहीं कोई कार्यकर्ता ठेकेदार निकल आता है। ठेकेदार बड़ा ठेकेदार और फिर सियासी पूंजीनिवेश से नेता और इसी के नेतृत्व में जमीन खरीदी और बेची जाती है। अतः प्रदेश में भू माफिया के पंजे राजनीति के हर पक्ष पर सवार हैं।

देश दुनिया से

उ. कोरिया का आत्मघाती ड्रोन व भारत की चिंता

गुरुवार को उत्तर कोरियाई तानाशाह किम ने भूमि और समुद्र पर लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम उन्नत टोही ड्रोन का निरीक्षण किया, साथ ही हाल ही में अनावरण किए गए एयरबोर्न अर्ली-वार्निंग (एईडब्ल्यू) विमान का भी निरीक्षण किया। उत्तर कोरिया अपने मौजूदा भूमि-आधारित रडार सिस्टम को बढ़ा रहा है। कोरियन सेन्ट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) द्वारा प्रकाशित तस्वीरों के अनुसार, उन्हें रडार डोम वाले एक बड़े चार इंजन वाले विमान की जांच करते देखा गया, जिसके बारे में माना जाता है कि यह एक संशोधित रूसी आईएल-76 कार्गो विमान है। परीक्षण के दौरान प्राप्त तस्वीरों में फिक्स्ड-विंग आत्मघाती ड्रोन को अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और मिसाइल लॉन्च वाहनों के मॉकअप पर हमला करते हुए दिखाया गया है। एक फर्स्ट-पर्सन व्यू क्वाडकॉप्टर-स्टाइल ड्रोन भी लक्ष्य पर गोला-बारूद गिराता हुआ दिखाई दिया। राज्य मीडिया ने ड्रोन की उपस्थिति को अस्पष्ट करने के लिए उन्हें पिक्सेल किया। लेकिन जिस तरह अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के मॉडल पर यह परीक्षण किया गया, उसने अमेरिका की परेशानी बढ़ा दी है। जून, 2023 में पहली बार उत्तर कोरिया ने सैटब्योल-4 टोही ड्रोन, और सैटब्योल-9 लड़ाकू यूएवी के डेवलप किये जाने का खुलासा किया था। उत्तर कोरिया ने साल 2024 में प्योंगयांग में आयोजित हथियार एक्सपो में उत्तर कोरिया ने छह हमलावर ड्रोन दिखाए, जो इस्राइल और तुर्की के डिजाइनों की नकल करते थे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोन-सिक ने नवंबर 2024 में कहा था कि मॉस्को ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में मदद के लिए सैनिकों को तैनात करने के बदले में प्योंगयांग को एंटी-एयर मिसाइल और अनिर्दिष्ट वायु रक्षा उपकरण प्रदान किए थे। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार, शुरू में रूस को भेजे गए 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों में से लगभग 4,000 मारे गए, या घायल हो गए। माना जाता है, कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने ड्रोन युद्ध में भाग लिया था, जिससे उन्हें युद्ध के मैदान का बहुमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ। वाणिज्यिक उपग्रह इमेजरी का उपयोग करते हुए, विश्लेषकों ने पहले बता दिया था कि उत्तर कोरिया एक रूसी निर्मित आईएल-76 कार्गो विमान को पूर्व-चेतावनी भूमिका के लिए परिवर्तित कर रहा था। उत्तर कोरियाई न्यूज़ एजेंसी 'केसीएनए' ने गुरुवार को कहा कि किम ने टोही, खुफिया जानकारी जुटाने, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग और हमला प्रणालियों के लिए नए विकसित उपकरणों का अलग से निरीक्षण किया। तस्वीरों में फिक्स्ड-विंग यूएवी को टैंक के आकार के लक्ष्य पर निशाना साधते हुए दिखाया गया और फिर आग की लपटों में विस्फोट हो गया। परीक्षण के दौरान यूएस आरक्यू-4 ग्लोबल हॉक के टरमैक पर खड़े तानाशाह किम के जो फोटो शेयर किये गए, उससे यही सन्देश जाता है कि हमारे पास अब आत्मघाती ड्रोन है, कर लो जो करना है। उत्तर कोरिया कितना ढीठ है, उसका छोटा-सा उदाहरण 5 जनवरी, 2025 को तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन दक्षिण कोरिया यात्रा के समय देख सकते हैं, तब उसने पूर्वी सागर में मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागकर अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई। आत्मघाती या कामिकाजे ड्रोन का विकास नया नहीं है। इस्राइल के 1982 के 'ऑपरेशन मोल क्रिकेट 19' में, ऐसे यूएवी का इस्तेमाल किया था। 1980 के दशक में, अमेरिका ने भी 'आईएआई हार्पी' और 'एजीएम -136 टैसिट रेनबो' जैसे कार्यक्रमों के ज़रिये आत्मघाती ड्रोन विकसित कर लिये थे। 2000 के दशक से, अपेक्षाकृत लंबी दूरी के हमलों के वास्ते लोइटरिंग हथियारों का विकास किया गया। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण में 'ज़ेड.एल.ए. लैंसेट' और हेसा शहीद 136 सहित कई शहीद ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है, जबकि यूक्रेन ने यूजे-25 स्काईलाइन और अमेरिकी निर्मित एयरोविरोनमेंट स्विचब्लेड जैसे घूमने वाले हथियारों को तैनात किया है, जिसे प्लाटून, और दूसरा बैकपैक में फिट किया जाता है। 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद, रूसी और यूक्रेनी दोनों सेनाएं अक्तूबर, 2023 तक हर

महीने हज़ारों एफपीवी ड्रोन का उत्पादन कर रही थीं। 2022 में ब्रिटेन ने घोषणा की थी, कि वह यूक्रेन को 'सैकड़ों लोइटरिंग एम्यूनिशन' प्रदान कर रहा है। रूस द्वारा ईरान निर्मित शाहद ड्रोन का उपयोग और यूक्रेन द्वारा तुर्की के बायरकटर टीबी2 ड्रोन की सफल तैनाती ने इन तकनीकों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित किया है। मध्य पूर्व में, इस्राइल ने सटीक हमले करने के लिए 23 किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम हारोप लोइटरिंग म्यूनिशन पर भरोसा किया है। इस बीच, रूस द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किए जाने वाले ईरान के शाहेद-136 ड्रोन ने साबित कर दिया है कि सस्ते, बड़े पैमाने पर उत्पादित ड्रोन परिष्कृत वायु रक्षा प्रणालियों को भी मात दे सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल है, पाकिस्तान का सैन्य साझीदार उत्तर कोरिया जिस तरह से आत्मघाती ड्रोन विकसित करने में सफल हुआ है, क्या भारत को इसकी चिंता करनी चाहिए? भारतीय सेना को हाल ही में नागपुर स्थित रक्षा निर्माण फर्म सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित 480 लोइटरिंग हथियार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रणाली उद्देश्य सेना के जवानों द्वारा सटीक हमला करने की क्षमताओं को बढ़ाती है। 2025 की शुरुआत में पाकिस्तान ने भी कम दूरी की मुठभेड़ों में सटीक हमला करने के लिए डिजाइन किया गया अपना नवीनतम ड्रोन 'ब्लेज़ 25' पेश किया है, जिसका वजन 25 किलोग्राम है। यह देखते हुए, भारत को चाहिए, कि वह अपने लोइटरिंग हथियार विकास कार्यक्रम में तेज़ी लाये!

आप का नजरिया

मानव तस्करी पर अंकुश

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा सत्र में राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिये उत्साहजनक पहल की जाएगी। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें। दरअसल, देखने में आया है कि कई ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में छात्रों की संख्या जितनी अधिकता में है, उस अनुपात में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।

आव्रजन और अपराध पर चर्चा के लिए अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव नोएम पहुंचीं कोलंबिया

बोगोटा, 28 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम आव्रजन, अपराध और निर्वासन पर चर्चा करने के लिए तीन लैटिन अमेरिकी देशों की यात्रा के तहत गुरुवार को कोलंबिया पहुंचीं।

यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब ट्रंप प्रशासन और कोलंबियाई सरकार के बीच रिश्तों में तल्खी देखी जा रही है। जनवरी में अमेरिका द्वारा कोलंबिया में निर्वासित प्रवासियों को भेजने को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था।

नोएम ने कोलंबिया की विदेश मंत्री लॉरा साराबिया से मुलाकात की और प्रवासन व अपराध के मुद्दों पर स्पष्ट और ईमानदारीपूर्ण बातचीत की। नोएम ने कहा, हम अपने कोलंबियाई भागीदारों के साथ सीमा सुरक्षा और आपराधिक कानूनों के प्रवर्तन को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वहीं, साराबिया ने प्रवासियों के मानवाधिकारों और गरिमा की रक्षा पर ज़ोर दिया। दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन के लिए बायोमेट्रिक डेटा साझा करने के एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।

दक्षिणपंथी पा रहे प्रशंसा

नोएम की यह यात्रा एल साल्वाडोर के उनके बुधवार दौरे से भिन्न रही, जहाँ उन्होंने राष्ट्रपति नायब बुकेले से मुलाकात की। बुकेले अपने कड़े आपराधिक रवैये के कारण अमेरिका में दक्षिणपंथी प्रशंसा पा रहे हैं।

नोएम ने वहां विशाल जेल परिसर का भी दौरा किया, जहां सैकड़ों वेनेजुएलाई नागरिक बंद हैं। उन पर ट्रेन दे अरागुआ गिरोह से जुड़ाव का आरोप है, हालांकि ट्रंप प्रशासन द्वारा अब तक पुख्ता सबूत पेश नहीं किए गए हैं। ये निर्वासन मामले अदालत में चुनौती का सामना कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने रखी इफ्तार पार्टी, मुस्लिम नेताओं को निमंत्रण नहीं मिलने पर विवाद

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यकाल की पहली इफ्तार पार्टी की मेजबानी की, लेकिन यह आयोजन विवादों में घिर गया है। अमेरिकी मुस्लिम समुदाय इस इफ्तार पार्टी से नाखुश नजर आए हैं, क्योंकि इस बार मुस्लिम सांसदों और समुदाय से जुड़े नेताओं को आमंत्रित नहीं किया गया। इफ्तार पार्टी के अवसर पर ट्रंप ने कहा, मैं आप सभी का व्हाइट हाउस के इफ्तार डिनर में स्वागत करता हूं। रमजान इस्लाम का पवित्र महीना है और हम इस अवसर का सम्मान करते हैं। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनके समर्थन के लिए आभार भी जताया। यह अलग बात है कि व्हाइट हाउस की इस इफ्तार पार्टी में अमेरिकी मुस्लिम संगठनों, सांसदों और समुदायिक नेताओं को निमंत्रण नहीं भेजा गया। इसके बजाय, मुस्लिम देशों के विदेशी राजदूतों को आमंत्रित किया गया। इस फैसले की आलोचना करते हुए कई मुस्लिम सिविल राइट्स संगठनों ने नॉट ट्रंप इफ्तार के नाम से विरोध प्रदर्शन किया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ट्रंप एक तरफ मुस्लिम बैन लगाते हैं और दूसरी तरफ इफ्तार पार्टी रखते हैं - यह पाखंड है। बिल क्लिंटन ने शुरु की थी इफ्तार पार्टी गौरतलब है कि व्हाइट हाउस में इफ्तार डिनर की परंपरा 1996 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने शुरू की थी, जिसे जॉर्ज बुश और बराक ओबामा ने भी जारी रखा। 2017 में ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान इस परंपरा को रद्द कर दिया था, और अब इस बार आयोजित इफ्तार पार्टी ने विवादों को जन्म दे दिया है।

ट्रंप ने अमेरिकी कार निर्माता कंपनियों को चेताया, दाम बढ़ाए तो सजा मिलेगी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कार निर्माता कंपनियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर उनके आयातित कार टैरिफ के जवाब में अगर अमेरिकी कंपनियां कीमतें बढ़ाती हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। द वाल स्ट्रीट जनरल अखबार की खबर के अनुसार, ट्रंप ने अमेरिकी वाहन निर्माताओं को टैरिफ के जवाब में कीमतें न बढ़ाने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा से पहले देश की कुछ शीर्ष वाहन निर्माता कंपनियों के सीईओ को बुलाकर इस बारे में ताकीद किया कि उन्हें कीमतें नहीं बढ़ानी चाहिए। ट्रंप ने वाहन निर्माता कंपनियों के अधिकारियों से कहा कि व्हाइट हाउस इस पर पूरी नजर रखेगा। अगर किसी कंपनी ने कीमतें बढ़ाई तो उसे सजा का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को समाप्त करने के लिए आभारी होना चाहिए। मैंने इलेक्ट्रिक-कार उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी का प्रावधान किया है।

98 वर्षीय गरीब महिला निकली करोड़ों की मालकिन

लंदन। इंग्लैंड के केंट में रहने वाली 98 वर्षीय हिल्दा लेवी को लोग एक गरीब महिला मानते थे। उनके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि वे करोड़ों की मालकिन हो सकती हैं। लेकिन उनकी मृत्यु के बाद जब उनकी वसीयत खोली गई, तो वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए।

वसीयत में पता चला कि हिल्दा के पास 1.4 मिलियन पाउंड यानी करीब 16 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। हिल्दा लेवी की वसीयत में यह साफ किया गया था कि उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा समाज सेवा में दान किया जाएगा। उन्होंने लगभग साढ़े 5 करोड़ रुपये अपने दोस्तों और कैंटरबरी अस्पताल को दिए। इसके अलावा, करीब 3 करोड़ रुपये लंदन के व्हाइटेबल हेल्थकेयर और मूरीफिल्डस आई हॉस्पीटल के नाम कर दिए। जब यह खबर फैली तो लोग हैरान रह गए कि जिस महिला को वे साधारण और जरूरतमंद समझते थे, वह वास्तव में करोड़ों की मालकिन थी। हिल्दा की जिंदगी के बारे में पड़ताल करने पर पता चला कि वे जर्मनी से इंग्लैंड एक शरणार्थी के रूप में 1930 के दशक में आई थीं। उनके परिवार की मृत्यु होलोकॉस्ट में हो गई थी, और वे अनाथ हो गई थीं। इंग्लैंड में एलन जेफरी नाम की महिला ने उन्हें गोद लिया था और तभी से उन्होंने अपना जीवन वहीं बिताया। वे डॉक्टर फ्रीडरिक और मिसेज इर्मा लेवी की बेटी थीं।

पाकिस्तान में निर्वासन के खतरे का सामना कर रहे 170 अफगान शरणार्थियों को जर्मनी ने दी शरण

बर्लिन, 28 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान से 170 से अधिक अफगान नागिरकों को लेकर एक विमान जर्मनी के हनोवर एयर पोर्ट पर उतरा। यह अफगानों को फिर से बसाने की बर्लिन की कोशिशों का नतीजा है।

अफगान शरणार्थी पाकिस्तान में भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने सभी अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने के लिए 31 मार्च की समय सीमा तय की है।

जर्मन मीडिया आउटलेट बिल्ड ने जर्मन संघीय आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि गुरुवार को पहुंचे इस समूह में 82 महिलाएं और 92 पुरुष शामिल हैं। 74 लोग 18 वर्ष से कम उम्र के हैं। दो वर्ष से कम उम्र के नौ बच्चे भी शामिल हैं।

एक अफगान शरणार्थी ने कहा, हम ग्यारह महीने तक पाकिस्तानी शरणार्थी शिविर में रहे। मेरी पत्नी को वकील के रूप में नौकरी के कारण तालिबान की ओर से धमकी दी गई थी। बारह घंटे की उड़ान के बाद जब विमान उतरा, तो मैं बहुत खुश और आभारी महसूस कर रहा था।

इससे पहले फरवरी में, 155 अफगान नागरिक विमान से बर्लिन पहुंचे थे। उन्हें देश के संघीय स्वागत कार्यक्रम के जरिए जर्मनी में प्रवेश की अनुमति दी गई।

जर्मन सरकार ने अफगानिस्तान में अपने दो दशक के मिशन के दौरान जर्मन सैन्य या नागरिक एजेंसियों के साथ काम करने वाले अफगानों की मदद के लिए 2021 में प्रवेश कार्यक्रम शुरू किया था।

जर्मन सरकार के अनुसार, केवल उन शरणार्थियों को लाया जा रहा है जिनमें अफगानिस्तान में तालिबान की तरफ से विशेष खतरा है।

अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से, लगभग 36,000 लोगों को स्वीकार किया गया है, जिन्हें संघीय सरकार ने विशेष रूप से जोखिम में के रूप में वर्गीकृत किया था।

जर्मन मीडिया आउटलेट वेल्ट ने बताया कि जर्मनी में पुनर्वास के लिए स्वीकृत लगभग 2,800 अफगान लोग अभी भी इस्लामाबाद में रह रहे हैं, और उनकी स्थिति लगातार निराशाजनक होती जा रही है।

वीजा तीन महीने के लिए वैध होता है और जर्मनी जाने की प्रक्रिया में काफी समय लगता है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अफगान प्रवासियों के निर्वासन की समयसीमा को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है।

हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे अफगान शरणार्थियों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक खुला पत्र लिखा है। इसमें उन शरणार्थियों के निर्वासन को तत्काल रोकने की मांग की गई, जिनके पास अमेरिका में प्रवेश के लिए लंबित या स्वीकृत वीजा आवेदन हैं या जिन्होंने संयुक्त राज्य शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम (यूएसआरएपी) में रेफरल स्वीकार किए हैं।

इससे पहले, अमेरिका स्थित एक एडवोकेसी ग्रुप, ह्यूमन राइट्स वॉच ने अफगान शरणार्थियों को जबरन निर्वासित करने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की थी।

ह्यूमन राइट्स वॉच की एशिया निदेशक एलेन पियर्सन ने कहा, पाकिस्तानी अधिकारियों को अफगानों को घर वापस लौटने के लिए मजबूर करना तुरंत बंद कर देना चाहिए और निष्कासन का सामना कर रहे लोगों को सुरक्षा की मांग करने का अवसर देना चाहिए।

कई रिपोर्ट बताती हैं अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर उत्पीडन और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। कई अफगान शरणार्थियों का आरोप है कि वैध कानूनी दस्तावेज होने के बावजूद, उन्हें अवैध हिरासत, निर्वासन और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

पंजाबियों में खौफ, बस से उतारकर 6 लोगों को सरेआम मारी गोलियां

इस्लामाबाद, 28 मार्च (एजेंसियां)। बलूचिस्तान के ग्वादर जिले के कलमट क्षेत्र में गुरुवार पंजाब प्रांत के छह मजदूरों की गोली मार कर हत्या कर दी गई। अज्ञात बंदूकधारियों ने मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और पहचान पत्र की जांच करने के बाद मजदूरों को कराची जाने वाली यात्री बस से उतार दिया।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यात्रियों की हत्या की कड़ी निंदा की। राष्ट्रपति जरदारी ने कहा, आतंकवादी बलूचिस्तान में देश के विकास और समृद्धि के दुश्मन हैं। वे बलूचिस्तान में प्रगति नहीं देख सकते। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा, हम बदमाशों के राज्य विरोधी मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे। रिपोर्ट के अनुसार, मजदूरों की पहचान की जांच करने के बाद उन्हें बस से उतार दिया गया फिर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की कि पांच पीड़ित पंजाब के सादिकाबाद शहर के थे, जबकि एक मुल्तान का था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, पांच पीड़ितों की तत्काल मौत हो गई, जबकि एक ने बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हफीज बलूच ने बताया कि ग्वादर बंदरगाह से यूरिया लेकर आ रहे तीन ट्रकों को भी तजाबन इलाके में आग लगा दी गई। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि बलूचिस्तान के अन्य क्षेत्रों में भी रोड ब्लॉक पाए गए हैं, जो अधिक हमलों की योजना जैसा प्रतीत होता है। बलूच ने कहा, तुर्बत, पंजगुर और पसनी में सड़कें ब्लॉक कर दी गईं। बोलन, कोलपुर और मस्तुंग इलाकों में भी सड़कें अवरुद्ध की गईं। मस्तुंग इलाके में एक वाहन को आग लगा दी गई। यह पंजाब प्रांत के रहने वाले और बलूचिस्तान में काम करने वाले नागरिकों, श्रमिकों और मजदूरों पर किया गया नवीनतम लक्षित हमला है। यह घटना ऐसे समय में हुई जब इस महीने की शुरूआत में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आतंकवादियों ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण कर लिया था। इस घटना में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 26 बंधकों की मौत हो गई थी, जबकि ट्रेन को खाली कराने के अभियान के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

बलूचिस्तान में पिछले कुछ समय से पंजाब प्रांत के नागरिकों को निशाना बनाकर हमला किया जा रहा है। आतंकवादी पंजाबी श्रमिकों और मजदूरों की पहचान के बाद यात्री बसों, कोयला खदानों और यहां तक कि दुकानों और अन्य स्थानों पर हमला कर रहे हैं। पिछले सप्ताह बलूचिस्तान के कलात जिले में अज्ञात हमलावरों ने पंजाब के कम से कम चार मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पिछले महीने बरखान जिले में पंजाब जा रहे सात यात्रियों को बस से उतारकर गोली मार दी गई थी।

गाजा में इजराइल के हमले में 40 से अधिक लोगों की मौत

मध्य गाजा के एक व्यस्त बाजार पर इजराइली सुरक्षा बलों के ताजा हमले में सात फिलिस्तीनी मारे गए। पिछले 24 घंटों में युद्धग्रस्त क्षेत्र में हमलों में 40 से अधिक लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि गाजा में हजारों फिलिस्तीनियों के सामने खाद्यान का संकट पैदा हो गया है। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम कर रही संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) का कहना है कि तीन सप्ताह से अधिक समय से कोई सहायता एन्क्लेव में नहीं पहुंची है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 11 आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद, 28 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में सुरक्षा बलों ने पिछले 48 घंटे में 11 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, केपी के तीन जिलों मीर अली, मीरान शाह और डीआई खान में सुरक्षा बलों का चार जगहों पर सीधा सामना हुआ। सुरक्षा बलों ने बिना कोई नुकसान के आतंकियों को मार गिराया। आईएसपीआर ने जारी बयान में कहा कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना पर आधारित अभियान में पांच आतंकवादियों को गोलियों से भून दिया। इसी क्षेत्र दूसरी जगह मुठभेड़ में तीन और दहशतगर्द मारे गए। मीरान शाह क्षेत्र में दो और डेरा इस्माइल खान जिले के दरबान इलाके में एक आतंकवादी का काम तमाम कर दिया गया। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, पिछले हफ्ते उत्तरी वजीरिस्तान जिले के गुलाम खान कल्ले इलाके में अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने कम से कम 16 आतंकवादियों को मार गिराया था। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद 2021 से पाकिस्तान आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है। सबसे ज्यादा हमले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हो रहे हैं। जनवरी 2025 से आतंकी हमलों में तेजी आई है।

पाकिस्तान के हाथ से खिसक रहा बलूचिस्तान, विद्रोही हुए मजबूत, 10 हजार महिलाएं सड़कों पर

इस्लामाबाद, 28 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के लिए बलूचिस्तान बहुत बड़ा संकट बन गया है। यहां विद्रोहियों की लगातार ताकत बढ़ रही है और पाकिस्तान की टेंशन। इसी बीच बलूचिस्तान में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच की गिरफ्तारी के विरोध में 10 हजार महिलाएं सड़कों पर उतरीं हैं।

बलूच विद्रोहियों के अलावा बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच पाक सेना व सरकार को चुनौती दे रही हैं। इसके चलते बीते हफ्ते पाक सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। पाकिस्तानी एजेंसियों ने महरंग को कैद कर यह सोचा था कि चुनौती खत्म हो जाएगी, लेकिन अब उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ 10 हजार से ज्यादा महिलाएं सड़कें पर हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने आंदोलन को समर्थन दिया है। इसके साथ ही अब बीएलए को आम जनता का समर्थन भी मिल रहा है। इससे स्थिति और गंभीर हो गई है। आंदोलन ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। इस आंदोलन ने युवा-महिलाओं के संगठित कर दिया है। इसके अलावा पाक सेना और सरकार की कठोर प्रतिक्रिया से बलूचिस्तान में हालात संभलने के बजाए बिगड़ते दिख रहे हैं।

जमीनी हकीकत ये है कि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की पकड़ अब राजधानी क्वेटा के इर्दगिर्द ही सिमट कर रह गई है। बलूचिस्तान की सड़कों पर अब फबलूच लड़ाकों का सिक्का चल रहा है। हालात ये है कि अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस को अब इस इलाके में कदम रखने के लिए बलूच लड़ाकों से मंजूरी लेनी पड़ती है। सीपैक में काम कर रहे चीनी श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। उन्हें कहा गया है कि वे ग्वादर से बाहर न निकलें। यह दूसरी बार है जब पाकिस्तान को अपने किसी प्रांत में इतनी बड़ी बगावत झेलनी पड़ रही है।

ग्वादर में सशस्त्र विद्रोहियों ने बुधवार को बस यात्रियों को उतारकर गोली मार दी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। यह हमला ओरमारा हाईवे पर हुआ। बस कराची जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, सभी मृतकों का संबंध पंजाब प्रांत से था। उधर, क्वेटा में विद्रोहियों ने आईईडी से पुलिस वैन को निशाना बनाया। इससे दो पुलिसवालों समेत 3 की मौत हो गई जबकि 21 घायल हो गए।

बेबी एडॉप्शन घोटाला: यूं ही बांट दिए दो लाख बच्चे

सियोल। साउथ कोरिया में अजीबोगरीब घोटाला सामने आया है। वहां 2 लाख बच्चों को यूं ही बांट दिया गया। ना सही रिकार्ड, ना सही प्रमाणपत्र, इसे दुनिया में सबसे शर्मनाक बच्चा गोद घोटाला बताया जा रहा है इसकी कहानी जान के आप भी हैरान हो जाएंगे। दक्षिण कोरिया में बच्चा गोद लेने के तरीकों की जांच कर रही जांच टीम ने जब खंगालना शुरू किया तो पता चला कि देश की एजेंसियों ने बच्चों को गोद लेने के लिए विदेश भेजने में जबरदस्त जल्दबाजी दिखाई। इसमें उनकी हेल्थ और मानवाधिकार का भी ख्याल नहीं रखा गया। कई बच्चों के बर्थ रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई, बच्चों को अनाथ बताया जबकि उनके माता-पिता पहले से ही थे। जिन्हे बच्चे सौंपे गए, उनके बारे में भी पूरी जांच नहीं की गई। बच्चों को जबरन गोद देने के लिए मजबूर किया गया। जांच में सामने आया कि गोद लेने की प्रक्रिया में शामिल एजेंसियों और अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर जन्म रिकॉर्ड में हेरफेर किया। कई मामलों में बच्चों को अनाथ के रूप में दर्ज किया गया, जबकि उनके माता-पिता जीवित थे। वे नहीं चाहते थे कि उनका बच्चा देश छोड़कर जाए, इसके बावजूद उनसे लेकर लालच देकर बच्चों को छीन लिया गया। कई पेरेंट्स को ये तक बता दिया गया कि उनका बच्चा मर गया है। जबकि वह बच्चा जिंदा था। कुछ को ये कहा गया कि बच्चे को बेहतर देखभाल के लिए भेजा जा रहा है। लेकि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बच्चों को विदेशी परिवारों को सौंप दिया गया। इस प्रक्रिया में बच्चों की पहचान, जन्म तिथि और पारिवारिक इतिहास को बदल दिया गया, जिससे उनकी मूल जड़ों का पता लगाना असंभव हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला देश की छवि और नीतियों पर लंबे समय तक असर डालेगा।

मुंबई सिटी के कोच पेट्र क्राटकी ने प्लेऑफ मुकाबले से पहले टीम को दिया जीत का मंत्र

मुंबई, 28 मार्च (एजेंसियां)।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के प्लेऑफ मुकाबले में मुंबई सिटी एफसी को बेंगलुरु एफसी के खिलाफ कांतिरावा स्टेडियम में करो या मरो की स्थिति में उतरना होगा। इस अहम मुकाबले से पहले टीम के हेड कोच पेट्र क्राटकी और स्टार फॉरवर्ड निकोलास करेलिस ने टीम की तैयारियों और मानसिकता को लेकर अपना आत्मविश्वास जाहिर किया।

मुंबई सिटी एफसी हाल ही में इसी मैदान पर बेंगलुरु एफसी को 2-0 से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है, जिससे टीम के हौसले बुलंद हैं। हालांकि, कोच क्राटकी और करेलिस को पता है कि यह मुकाबला पूरी तरह अलग होगा और टीम को अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी।

मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्राटकी ने टीम की एकजुटता को जीत का सबसे बड़ा कारण बताया।उन्होंने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम किसी भी चीज़ की कमी नहीं महसूस कर रहे हैं। यह हमेशा एक टीम प्रयास होता है। करेलिस ने दस गोल किए हैं, लेकिन यह केवल उनकी वजह से नहीं है, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाता है, कोई असिस्ट देता है, तो कोई सही समय पर सही जगह पर मौजूद रहता है।

निकोलास करेलिस, जो इस सीजन में अब तक 10 गोल कर चुके हैं, ने भी टीम को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा, एक स्ट्राइकर के रूप में गोल करना मेरी जिम्मेदारी है, लेकिन यह मेरे साथियों की मेहनत का नतीजा है। उनकी मदद के बिना मैं यह नहीं कर सकता था।बेंगलुरु एफसी देगा कड़ी चुनौती मुंबई सिटी एफसी ने लीग चरण में बेंगलुरु एफसी को हराया था, लेकिन क्राटकी को पता है कि प्लेऑफ मुकाबले में विपक्षी टीम पहले से ज्यादा मजबूत होकर उतरेगी। उन्होंने कहा, बेंगलुरु एफसी पिछले मुकाबले में अपने कई अहम खिलाड़ियों के बिना खेल रही थी, लेकिन इस बार वे पूरी ताकत के साथ उतरेंगे। हमें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहना होगा।

न्यूज ब्रीफ

ला लीगाः बार्सिलोना ने ओसासुना को 3-0 से हराकर शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बनाई

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ओसासुना के खिलाफ एकतरफा 3-0 की जीत दर्ज करते हुए ला लीगा की अंकतालिका में शीर्ष पर तीन अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ बार्सिलोना का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय क्रम 19 मैचों तक पहुंच गया। कैम्प नोउ में खेले गए इस मुकाबले में फारवर्ड फेरान टोरेस ने 11वें मिनट में अलेजांद्रो बाल्डे के शानदार क्रॉस पर पहली ही कोशिश में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके दस मिनट बाद डानी ओल्मो ने पेनल्टी स्पॉट से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। उन्हें गोलकीपर सर्जियो हेरेरा द्वारा गिराए जाने पर बार्सिलोना को पेनल्टी मिली थी। वहीं, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने 77वें मिनट में करीब से हेडर के जरिए गोल कर टीम की जीत को पक्की कर दिया। बार्सिलोना 28 मैचों में 63 अंकों के साथ शीर्ष पर है। मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड 60 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 56 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी 10 मुकाबले बाकी हैं। मैच के बाद फेरान टोरेस ने कहा, अब से हर मैच हमारे लिए फाइनल जैसा है। हमने इस मुकाबले को जल्दी और मजबूती से अपने पक्ष में किया। तीन अंक मिले, यही सबसे अहम बात है। यह मुकाबला 8 मार्च को होना था, लेकिन क्लब के डॉक्टर कार्लेस मिनारो गार्सिया के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने चोट और अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के कारण बदली हुई टीम उतारी, लेकिन इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और राफिन्हा जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद बार्सिलोना ने ओसासुना को पूरी तरह हावी होकर खेला और उसे एक भी शॉट ऑन टारगेट लगाने का मौका नहीं दिया। फेरान टोरेस के शुरुआती गोल के दस मिनट बाद, पेड्री ने लंबा पास डाला, जिसे डानी ओल्मो ने शानदार तरीके से नियंत्रित किया, लेकिन गोलकीपर सर्जियो हेरेरा ने उन्हें गिरा दिया।

मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लिया

लंदन। न्यू साउथ वेल्स के कप्तान मोइसेस हेनरिक्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने 2024-25 सीजन के बीच में ही इस प्रारूप से खुद को अलग कर लिया था। 38 वर्षीय हेनरिक्स, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार टेस्ट मैच खेले हैं, अब भी न्यू साउथ वेल्स के लिए वनडे कप में उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, वह सिडनी सिक्सर्स के साथ अपने मौजूदा अनुबंध के तहत एक और सीजन खेलेंगे, जहां वे कप्तान भी हैं। हेनरिक्स ने नवंबर की शुरुआत के बाद से शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए कोई मैच नहीं खेला। उनकी गैरमौजूदगी में जैक एडवर्ड्स ने टीम की कमान संभाली और न्यू साउथ वेल्स ने फाइनल में जगह बनाने की पूरी कोशिश की, हालांकि अंत में वे चौथे स्थान पर रहे। शेफील्ड शील्ड क्रिकेट से संन्यास लेने का मन पहले ही बना लिया था अपनी संन्यास की घोषणा करते हुए हेनरिक्स ने कहा, इस साल क्रिसमस से पहले ही मैंने तय कर लिया था कि अब मुझे शेफील्ड शील्ड क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। इस राज्य का नेतृत्व करना और उसके लिए खेलना मेरे लिए सम्मान की बात थी, लेकिन न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलना सिर्फ शब्दों और तैयारी से नहीं होता, बल्कि प्रदर्शन से होता है। उन्होंने आगे कहा, मेरी फिटनेस अभी भी ठीक थी, लेकिन इस उम्र में अगर मैं अपने राज्य के लिए मैच नहीं जिता पा रहा, तो फिर मैं कैसे नेतृत्व कर सकता हूं हमारे पास शानदार युवा खिलाड़ी हैं जो इस टीम को आगे लेकर जाएंगे और मैं उन्हें पूरा समर्थन दूंगा।

अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के फाइनल में बनाई जगह

मुंबई। भारत की नंबर 1 महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बॉम्बे जिमखाना के लॉन में स्थित आउटडोर ग्लास कोर्ट पर गुरुवार को खेले गए इन मुकाबलों ने दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान किया। यह भारत का पहला पीएसए स्क्वैश कॉपर टूर्नामेंट है। पहले सेमीफाइनल में भारत की नई स्क्वैश सनसनी अनाहत सिंह का सामना अनुभवी जोशना चिनप्पा से हुआ। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां अनाहत ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए पहला सेट आसानी से जीत लिया। हालांकि, 38 वर्षीय जोशना ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए दूसरा सेट जीतकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अनाहत ने शानदार वापसी की और कोर्ट पर बेहतरीन एंगल्स का इस्तेमाल करते हुए अगले दो सेट जीतकर 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बेंगलुरु की लगातार दूसरी जीत

6 हजार 155 दिन बाद अब जाकर आरसीबी ने सीएसके को चेपॉक में हराया

चेन्नई , 28 मार्च (एजेंसियां)। कप्तान रजत पाटीदार की दमदार फिफ्टी के बाद गेंदबाजों के कमाल से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 8वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 50 रन से हरा दिया। आईपीएल में आरसीबी की टीम ने सीएसके को उसके घर में 17 साल बाद हराया है। 18वें सीजन के इस मुकाबले में टॉस हारने के बाद के पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 196 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सीएसके 20 ओवर में 8 विकेट पर 146 रन ही बना पाई। इस तरह चेपॉक की लड़ाई में 2008 के बाद अब आरसीबी ने बाजी मारी है।लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की टीम अपने घरेलू मैदान पर बल्लेबाजी में पूरी तरह साधारण दिखी। सीएसके लिए बैटिंग में रचिन रविंद्र के अलावा और किसी भी बल्लेबाज ने क्रीज पर रुकने की कोशिश नहीं की। रचिन अपनी टीम के लिए 31 गेंद में 5 चौके की मदद से 41 रनों की पारी खेली। टॉप ऑर्डर के तीन खिलाड़ी राहुल त्रिपाठी, दीपक हुडा और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं क पाए। मिडिल ऑर्डर में टीम के लिए शिवम दुबे ने जरूर कुछ आकर्षक शॉट खेलकर एक उम्मीद जगाई थी, लेकिन वह भी 19 रन बनाकर आउट हो गए।सीएसके के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी की गेंदबाजी यूनिट ने कमाल का खेल दिखाया। सभी गेंदबाजों ने लगातार अंतराल पर विकेट निकाले, जिसके कारण सीएसके पर दबाव काफी बढ़ गया था। वहीं गिरते हुए विकेट के बीच जब महेंद्र सिंह धोनी से उम्मीद थी कि वह क्रीज पर आकर पारी को संभाले तो उनसे काफी देर हो गई। दरअसल धोनी सीएसके लिए 9वें नंबर पर बैटिंग करने उतरे। तब तक आरसीबी के गेंदबाजों ने 15.2 ओवर में 99 रन के स्कोर पर 7 विकेट झटक लिए थे।धोनी जब बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे थे तो उनके साथ रविंद्र जडेजा क्रीज पर खड़े थे। हालांकि, आस्किंग रन रेट इतना ज्यादा था कि धोनी और जडेजा दोनों के लिए तेजी से रन का बनाने का दबाब था। मैदान पर धोनी के उतरते हुए पूरा स्टेडियम में उनके नाम शोर गूंजने लगा, लेकिन माही से काफी देर हो गई। सीएसके के लिए धोनी ने 16 गेंद में 2 सिक्स और 3 चौके की मदद से नाबाद 30 रन बनाए। वहीं रविंद्र जडेजा 19 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुए।

सीएसके के खिलाफ इस मुकाबले में आरसीबी के गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। सीएसके की तरफ से सबसे जोश हेजलवुड ने अपना कमाल दिखाया। हेजलवुड ने एक ही ओवर में राहुल त्रिपाठी और रुतुराज गायकवाड़ को आउट कर सीएसके की हालत खराब कर दी। हेजलवुड ने आरसीबी के लिए 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसके अलावा लियाम लिविंगस्टोन ने भी अपनी फिरकी का जादू चालाया और बीच के ओवरों में दो विकेट निकाल कर सीएसके के मुश्किल को और बढ़ा दिया। इसके अलावा यश दयाल ने भी एक ही ओवर में 2 विकेट हासिल कर आरसीबी की जी को पक्की कर दी।सीएसके के खिलाफ इस मुकाबले में आरसीबी ने कप्तान रजत पाटीदार (51) के शानदार अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में शुक्रवार को 20 ओवर में सात विकेट पर 196 रन बनाकर मेजबान टीम के सामने मुश्किल चुनौती रखी थी। टीम के लिए ओपनर फिल साल्ट ने 16 गेंदों में 32, विराट कोहली ने 30 गेंदों में 31 और देवदत्त पड़िक्कल ने 14 गेंदों पर 27 रन ठोके। पाटीदार ने 32 गेंदों पर 51 रन बनाये और टीम को बड़े स्कोर की तरफ अग्रसर किया।

आर्यना साबालेंका पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना साबालेंका ने गुरुवार को इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 6-2, 6-2 से हराकर अपने पहले मियामी ओपन फाइनल में प्रवेश किया।

साबालेंका ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली सर्व पर 77 प्रतिशत अंक जीते, छह ऐस लगाए और अपने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए। इसके साथ ही, उन्होंने पांच में से चार ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाया और महज 71 मिनट में जीत दर्ज की।

दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाली बेलारूसी शीर्ष वरीयता प्राप्त साबालेंका ने इस टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। वह मियामी में इंडियन वेल्स उपविजेता के रूप में पहुंची थीं।

साबालेंका ने कहा, मैं आज के अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचकर काफी उत्साहित हूं।

पूरे मैच के दौरान साबालेंका कभी पिछड़ी नहीं और दोनों सेटों में सिर्फ एक बार स्कोर 1-1 से बराबर हुआ।

उन्होंने आगे कहा, मैं कह सकती हूं कि यह इस सीजन के बेहतरीन मुकाबलों में से एक था। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं पूरी तरह से अपने खेल पर केंद्रित थी। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ मेरे पक्ष में जा रहा है।

अब फाइनल में साबालेंका का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इस मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला और फिलीपींस की वाइल्डकार्ड एंट्री एलेक्जेंड्रा एला आमने-सामने होंगी। एला ने पिछले दौर में पोलैंड की विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक को हराकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की थी।

महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल

मैनचेस्टर में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई चेलेसा और मैनचेस्टर की खिलाड़ी।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 28 मार्च (एजेंसियां)।

अपनी सातवीं मियामी ओपन खिताबी जीत के लक्ष्य के साथ खेल रहे सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 (7-4) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट तक चला।

यह क्वार्टरफाइनल मैच बुधवार रात को खेला जाना था, लेकिन जेसिका पेगुला और एम्मा राडुकानु के बीच महिला क्वार्टरफाइनल मैच रात 11 बजे के बाद तक चलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। मैच रात करीब 12 बजे शुरू होता, जो नए एटीपी नियमों के खिलाफ होता।

जोकोविच अब सेमीफाइनल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से भिड़ेंगे। 33 वर्षीय दिमित्रोव, जो 2024 में इस टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे थे, के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड 12-1 का है।

जोकोविच इससे पहले अपने सभी छह मियामी ओपन खिताब टूर्नामेंट के पिछले स्थल की बिस्केन में जीते थे। इस बार वह अपने करियर के 100वें खिताब को जीतने के लिए प्रयासरत हैं।

जोकोविच ने कहा, मुझे यहां जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि मेरे पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है... मैं लंबे समय बाद अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं।

हार्ड रॉक स्टेडियम में दर्शकों ने 37 वर्षीय जोकोविच के समर्थन में उनके नाम के नारे लगाए, भले ही वह एक अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ खेल रहे थे। दूसरे सेट में उन्होंने 4-1 और 5-2 के पिछड़ने के बावजूद टाईब्रेकर में जीत हासिल की। उन्होंने मैच प्वाइंट पर एक जोरदार ऐस लगाया और 24वीं वरीयता प्राप्त कोर्डा के खिलाफ 83प्रतिशत पहली सर्विस का शानदार आंकड़ा दर्ज किया। जीत के बाद उन्होंने जोरदार गर्जना की और अपनी रैकेट को वायलिन बजाने की तरह दिखाकर जश्न मनाया।

जोकोविच ने कहा, अगर मैं जीत का कारण एक शब्द में कहूं, तो वह है - सर्व, मैंने काफी अच्छी सर्विस की, यह मेरे लंबे समय के सबसे बेहतरीन सर्विंग प्रदर्शनों में से एक था।

मेंसिक ने फील्स को हराया

पुरुषों के पहले क्वार्टरफाइनल में, चेक गणराज्य के किशोर खिलाड़ी जकुब मेंसिक ने 17वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर फील्स को 7-6 (7-5), 6-1 से हराकर एटीपी 1000 पॉइंट स्तर के अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई।

19 वर्षीय मेंसिक ने पहला सेट टाईब्रेकर में जीता और फिर दूसरे सेट में 4-0 की बढ़त बनाकर 20 वर्षीय फील्स को मात दी। 54वीं रैंकिंग के मेंसिक ने 13 ऐस लगाए और क्रॉसकोर्ट फोरहैंड विनर के साथ 75 मिनट में मुकाबला समाप्त किया।

अब मेंसिक सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज और माटेओ बेरेटिनी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

बीसीसीआई ने स्पिन गेंदबाजी कोच पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

बेंगलुरु, 28 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने अत्याधुनिक बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) बेंगलुरु में स्पिन गेंदबाजी कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भूमिका भारत के सभी प्रारूपों और आयु वर्गों के स्पिन गेंदबाजों के विकास और प्रदर्शन को निखारने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस कोच का कार्यभार भारत की सीनियर पुरुष और महिला टीमों, भारत ए, अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 और अंडर-15 टीमों के साथ-साथ राज्य संघों के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण से जुड़ा होगा।

मुख्य जिम्मेदारियां

- बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्रिकेट स्क्वॉड के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना।
- खिलाड़ियों को आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत तकनीकी कोचिंग प्रदान करना।
- खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन योजनाएं तैयार करना और उनकी प्रगति की निगरानी करना।
- चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय और राज्य कोचों, प्रदर्शन विश्लेषकों और फिटनेस विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रतिभाशाली स्पिन गेंदबाजों को विकसित करना।
- जीपीएस-सक्षम उपकरणों और बायोमैकेनिकल विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार करना।
- चोट से उबर रहे खिलाड़ियों के पुनर्वास में सहयोग देना और प्रतिस्पर्धा के लिए उनकी फिटनेस सुनिश्चित करना।

योग्यता और अनुभव

- इस पद के लिए निम्नलिखित योग्यताओं में से किसी एक का होना अनिवार्य है—
- पूर्व भारतीय क्रिकेटर या कम से कम 75 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके पूर्व भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेटर, जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- बीसीसीआई सीओई लेवल 3 परफॉर्मेंस कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत ए, भारत अंडर-19, भारत महिला, आईपीएल या राज्य टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- बीसीसीआई सीओई लेवल 2 कोच (या समकक्ष), जिनके पास पिछले 7 वर्षों में कम से कम 3 वर्षों का हाई-परफॉर्मेंस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय, भारत , भारत अंडर-19, भारत महिला या आईपीएल टीम में कोचिंग का अनुभव हो।
- हाई-परफॉर्मेंस योजनाओं के निर्माण और निगरानी, साथ ही एलीट क्रिकेट वातावरण में खिलाड़ी विकास कार्यक्रमों को लागू करने का सफल रिकॉर्ड।

आवेदन की अंतिम तिथि:

- इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 10 अप्रैल 2025, शाम 5:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन लिंक के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों को अपने ईमेल के विषय में स्पिन गेंदबाजी कोच अवश्य लिखना होगा।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन मजबूती नजर आ रही है। हालांकि चांदी के भाव में 200 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सोना 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये से लेकर 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये से लेकर 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

टेलीकॉम कंपनियों ने 'सोर्स कोड' शेयर करने की शर्त का किया विरोध, भारत सरकार से नियमों में राहत की मांग

नई दिल्ली। स्थानीय और वैश्विक दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के बीच एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठा है जहां सरकार ने सोर्स कोड की उपलब्धि को विवादित बना दिया है। भारत में संवेदनशील बुनियादी सोर्स कोड के आधार पर सॉफ्टवेयर की जांच का फैसला किया गया है, जो सरकार द्वारा लागू किए गए नियमों के खिलाफ है। यह नियम कंपनियों को 31 दिसंबर, 2025 तक का समय देते हैं अपने सोर्स कोड उपलब्ध करने के लिए। यूरोपीय संघ (ईयू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मुद्दे पर भारत सरकार के साथ चिंता जाहिर की है और उन्होंने इसे मामला के रूप में उठाया है। संचार सुरक्षा प्रमाणन योजना के तहत सॉफ्टवेयर के सोर्स कोड की जांच को लेकर उन्होंने भारत सरकार के साथ बातचीत की है। इस उद्घोषणा के बाद वैश्विक दूरसंचार उपकरण कंपनियां अपने नीयमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, जो कि उनके आईपीआर को सुरक्षित रखेगा। नेशनल सेंटर फॉर कम्युनिकेशन सिक्योरिटी (एनसीसीएस) ने भी एक अस्थायी राहत दी थी, मगर सरकार ने इसको 31 दिसंबर, 2025 तक ही फिर से पुनर्विचार किया है।

ट्रंप के कार टैरिफ से वैश्विक बाजार में हलचल, कंपनियों के शेयर धड़ाम कनाडा देगा जवाब

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आयातित कारों और पुर्जों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा से वैश्विक कार उद्योग में हलचल है। इससे कल एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजार डगमगा गए। कई वाहन निर्माता कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिर गईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप की घोषणा के बाद यूरोपीय संघ और कनाडा जवाबी कार्रवाई के लिए एक साथ आ गए हैं। जवाबी उपायों की चर्चा ने दुनिया भर में व्यापार युद्ध की संभावना को बढ़ा दिया है।अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सभी कारों और कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ तीन अप्रैल से लागू होने वाले हैं। कनाडा के साथ-साथ मेक्सिको, जापान और दक्षिण कोरिया का अमेरिका के वाहन आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं। जर्मनी के नेता रॉबर्ट हेबेक ने कहा कि महत्वपूर्ण है कि अब यूरोपीय संघ को टैरिफ पर निर्णायक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। कनाडा ने कहा है कि वह अगले सप्ताह टैरिफ की घोषणा कर इसका जवाब देगा। सीएनएन की खबर के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर कैबिनेट की बैठक में चर्चा की। इसके बाद ओटावा में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें दोनों देशों के बीच संबंधों में बदलाव आने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि अब कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम करना होगा। कनाडाई नेता ने कहा कि अमेरिका अब उसका विश्वसनीय भागीदार नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के बदले हुए परिदृश्य से जूझना होगा।

जीएक्स ग्रुप ने किया पिंग कम्युनिकेशन का अधिग्रहण

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी जीएक्स ग्रुप ने स्विट्जरलैंड की ब्रॉडबैंड व फाइबर समाधान प्रदाता पिंग कम्युनिकेशन का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने बताया कि इसके जरिए वह यूरोप, पश्चिम एशिया और लैटिन अमेरिका में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। जीएक्स ग्रुप के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने बयान में कहा कि कंपनी पिंग कम्युनिकेशन के मौजूदा खंड को पूरक बनाने के लिए अपने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों का लाभ उठाएगी। इस तरह लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अगले दो वर्षों में राजस्व को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाएगी। कंपनी ने हालांकि लेनदेन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि छह महीने बाद, पिंग कम्युनिकेशन जीएक्स ग्रुप का हिस्सा बन जाएगा। पिंग कम्युनिकेशन का वर्तमान राजस्व करीब तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अपने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों के साथ इसके खंड को पूरक बनाकर हम 2026 तक अपने राजस्व को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की उम्मीद करते हैं। पिंग कम्युनिकेशन नॉर्वे के हेमगार्ड समूह का हिस्सा है। जीएक्स ग्रुप को पहले जेनेक्सिस के नाम से पहचाना जाता था। इसका परिचालन 2002 में शुरू हुआ और 2013 तक समूचे भारत में अपना कारोबार फैलाया, जब इसने स्वीडन से एरिक्सन का अधिग्रहण किया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंदुओं के गांव...

बिहार के लोगों के नाम पर बनाए गए। इनमें से 95 प्रतिशत खाते मुस्लिमों के नाम से थे। जबकि देसूरी गांव में एक भी मुस्लिम नहीं रहता है। इस तरह राजस्थान के बाहर के 4,793 बैंक अकाउंट में किसान सम्मान निधि के 1 करोड़ 51 लाख 24 हजार रुपए ट्रांसफर भी हो गए।यही हाल रानी ब्लॉक के वरकाणा गांव का भी हुआ। इस गांव में भी एक भी मुस्लिम नहीं रहता हैं। यहां मुस्लिमों के नाम से 9,004 फर्जी खाते खोल लिए गए। इन सबका पंजीकरण एक ही दिन किया गया था। आश्चर्य की बात ये है कि ये सभी खाते रानी स्थित बैंक की एक शाखा में खोले गए। मुस्लिमों के नाम पर बने इन खातों में किसान सम्मान निधि की 3 किस्त भी जा चुकी थी। ये सभी खाते भी पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के नाम पर खुले हैं। इनमें से अधिकांश मुस्लिम हैं। इन सभी का पंजीकरण एक ही समय पर किया गया था और इन सभी आवेदनों को सरकारी पोर्टल पर अलग-अलग तारीख को एक ही समय में स्वीकृत भी किया गया था। वहीं, राज्य के मारवाड़ जंक्शन में फिलहाल 62 फर्जी खाते मिले हैं।

अधिकारियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश और बिहार में कई ऐसे गिरोह सक्रिय हैं, जो फर्जी आईडी बनाकर किसान सम्मान निधि के पैसे ले रहे हैं। बिना किसी ओटीपी के पोर्टल पर इन फर्जी आवेदनों को स्वीकृत कर लिया गया, जबकि उस गांव के जो असली किसान हैं उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया। इस तरह कुल 32 हजार फर्जी आवेदन दिए गए थे। जिला प्रशासन के निर्देश पर भौतिक सत्यापन में पाली के देसूरी में 20 हजार, रानी में 9,004 और मारवाड़ जंक्शन में 62 फर्जी खाते मिले हैं। जहां देसूरी में 1.51 करोड़ और रानी में 5.40 करोड़ रुपए ट्रांसफर हुए हैं। पाली जिला कलेक्टर एलएल मंत्री के अनुसार पाली में मारवाड़ जंक्शन, देसूरी और रानी तहसीलदार ने घटना को लेकर संबंधित थानों में मामले दर्ज करवाए हैं। पूरे मामले की जांच एडीएम सीलिंग अश्विन के पवार को सौंपी गई है। दरअसल प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार पात्र किसानों के खातों में हर साल 6 हजार रुपए जमा कराती है। यह राशि तीन किस्तों में किसानों के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर की जाती है फ्रॉड के सभी मामले एक जैसे हैं, जिसमें भौतिक सत्यापन के जरिए यह सामने आया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए जिन लोगों ने आवेदन किया, वे इन तहसीलों के रहने वाले है ही नहीं। यहां तक कि ये इनकम टैक्स देने वाले लोग हैं और कई ऐसे लोग हैं, जिनकी मौत हो चुकी है या फिर राजस्व रिकॉर्ड में उनके नाम ही नहीं हैं। बड़ा सवाल है कि इन फर्जी खातों से ग़बन किए गए पैसों की रिकवरी कैसे हो पाएगी।राजस्थान में सामने आया मामला किसी बड़े गिरोह का काम लगता है, क्योंकि ऐसा ही मामला मार्च 2024 में छत्तीसगढ़ में भी सामने आया था। बेमेतरा जिले के एक गांव में 856 फर्जी किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि का पैसा डालने का आरोप लगा था। इनमें से 198 किसानों के खातों तो पश्चिम बंगाल में थे। मामला सामने आने के बाद जिले के कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए थे। जिले के बेरला ब्लॉक के बरगांव में 656 मुस्लिमों के नाम पर खुले खातों में इस योजना के पैसे जा रहे थे। जांच में पता चला कि इस गांव में सिर्फ 19 मुस्लिम किसान ही हैं। ये सभी गांव में रहते भी नहीं थे। इस पूरे मामले में लगभग 3 करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया था।

अहम सवालों...

बंगाल के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर अपना वक्तव्य दीजिए। बौखलाहट में ममता बनर्जी खुद को ही पीड़ित बताने लगीं। ममता बनर्जी विक्टिम कार्ड खेलने की पूरी तैयारी से आई थीं। उन्होंने वर्षों पहले फिसलकर गिरने से लगे प्लास्टर वाली तस्वीर दिखाई और कहा कि उनकी हत्या करने की कोशिश की गई थी। वहां मौजूद लोगों ने ममता के इस विक्टिम कार्ड को बेसाख्ता खारिज कर दिया और कहा कि उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं है।

ऑक्सफोर्ड में हुई इस घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि मंच पर खड़ी ममता बनर्जी से कुछ लोग उनसे उनके राज्य में हो रहे हिंदुओं के नरसंहार पर और आरजी कर अस्पताल बलात्कार कांड पर सवाल पूछ रहे हैं और ममता बनर्जी बौखलाहट में अनर्गल प्रलाप कर रही हैं। वीडियो में साफ-साफ वह सवाल सुना जा सकता है, पश्चिम बंगाल में कितने हिंदू मारे गए? दूसरा व्यक्ति वीडियो में कहता है, कुछ शब्द हिंदुओं के लिए भी कहना चाहेंगी क्या? कुछ लोगों ने ऐसे सवालों वाले प्लेकार्ड भी प्रदर्शित किए। इनमें एक प्लेकार्ड उस प्रसंग को लेकर भी था, जिसमें ममता ने कुछ अर्सा पहले हिंदुओं को काफिर कहा था।

केंद्रीय कर्मचारियों ...

कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अतिरिक्त डीए और डीआर से जुड़ा फैसला 01 जनवरी 2025 से लागू होगा और सरकार इस मद में अतिरिक्त 7,716 करोड़ रुपए खर्च करेगी। अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 12 महीने के औसत में वृद्धि के आधार पर डीए की दर तय की जाती है। डीए वृद्धि मद में सरकार इस वृद्धि के बाद अतिरिक्त 3,622 रुपए खर्च करेगी। वहीं डीआर मद में 2,992 रुपए का अतिरिक्त खर्चा आएगा।महंगाई भत्ता (डीए) सरकारी कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से निपटने में मदद करने के लिए दिया जाने वाला भत्ता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बढ़ती महंगाई के कारण वेतन अपना मूल्य न खो दे। कर्मचारियों का मूल वेतन हर 10 साल में वेतन आयोग की ओर से निर्धारित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, महंगाई के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए डीए में समय-समय पर बदलाव किया जाता है।

कैबिनेट ने बिहार की कोसी मेची अंतर-राज्यीय लिंक परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल करने को भी मंजूरी दे दी है। इस फैसले बिहार के सीमांचल इलाके के किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 6,282.32 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को मार्च, 2029 तक पूरा करने के लिए बिहार को 3,652.56 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता को भी मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में मौजूदा पूर्वी कोसी मुख्य नहर के पुनर्निर्माण के माध्यम से बिहार में महानंदा बेसिन तक सिंचाई के विस्तार के लिए कोसी के अधिशेष जल के एक हिस्से को मोड़ने की परिकल्पना की गई है।

450 किमी की...

रोहिंग्या के दिल्ली तक आने के विपक्ष के सवालों पर उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए और रोहिंग्या पहले असम से आते थे, जब वहां कांग्रेस की सरकार थी। अब टीएमसी शासित बंगाल से घुसकर आते हैं। उन्होंने ऐसे घुसपैठियों को आधार कार्ड और नागरिकता देने वालों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पकड़े गए सभी बांग्लादेशियों के पास से 24 परगना जिले का आधार कार्ड और नागरिकता का प्रमाण मिला है। शाह ने कहा कि वही आधार और वोटर कार्ड लेकर दिल्ली आते हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकरा उन्हें आधार कार्ड नहीं दे तो आदमी क्या परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। हालांकि ये सब लंबे समय तक नहीं चलेगा। 2026 में चुनाव है और बंगाल में कमल खिलेगा और ये पूरा बंद हो जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि अगर ममता बनर्जी जमीन दे दें तो यह सीमा बंद हो जाएगी। गृह मंत्री ने बंगाल सरकार पर घुसपैठियों को मदद देने का सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बांग्लादेशी या रोहिंग्या जब घुसपैठ करते हैं, तो इन्हें आधार कार्ड कौन देता है? अमित शाह ने कहा, पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी के गुंडे बांग्लादेश सीमा बंद करने में अड़चन डाल रहे हैं। वह सीमा पर तार लगाने गए सुरक्षाबलों के साथ बदतमीजी करते हैं। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली सरकार भी इन्हीं गुंडों के पक्ष में है। वह भी बांग्लादेश की सीमा पर तार लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है। 1653 किलोमीटर बाड़ बन चुका है, इनके पास की रोड बन चुकी है, बाड़ के पास की चौकियां भी बन चुकी हैं। शेष 563 किलोमीटर में से 112 किलोमीटर पर भौगोलिक परिस्थितियों के कारण फेंसिंग व्यावहारिक नहीं है।लेकिन 450 किलोमीटर की फेंसिंग बाकी है। बंगाल सरकार को 10 बार लिखा गया, बैठकें हुईं, लेकिन सरकार फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दे रही है। ममता बनर्जी जमीन दे दें तो यह सीमा बंद हो जाएगी। गृह मंत्री ने कहा, बांग्लादेशी या रोहिंग्या जब घुसपैठ करते हैं, तो इन्हें आधार कार्ड कौन देता है? जितने भी बांग्लादेशी पकड़े गए हैं, उनमें से अधिकांश के पास 24 परगना का आधार कार्ड और वोटर कार्ड पाया गया। अगर बंगाल सरकार आधार कार्ड जारी न करे, तो कोई भी घुसपैठिया भारत में नहीं घुस सकता।

कठुआ का ...

सात अन्य घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि रात में रुकने के बाद, सुबह होते ही तलाशी दल अलग-अलग दिशाओं से निकल पड़े। उनका मुख्य ध्यान मृतकों के शवों को बरामद करने, लापता पुलिसकर्मी को खोजने और किसी भी अन्य खतरे को बेअसर करने पर था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल लक्षित क्षेत्र की ओर सावधानी से बढ़ रहे हैं, लेकिन आतंकवादियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई और ऐसा माना जा रहा है कि सभी आतंकवादी मारे गए हैं।हालांकि, ड्रोन के जरिए केवल तीन आतंकवादियों के शव ही देखे जा सके और दो अन्य के बारे में अभी पता नहीं चल पाया है। राजबाग के घाटी जूथाना इलाके में जखोले गांव के पास आतंकवादियों के खिलाफ अभियान गुरुवार सुबह करीब 8 बजे शुरू हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से घुसपैठ करने वाले संदिग्ध पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादियों के एक समूह के खिलाफ पुलिस के नेतृत्व में अभियान तेज किया गया है।यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है कि क्या यह वही समूह था जो हीरानगर के सान्याल जंगल में पहले की घेराबंदी से बच रहा था या घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों का कोई अन्य समूह था। यह मुठभेड़ सेना, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, सीमा सुरक्षा बल, पुलिस, विशेष अभियान समूह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सहित कई सुरक्षा बलों द्वारा पांच दिनों तक चलाए गए गहन तलाशी अभियान के बाद हुई है। स्थिति रविवार को तब और बिगड़ गई जब गोलीबारी हुई और बाद में मंगलवार को एक स्थानीय निवासी ने इलाके में भोजन करते समय पानी की तलाश कर रहे सेना की वर्दी पहने दो लोगों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना दी।

गुरुवार को पुलिस बलों ने जंगलों के अंदर जाकर मुठभेड़ की, जहां उनका सामना भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों से हुआ। भीषण गोलीबारी के दौरान तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया, लेकिन आतंकवादियों को मार गिराए जाने से पहले चार पुलिसकर्मियों की जान चली गई। ऑपरेशन में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि दुर्गम इलाका और सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के कारण शहीद अधिकारियों के शवों को निकालना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

नेताओं से...

लेकिन क्या वास्तव में ऐसा होता है? अगर ऐसा होता तो पानी माफिया, टैंकर माफिया और प्लास्टिक माफिया चांदी कैसे काटते?

चैलेंजेज इन अर्बन वाटर गवर्नेंस: इनफॉर्मल वाटर टैंकर सप्लाई इन चेन्नई एंड मुंबई शीर्षक से 2023 में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, मुंबई के 55 प्रतिशत प्रतिभागी अनियमित आपूर्ति, खराब गुणवत्ता और ऊंची लागत के चलते पानी की आपूर्ति से संतुष्ट नहीं हैं। नतीजतन इनमें से 52 प्रतिशत लोग पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों पर निर्भर रहते हैं। इसी अध्ययन से पता चला कि चेन्नई में 61 प्रतिशत लोग सरकारी आपूर्ति से संतुष्ट नहीं है और इनमें से 58 प्रतिशत निजी टैंकरों पर आश्रित हैं। वितरण नेटवर्क से 35 प्रतिशत की बर्बादी के चलते पानी का भरपूर भंडार होने के बावजूद कोलकाता शहर को पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है।पानी का गैर-राजस्व नुकसान यानी लीकेज, बर्बादी या चोरी के चलते बीच रास्ते में ही गुम हो जाने वाला पानी संकट की एक और वजह है। अध्ययनों का आकलन है कि वैश्विक स्तर पर वितरण नेटवर्क के लिए जुटाए और साफ किए गए जल का 30 प्रतिशत हिस्सा गैर-राजस्व पानी बन जाता है। यह आंकड़ा 126 अरब घन मीटर रोजाना का है, जो 8 करोड़ लोगों के लिए प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 150 लीटर पानी के बराबर है। 2020 के अध्ययन पत्र के हवाले से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स का प्रशिक्षण मैनुअल एक्सटेंट ऑफ नॉन रेवेन्यू वाटर बताता है कि शहरी हिंदुस्तान में गैर-राजस्व पानी के रूप में गायब हो जाने वाले पानी की मात्रा वैश्विक औसत से भी ज्यादा (38 प्रतिशत) है। अध्ययन बताता है कि हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, कोलकाता और दिल्ली जैसे महानगरों में गैर-राजस्व जल नुकसान की दर राष्ट्रीय औसत से कहीं ज्यादा है। 490 मीटर की ऊंचाई तक पानी पंप करने और फिर इसे तकरीबन 100 कमी दूर तक ले जाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षी कावेरी जल आपूर्ति योजना का विस्तार कर रहे बेंगलुरु में पानी का भारी-भरकम 50 प्रतिशत नुकसान दर्ज किया जाता है। दिल्ली (58 प्रतिशत) और फरीदाबाद (51 प्रतिशत) में भी नुकसान इसी तरह से काफी ज्यादा है। कोलकाता में वितरण नेटवर्क के जरिए होने वाली क्षति 35 प्रतिशत है और अधिकारी इसे ही पानी के समृद्ध भंडार वाले इस शहर की निजी पानी टैंकरों पर निर्भरता का कारण बताते हैं। कोलकाता नगर निगम के अधिकारी बताते हैं कि 2,180 मिलियन लीटर रोजाना (एमएलडी) जल उत्पादन के साथ यह शहर केंद्र सरकार के 150 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के पैमाने को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी जुटा लेता है। हालांकि पहचान छिपाने की शर्त के साथ एक अधिकारी बताते हैं, भारी बर्बादी और वितरण में असमानता के चलते हमें प्रतिदिन टैंकरों के जरिए पेयजल की आपूर्ति करनी पड़ती है।

हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे तमाम शहरों में स्थानीय नेताओं और जल विभाग के अफसरों के साथ मिलीभगत करके टैंकर मालिक अपना धंधा चला रहे हैं। टैंकर संचालकों के सभी राजनीतिक दलों से संपर्क हैं। सरकार बदलती रहती है, लेकिन इनका धंधा बेरोकटोक चलता रहता है। सिटिजन एक्शन ग्रुप बेंगलोर वाटर वारियर्स से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता कहते हैं कि भारत के सिलिकॉन वैली में पानी उनके लिए हमेशा उपलब्ध है जो इसका खर्च उठा सकते हैं। टैंकर संचालकों ने एक समानांतर व्यवस्था खड़ी कर दी है जो शहर की कमजोरियों का फायदा उठाती है। ये कई लोगों की कीमत पर चंद लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए मांग और आपूर्ति में छेड़छाड़ का सटीक उदाहरण है।बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) के एक अधिकारी ने कहा कि वह राजनीतिक नेताओं, टैंकर मालिकों, बीडब्ल्यूएसएसबी और बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) में पानी की आपूर्ति का जिम्मा संभाल रहे अधिकारियों के बीच हुई बैठकों में शिरकत कर चुके हैं। ऐसी बैठकें महज दिखावा होती हैं। टैंकर मालिकों को तमाम वार्डों में जल आपूर्ति अधिकारियों पर नियंत्रण करने के लिए खुली छूट दी जाती है। पाइपलाइनों के वाल्व का संचालन कर रहे लोगों को या तो तीन दिनों में एक बार पानी छोड़ने या महज 30 प्रतिशत वाल्व खोलने के निर्देश दिए जाते हैं ताकि भूमिगत टैंक या छत पर बनी टंकियों को भरने के लिए पानी का पर्याप्त प्रवाह न हो। इससे वहां के लोग टैंकर बुलाने के लिए मजबूर हो जाते हैं।बेंगलुरु में नल से जल के गायब होने के विचित्र उदाहरण हैं। व्हाइटफील्ड, राममूर्ति नगर, हेब्बल, राजराजेश्वरी नगर, केंगेरी सैटेलाइट टाउनशिप और ऊंची इमारतों वाले कुछ और संभ्रांत इलाकों में पानी की आपूर्ति लगभग एक ही वक्त पर थम जाती है। यही वो इलाके हैं जहां के लोग टैंकरों को मोटी रकम चुकाने से गुरेज नहीं करते। इसके बाद यशवंतपुरा, राजाजीनगर, विजयनगर, जयनगर, मल्लेश्वरम, हनुमंत नगर और बासवनागुडी जैसे पुराने बेंगलुरु नगर पालिका के इलाकों का नंबर आता है। यहां लोग अपने-अपने मकानों में रहते हैं और उन्हें पानी की हलकी या सीमित प्रकार की समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। इससे जाहिर हो जाता है कि बीडब्ल्यूएसएसबी का परिचालन ऐसे ढंग से होता है जिससे टैंकर माफिया को फायदा हो।

नीदरलैंड्स की वैगेनिंगेन यूनिवर्सिटी में विकास द्वारा किया गया अध्ययन कई शहरों में पानी विक्रेताओं द्वारा भूजल संरक्षण कानूनों के उल्लंघन की पड़ताल करता है। हैदराबाद में पानी विक्रेता और स्थानीय राजनेता आपस में सांठगांठ कर जल, जमीन और वन अधिनियम-2002 (डब्ल्यूएएलटीए, ये तब लागू हुआ था जब हैदराबाद एकीकृत आंध्र प्रदेश का हिस्सा था) के तहत लागू भूजल नियमों को बिना किसी प्रतिरोध या जुर्माने के ठेंगा दिखा देते हैं।पंचायत और नगर प्रशासन जैसे स्थानीय प्रशासकीय निकायों पर डब्ल्यूएएलटीए को लागू करने की जिम्मेदारी है लेकिन व्यावहारिक तौर पर वह खुद टैंकरों के जरिए सप्लाई होने वाले पानी के बाजार में हिस्सेदार बन बैठे हैं। हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में पानी के विक्रेता स्थानीय राजनेताओं के समर्थन से औपचारिक आपूर्ति नेटवर्क का एक हिस्सा बन चुके हैं। यह न सिर्फ शहरी गरीबों की जरूरतों का निपटारा करना चाहते हैं बल्कि साझा भंडार वाले संसाधन से मुनाफा भी कमा रहे हैं। अध्ययन के मुताबिक अक्सर टैंकरों से मिलने वाले पानी की गुणवत्ता और मात्रा सवालों के घेरे में रहती है।बेंगलुरु स्थित निजी संगठन बायोम एनवायरमेंटल ट्रस्ट के मुताबिक, निजी टैंकरों को औपचारिक जल आपूर्ति प्रणाली से दूर नहीं किया जा सकता।

चूंकि सरकारें स्वच्छ और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने में विफल हो रही हैं इसलिए टैंकर आपूर्ति की जरूरत बरकरार है। नगर निकायों की विशाल, केंद्रीकृत जल प्रबंधन प्रणालियों की ऐसी खामियों के चलते टैंकर का उपयोग करने वाले छोटे पैमाने के जल विक्रेता पानी की मांग-आपूर्ति की खाई को पाटने में योगदान देने वाले किरदार के तौर पर उभर रहे हैं।

विनाशकारी भूकंप...

भीषण भूकंप के बाद म्यांमार और थाईलैंड में आपातकाल की घोषणा की गई है। बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.2 और 7.0 रही। पहले दोनों ही भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था, जबकि तीसरा जमीन से 22.5 किलोमीटर गहराई में आया।

म्यांमार और थाईलैंड में शुक्रवार दोपहर आए शक्तिशाली भूकंप से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। भूकंप से दोनों देशों में अब तक 150 से अधिक मौतों की जानकारी मिली है। 80 से अधिक लोगों के मलबे में दबे होने और 750 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। म्यांमार में भूकंप दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास आया। मांडले में दस लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। इस क्षेत्र में गृह युद्ध चल रहा है और कई जगहों पर इंटरनेट नही है। इसलिए नुकसान का पता लगाना मुश्किल है। म्यांमार में सागिंग शहर से 16 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में भूकंप आया। भूकंप दोपहर 12:50 बजे आया, जिसकी तीव्रता 7.7 थी। हाल के समय में यह सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक है। 7.7 की तीव्रता के झटके के 12 मिनट बाद 6.4 तीव्रता का एक और झटका आया। इसे आफ्टरशॉक कहते हैं। आफ्टरशॉक से भारी नुकसान का अंदेशा है। म्यांमार के मांडले शहर में आए भूकंप एक मस्जिद और यूनिवर्सिटी पूरी तरह से ढह गई और मलबे का ढेर बन गई। इन दोनों जगहों पर 25 से अधिक लोगों के मलबे में दबे होने की खबर सामने आ रही है। मांडले में भूकंप के बादय एयरपोर्ट पर यात्री इधर-उधर भागते और खुद को बचाते देखे गए। यहां कई इमारतें गिर गईं। मांडले एक बड़ा व्यापारिक केंद्र है। यहां कई ऐतिहासिक मठ भी हैं, जो म्यांमार के बौद्ध धर्म के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

उधर, थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने बैंकॉक में आपातकालीन स्थिति की घोषणा कर दी है। सरकार ने कहा है कि अगले 24 घंटों में और झटके आ सकते हैं। लोगों को ऊंची इमारतों से दूर रहने और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। भूकंप से बैंकॉक के चाटुचाक पार्क इलाके में एक बड़ी इमारत कुछ ही सेकंड में धराशाई हो गई। इससे तीन लोगों की मौत हो गई। 50 लोग घायल बताए गए हैं। 80 से अधिक लोगों के मलबे में फंसे होने का अंदेशा है, जिन्हें निकालने की कोशिशें की जा रही है। यह इमारत निर्माणाधीन थी।

चीन के युन्नान और गुआंग्शी प्रांतों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ये प्रांत म्यांमार के पास हैं। भूकंप का असर गोल्डन ट्रायंगल इलाके में भी हुआ है। इस इलाके में म्यांमार, थाईलैंड और लाओस के कुछ हिस्से आते हैं। म्यांमार की सैन्य सरकार ने भी राजधानी नेपीता और मांडले सहित छह क्षेत्रों और राज्यों में आपातकाल की घोषणा की है। देश में लंबे समय से चल रहे गृहयुद्ध के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि कई क्षेत्रों तक मदद कैसे पहुंचेगी। रेड क्रॉस ने कहा कि गिरी हुई बिजली की लाइनें मांडले और सागाइंग क्षेत्रों और दक्षिणी शान राज्य तक पहुंचने की कोशिश कर रही उनकी टीमों के लिए चुनौती बढ़ा रही हैं। रेड क्रॉस ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट बताती है कि भूकंप से काफी नुकसान हुआ है। भूकंप के झटके भारत, चीन और बांग्लादेश तक महसूस किए गए।

दक्षिण-पूर्व एशिया में शुक्रवार को आए दो तेज भूकंप से भारी तबाही हुई। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई इमारतें हिल गईं। इस दौरान एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत देखते ही देखते धराशायी हो गई। बैंकॉक में ऊंची-ऊंची छतों पर बने स्विमिंग पूलों से पानी बहकर सड़कों पर आ गया और कई इमारतों से मलबा गिरने लगा। इसके अलावा शहर के साथ-साथ पड़ोसी म्यांमार में भी लोग दहशत में देखे गए।

काठमांडू में...

प्रदर्शनकारियों ने एक टीवी स्टेशन के साथ-साथ एक पार्टी के कार्यालय पर भी हमला किया। प्रदर्शन में राजशाही की समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के कार्यकर्ता और कई दूसरे संगठनों के लोग शामिल थे।

इससे पहले नेपाल का राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें लिए हजारों समर्थक काठमांडू के तिनकुने क्षेत्र में इकट्ठा हुए और उन्होंने राजा आओ, देश बचाओ, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद और हमें राजतंत्र वापस चाहिए जैसे नारे लगाए। उन्होंने नेपाल में राजतंत्र की बहाली की मांग की। हालात को देखते हुए काठमांडू में सैकड़ों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और कानून का उल्लंघन करने के आरोप में कई युवाओं को हिरासत में ले लिया गया है।नेपाल में कुछ दिन पहले हजारों लोग सड़कों पर उतरे थे और उन्होंने राजशाही को बहाल किए जाने की मांग की थी। नेपाल के लोग अपने देश में राजा का शासन फिर से वापस लाना चाहते हैं। नेपाल दुनिया का आखिरी हिंदू राजतंत्र था। नेपाल 240 साल तक हिंदू राष्ट्र रहा लेकिन 2008 में इसे लोकतांत्रिक देश घोषित कर दिया गया। 2006 में हुए जन आंदोलन के बाद नेपाल में राजशाही का अंत हो गया था। राजशाही का शासन खत्म होने के बाद से यहां पर 13 अलग-अलग सरकारें आ चुकी हैं। नेपाल में कई लोगों का मानना है कि यहां लोकतंत्र का शासन फेल हो गया है और भ्रष्टाचार, आर्थिक तंगी और राजनीतिक अस्थिरता के हालात हैं। इस वजह से लोग राजशाही की वापसी चाहते हैं।कई ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने कुछ साल पहले राजशाही का विरोध किया था लेकिन अब उन्हें ऐसा लगता है कि पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को एक बार फिर देश की कमान सभालनी चाहिए। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने 19 फरवरी को एक वीडियो संदेश जारी कर राजशाही की बहाली की मांग की थी। देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों का दौरा करने के बाद पोखरा से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे ज्ञानेंद्र के समर्थन में राजशाही समर्थक कार्यकर्ताओं ने 9 मार्च को एक रैली भी आयोजित की थी। वहीं, कुछ समर्थकों ने ज्ञानेंद्र के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पोस्टर भी दिखाए थे।

महाभारत कथा:

भगवान कृष्ण का अवतरण यदु- कुल में

कुरु-वंश और यदु-वंश से जुडी इस श्रृंखला में आज पढते हैं, यदु वंश की शुरुआत के बारे में और भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बारे मेंज

सद्गुरु : यदु को उसके पिता ययाति ने श्राप दिया था कि वह कभी राजा नहीं बन सकता। वह दक्षिण की ओर आज के मथुरा शहर चला आया और नागा जनजाति में विवाह कर लिया। उस जनजाति में राजा नहीं होतेथे, एक परिषद शासन चलाती थी।यदु उस शासक परिषद में शामिल हो कर उसका मुखिया बन गया। उसके बच्चों से अलग-अलग वंश परंपराएं निकलीं जैसे अंधक, भोजक और वृष्णि, जो साथ मिलकर यादवों के नाम से मशहूर हुईं।

कुछ पीढियों के बाद यदु वंश में वासुदेव का जन्म हुआ। उनकी दो पत्नियां, देवकी और रोहिणी थीं। देवकी का एक सौतेला भाई था, कंस, जो जबरन बनाए गए संबंध यानी बलात्कार से पैदा हुआ था। उन दिनों हर कहीं यह परंपरा थी कि चाहे बच्चे का जन्म किसी भी तरह हुआ हो, वह अपनी मां के वंश का एक वैध हिस्सा बन जाता था। मगर यादवों ने कंस को नहीं अपनाया और उसे अवैध सन्तान कहकर दुत्कार दिया। वह एक महान योद्धा था, फिर भी उन्होंने उसे शासक परिषद में शामिल करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह बहुत दुष्ट और असभ्य था। कंस ने पूरब के एक महान राजा जरासंध से दोस्ती कर ली। जरासंध के समर्थन के कारण बहुत से लोग कंस के साथ हो गए। यादव वंश में पहली बार ऐसा हुआ था कि किसी ने बुजुर्गों की परिषद को खारिज करके खुद को राजा घोषित कर दिया था। राजा बनने के बाद कंस ने अपनी निर्विवाद सत्ता स्थापित कर ली और अपने असभ्य तरीकों से राजपाट चलाने लगा। उसके शासन में लोग काफी दुखी थे, मगर कोई उसका विरोध करने का साहस नहीं करता था क्योंकि उसका मित्र जरासंध एक शक्तिशाली राजा था। कंस को श्राप मिला हुआ था कि उसकी बहन के आठवें बच्चे के हाथों उसका वध होगा। जब उसे इस बात का पता चला, तो उसने देवकी और वासुदेव को जेल में डाल दिया। वह गिनती करके सिर्फ आठवें बच्चे को मार सकता था मगर वह कोई खतरा नहीं उठाना चाहता था। जिस दिन पहले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने जेल में जाकर नवजात शिशु को पैरों से उठाया और फर्श पर पटक दिया। उसकी मां भय और दुख से हक्की-बक्की रह गई, मगर जेल में कैद होने के कारण वे कुछ नहीं कर सकते थे। अगले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने फिर से आकर उसे पटक कर मार डाला। इसके विस्तार में मैं नहीं जाऊंगा। उसके बाद वासुदेव और देवकी ने यह सुनिश्चित किया कि सातवां बच्चा बलराम, वासुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में चला जाए , जो नदी के दूसरी ओर गोकुल में रहती थी।

भगवान कृष्ण का अवतरण

फिर आठवें बच्चे कृष्ण का जन्म होना था। वे इस बच्चे को बचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित थे, सिर्फबच्चे के लिए नहीं बल्कि इसलिए भी कि वे कंस के अत्याचार को समाप्त करना चाहते थे। उन्होंने तंत्र विद्या से जेल के रक्षकों को सुला दिया। गोपों के मुखिया नंद और उनकी पत्नी यशोदा नदी के उस पार रहते थे। यशोदा ने अभी-अभी एक बच्ची को जन्म दिया था। वासुदेव ने नवजात कृष्ण को नंद और यशोदा को सौंप दिया और उस नवजात बच्ची को अपने साथ जेल में ले गए। सुबह जब कंस जेल में आया तो लडकी को देखकर हैरान रह गया क्योंकि आठवां बच्चा लडका होना चाहिए था, जो उसे मारता। मगर फिर भी कंस अपने जीवन पर कोई खतरा नहीं चाहता था। कौन जाने लडकी कब लडके में बदल जाए।

वह उसे उठाने ही वाला था कि देवकी ने उससे प्रार्थना की, 'देखो, यह तो एक लडकी है। यह तुम्हें नहीं मार सकती। इसकी शादी हो जाएगी और यह अपने घर चली जाएगी। कृपया इसका जीवन बख्श दो।' कंस ने कहा, 'ऐसा हरगिज नहीं हो सकता। मैं कोई खतरा क्यों मोल लूं' वह लडकी को उठाकर उसे पटकने ही वाला था, मगर वह नीचे नहीं गिरी।

अर्धनारीशवर है मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

मां सिद्धिदात्री मां का नवां स्वरूप हैं। नवरात्रि के नौंवे दिन मां के इस स्वरूप की पूजा की जाती है। मां सिद्धिदात्री देवी की आराधना करनेसे आपकी योग्यता और शक्ति में बढोतरी होती है। मां का यह स्वरूप अर्धनारीश्वर के रूप में भी विख्यात है।

पूजन विधि कंडे (गाय के गोबर के उपले) जलाकर उसमें घी, हवन सामग्री, बताशा, लौंग का जोडा, पान, सुपारी, कपूर, गूगल, इलायची, किसमिस, कमलगट्टा अर्पित करें। नवरात्र के नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री की इन मंत्रों के उच्चारण के साथ पूजा करें।

मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

सिद्धिदात्री के चार हाथ हैं। एक हाथ में उन्होंने चक्र धारण किया हुआ है और दूसरे हाथ में गदा है। तीसरे हाथ में शंख है तो चौथे हाथ में कमल का फूल लिए हुए हैं। मां सिद्धिदात्री कमल के फूल पर आसीन हैं। इनका वाहन सिंह है। ऐसा माना जाता है की मां का यह स्वरुप भक्त की 26 अलग-अलग मनोकामनाओं को पूरा कर सकता है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। ब्रम्हावैवर्त पुराण के श्रीकृष्ण जन्मखंड के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से 18 तरह की सिद्धियों का आशीर्वाद पाया जा सकता है। देव, दानव, गन्धर्व, किन्नर, मानव, यक्ष, सभी मां सिद्धिदात्री की आराधना करके आशीर्वाद पाते हैं।

नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री के इस मंत्र का उच्चारण करें -

ऊँ ह्रीं सः सिद्धिदात्यै नमः।।

भक्त की 26 अलग मनोकामनाओं को पूरा करती हैं मां

मां की आराधना से मिलती हैं सिद्धियां

भगवान शिव ने भी इन्हीं देवी की कृपा से यह तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इस देवी की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। विधि-विधान से नौंवे दिन इस देवी की उपासना करने से सिद्धियां प्राप्त होती हैं। यह अंतिम देवी हैं। इनकी साधना करने से लौकिक और परलौकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है।

गजानन की जिह्वा देती है यह सीख

गजानन रूप में भी हम भगवान गणेश की वंदना करते हैं। गजानन अर्थात हाथी के मुख वाला। हाथी की जीभ अन्य प्राणियों से अनोखी होती है। गणेशजी के इस रूप में वाणी का महत्व प्रतिपादित होता है। मनुष्य की उत्तम वाणी महत्व को बढाती है और दोषपूर्ण वाणी सम्मान कम करती है। हाथी की जीभ तो बाहर निकलती ही नहीं। यह तो मुख के भीतरी भाग में है। अर्थात इससे वाणी के अनर्थ का भय नहीं है और संयम की सीख है। गजा का अर्थ उन ऋषियों और योगियों से भी जुडता है जो समाधि में बैठे रहते हैं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करते हैं। गणेश अपने इस रूप में हमें पदार्थगत वासना से उबरकर मोक्ष की राह तलाशने की सीख देते हैं। भगवान गणेश का यह रूप यह भी सीख देता है कि जिस तरह हाथी संयमित जीवन से 120 वर्ष जी सकता है मनुष्य भी नियंत्रण से लंबा और सुखी जीवन बिता सकता है।

इस तरह के उपाय से घर में हो रहे कलह-कलेश को दूर कर सुख-शांति पा सकते हैं

जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। दाम्पत्य जीवन सुखी हो ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। शुक्ल पक्ष में पडने वाले किसी शुक्रवार के दिन पत्नी अपने हाथों से प्रेम पूर्वक साबूदाने की खीर बनाएं लेकिन उसमें शक्कर के स्थान पर मिश्री डालें। इस खीर को सबसे पहले भगवान को अर्पित करें और इसके बाद पति-पत्नी थोडी-थोडी एक-दूसरे को खिलाएं। भगवान से सुखमय दाम्पत्य की कामना करें। इस दिन किसी लक्ष्मी मंदिर में जाकर इत्र का दान करें। अपने शयनकक्ष में इत्र कदापि न रखें। कुछ दिनों तक यह प्रयोग करते रहें । कुछ ही दिनों में दाम्पत्य जीवन सुखी हो जाएगा। बरगद(बड) के पत्ते को गुरु पुष्य या रवि पुष्य योग में लाकर उस पर हल्दी से स्वस्तिक बनाकर घर में रखें। घर के मुख्य द्वार के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा अथवा चित्र इस प्रकार लगाएं कि उनका मुख घर के अंदर की ओर रहे। उस पर सुबह दूर्वा अवश्य अर्पित करें।

धन संबंधी कार्य सोमवार एवं बुधवार को करें। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी, रोजगार आदि शुभ कार्यों के लिए जाते समय घर की कोई महिला एक मुठ्ठी काले उडद उस व्यक्ति के ऊपर से उतार कर भूमि पर छोड दे तो हर कार्य में सफलता मिलेगी। गरीब, असहाय, रोगी व किन्नरों की सहायता दान स्वरूप अवश्य करें। यदि संभव हो तो किन्नरों को दिए पैसे में से एक सिक्का वापस लेकर अपने कैश बॉक्स या लॉकर में रखें। इससे लाभ होगा। काली हल्दी की एक गांठ शुभ मुहूर्त में प्राप्त कर अपने घर में, व्यवसायी अपने कैश बॉक्स में तथा व्यापारी अपने गल्ले में रखें। रवि पुष्य नक्षत्र के शुभ मुहूर्त में बहेडे की जड या एक पत्ता तथा शंखपुष्पी की जड लाकर घर में रखें। चांदी की डिब्बी में रखें तो और भी शुभ रहेगा।

टोटके करते समय इनका ध्यान रखें-

दिशा-निर्देश- सम्मोहन सिद्धि, देव कृपा प्राप्ति अथवा अन्य शुभ एवं सात्विक कार्यों की सिद्धि के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके टोटके किए जाते हैं। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा व लक्ष्मी प्राप्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए पश्चिम दिशा की ओर मुख करके बैठना शुभ होता है। उत्तर दिशा की ओर मुख करके उन टोटकों को किया जाता है जिनका उदेश्य रोगों की चिकित्सा, मानसिक शांति एवं आरोग्य प्राप्ति होता है।

रोग मुक्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए मंगलवार एवं श्रावण मास उत्तम समय है। मां सरस्वती की प्रसन्नता व शिक्षा में सफलता के लिए बुधवार एवं गुरुवार तथा माघ, फाल्गुन और चैत्र मास में टोटका करना चाहिए। संतान और वैभव पाने के लिए गुरुवार तथा आश्विन, कार्तिक एवं मार्गशीर्ष मास में टोटकों का प्रयोग करना चाहिए।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है

सब सही होते हुए भी कभी कभी हमें परेशानियों का सामना करना पडता है, ऐसा क्यों क्या ये सब कहीं वास्तु दोष के कारण तो नहीं है । इस संसार में हर व्यक्ति चाहता है कि वह जीवन में खूब सफलता प्राप्त करें । उसे धन, यश, ऐश्वर्य, प्रसन्नता, अच्छा परिवार, अच्छा स्वास्थ्य सभी कुछ प्राप्त हो, इसके लिए वह दिन रात मेहनत करता है, सदैव प्रयत्नशील रहता है लेकिन फिर भी सभी को उपरोक्त सुख सुविधाओं की प्राप्ति नहीं ही होती है । कई बार जब बहुत जी तोड मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिलती है, जीवन में अस्थिरता रहती है या कोई ना कोई परेशानी लगी ही रहती है तो व्यक्ति निराश होने लगता है । लेकिन इसका कारण उसके भवन, कार्यालय स्थल का वास्तु दोष हो सकता है । जी हाँ, जिस जगह हम अपने जीवन का अधिकांश, महत्वपूर्ण समय बिताते है अगर उसी में दोष है तो लाख चाह कर भी, बहुत प्रयास के बाद भी हमें अपने परिश्रम का श्रेष्ठ परिणाम मिलने में आशंका बनी रहती है ।

पहले समय में भवन की आयु न्यूनतम 100 वर्ष मानी जाती थी । भवन के स्वामी के पुत्र पौत्र आदि उसमे मिलकर लम्बे समय तक निवास करते थे , उस भवन के साथ लोगो की बहुत सी यादें जुडी होती थी और कोई भी व्यक्ति चाहे जितना भी संकट में क्यों ना हो वह उसको बेचने के बारे में सोचता भी नहीं था परन्तु यह बहुत ही खेद का विषय है कि आज वास्तु / ज्योतिष के अनुसार भवन की आयु घट कर लगभग 40 वर्ष ही रह गयी है । इन सबका एक प्रमुख कारण वास्तु के नियमो की पूर्णतया अवहेलना करना है । यदि हमारा भवन वास्तु के अनुरूप है तो वहाँ पर ना केवल परस्पर प्रेम, हर्ष, उल्लास और निरोगिता ही रहेगी वरन वहाँ

के निवासियों केविद्धवान, संस्कारी होने की भी बहुत सम्भावना बड जाती है। उन्हें जीवन में धन यश और सफलता की भी आसानी से प्राप्ति होती है । यह ब्रहमाण्ड और हम सभी मनुष्य पंच तत्व से बने है। इन पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश का इस पूरी सृष्टि, समस्त जीवों पर गहन प्रभाव है। अगर इनका संतुलन बिगडा रहता है तो जीवन में सदैव परेशानियाँ बनी ही रहती है । लेकिन वास्तु द्वारा इन्ही पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश के बीच की परस्पर क्रिया को ध्यान में रखकर इस प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हुए निश्चय ही श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किये जा सकते है ।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है जिसकी हमारे ऋषि मुनियों ने अपने अथक प्रयास से मानव जीवन को सुगम बनाने के लिए रचना की है। वास्तु 'वस' शब्द से बना है जिसका अर्थ है वास करना । वास्तु का संस्कृत में अर्थ है मनुष्य एवं देवताओं का निवास स्थान । वास्तु केवल भवन निर्माण कला ही नहीं है वरन वास्तु में सम्पूर्ण देश, राज्य, नगर, भवन, हमारे बैठने ,सोने, खाना बनाने, भण्डारण, पूजा स्थल, स्नानघर आदि एवं निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सभी सामग्रियाँ आती है । इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण है कि वास्तु के सिद्धांतों का पालन करके बनाये गए निर्माणों में धन यश एवं मनवांछित सफलता की अल्प प्रयासों से ही प्राप्ति हो जाती है। भारतीय शास्त्रों में प्रत्येक छोटे बडे स्थान के देवता के रूप में वास्तुपुरुष को मान्यता दी गयी है । किसी भी भवन के निर्माण के समय वास्तु पुरुष की पूजा अनिवार्य मानी जाती है जिससे भवन के निवासियों को जीवन में सभी तरह के सुखों के साथ साथ धर्म, अर्थ,काम और मोक्ष की प्राप्ति हो। प्रत्येक भवन में वास्तुपुरुष का अस्तित्वं माना जाता है । वास्तुपुरुष भवन में अपने हाथ पैरों को एक विशेष समय में मोडकर उलटे लेते रहते है । भवन में वास्तु पुरुष का सर ईशान कोण एवं उनके पैर नैत्रत्य कोण में माने जाते है।

वास्तु दोष :- अगर आपके भवन में रहने वाले लोग बार बार बीमार पडते है, उस भवन में रहने वालो के बीच आये दिन कलह रहती है, पर्याप्त मेहनत के बावजूद भी धन की कमी रहती है, अनावश्यक खर्चो का सामना करना पडता है, बनते हुए कार्यों में अडचने आ जाती है, संतान मनमाना कार्य करती है, भवन में रहने वाले तनाव में रहते है।

भवन में भय लगना है, रात में बुरे बुरे सपने आते है, भवन के आसपास या चमगादड नजर आते है तो आपके भवन में वास्तु दोष हो सकता है इसका तुरंत उपाय करें अन्यथा शायद जीवन भर पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ ना लगे ।

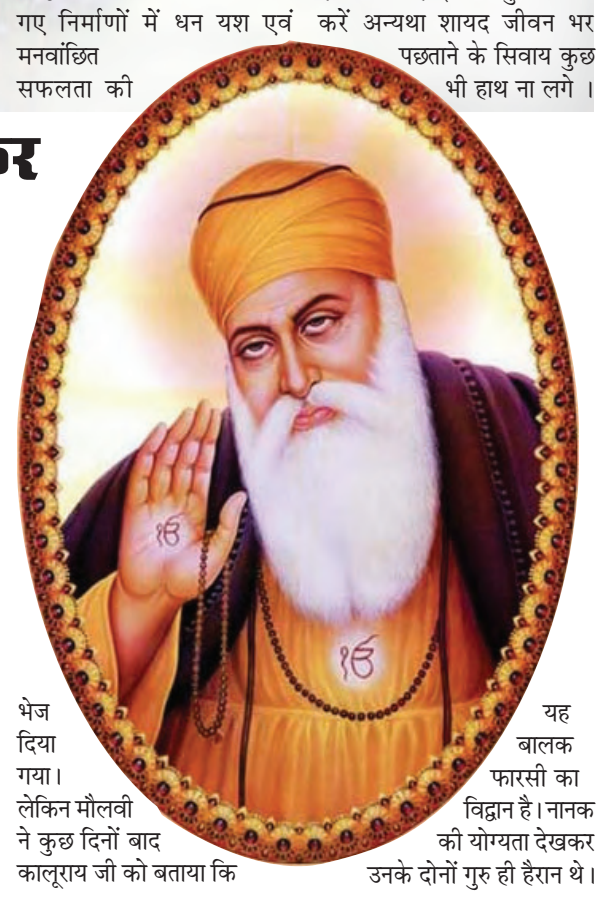

नानक की योग्यता देखकर उनके गुरु भी थे हैरान

पंजाब का एक छोटा सा शहर तलवंडी में कालूराय बेदी की पत्नी तृप्ता देवी के गर्भ से एक शिशु का जन्म हुआ। यह शिशु बालक था, जिसने बडे होकर अपना समूचा जीवन धार्मिक कट्टरता और धर्म के नाम पर होने वाले अत्याचारों और अनाचारों का विनाश करने के लिए समर्पित कर दिया। कालूराय बेदी तलवंडी के शासक राय दुलार के प्रधान पटवारी थे। साथ ही अत्यधिक विश्वासपात्र भी। उनका घर धन-धान्य से भरा हुआ था। इसलिए शिशु का जन्मोत्सव बहुत धूम-धाम से मनाया गया। तृप्ता देवी ने पुत्री नानकी के जन्म के बाद एक पुत्र को जन्म दिया था। पुत्री का नाम नानकी इसलिए रखा गया क्यों कि उसका अधिक समय ननिहाल में ही गुजरा था। इसलिए बालक को बहिन के नाम का पर्याय देते हुए नानक के रूप में बुलाया जाने लगा।

बचपन से ही नानक में विलक्षण प्रतिभाएं देखने के मिलने लगीं थीं। वह किसी भी पेड के नीचे बैठकर 'सत करतार' का जप किया करते थे। पांच वर्ष की उम्र में ही उनकी पढाई शुरु हो गई। उनके पहले गुरु बने पंडित गोपाल के पास जाने लगे। वह इतने कुशाग्र बुद्धि के थे कि कुछ दिनों में ही पं.गोपाल मान गए कि वह जितने पढे लिखे हैं उससे कहीं अधिक ज्ञान नानक जी को है। इसके बाद नानक जी की फारसी शिक्षा शुरू हुई। उनको फारसी की शिक्षा देने के लिए मौलवी कुतबुद्दीन के पास भेज दिया गया। लेकिन मौलवी ने कुछ दिनों बाद कालूराय जी को बताया कि यह बालक फारसी का विद्वान है। नानक की योग्यता देखकर उनके दोनों गुरु ही हैरान थे।

पुलिस ने भैंस को किया गिरफ्तार

अलीगढ़ में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। यहां पुलिस ने सड़क हादसे के आरोप में एक भैंस को गिरफ्तार किया है। भला भैंस कैसे किसी का एक्सीडेंट कर सकती है। लेकिन यह सच है। हादसा मंगलवार शाम का है जब एक भैंस अपने मालिक के साथ सड़क पर जा रही थी तभी अचानक पीछे से आ रही एक गाड़ी के हॉर्न से वो इस कदर घबरा गई कि पुल से नीचे कूद गई और सीधे पुल के नीचे खड़े ऑटो पर जा गिरी। एक दैनिक अखबार के मुताबिक भैंस जिस ऑटो पर गिरी उसमें चार लोग बैठे थे जो घायल हो गए और ऑटो भी पूरी तरह से टूट गया। हादसे के बाद भगदड़ मचने पर मौके पर पहुंची पुलिस को देख भैंस का मालिक तो गायब हो गया लेकिन पुलिस भैंस को अपने साथ थाने ले गई और वहीं उसे बांध दिया। हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भिजवा दिया गया है। ऐसे में पुलिस के सामने बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि इस एक्सीडेंट में आगे क्या कार्रवाई की जाए। हालांकि अभी तक कोई भैंस लेने नहीं आया है।

थायराइड के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर

थायराइड हार्मोन चयापचय की दर को सही बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इसके ठीक से काम न करने से वजन का बढ़ना, थकान, हाथों और पैरों में ठंडापन,चिंता, बालों को झाड़ना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। घबराइए नहीं एक्यूप्रेशर थेरेपी से इसका इलाज किया जा सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों खासकर हथेलियों और पैरों के तलवों के बिन्दुओं पर दबाव डालकर इलाज करने को एक्यूप्रेशर चिकित्साकहा जाता है।

रूखे हाथों को संवारने के आसान उपाय

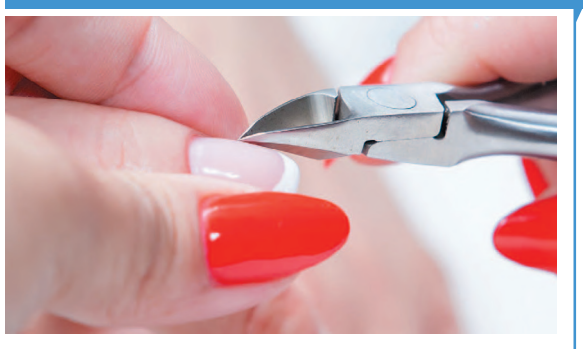

स्वस्थ और साफ-सुथरे हाथ न केवल देखने में सुंदर लगते हैं, बल्कि ये आपके स्वास्थ्य की कुंजी भी हैं। गंदे हाथ हमारे शरीर में संक्रमण फैला सकते हैं। अपने चेहरे और बालों की खूबसूरती का आप कितना खयाल रखती हैं। लेकिन, क्या इतनी ही संजीदा आप अपने हाथों को लेकर भी हैं। अगर आप चाहती हैं कि लोग आपके हाथों की तरीफ करें, तो इसके लिए आपको उनका खास खयाल रखने की जरूरत होती है।

आसान है देखभाल: हाथों की सही केयर कोई मुश्किल काम नहीं है और हैंडवॉश तथा माइश्चराईजिंग का डेली सिम्पल रूटीन काफी है तथा जरूरत होने पर नाखूनों की ट्रिमिंग की जानी चाहिए। आपके हाथों को साफ रखने के लिए सोप बार और लिक्विड क्लींजर्स समान रूप से अच्छे हैं लेकिन अपने नाखून और अंगुलियों को स्क्रब करना मत भूलें जिससे नाखूनों के नीचे मैल न रहे।

फिंगरनेल ब्रशेज से निकालें नाखूनों की मैल: फिंगरनेल ब्रशेज नाखूनों को अच्छी तरह साफ करते हैं। सप्ताह दो सप्ताह में अपने नाखूनों की ट्रिमिंग भी करते रहें। इसे करते समय सावधानी बरतें कि क्यूटिकल्स न कटने पाएं जो नेल बेड की सुरक्षा करते हैं इसके बजाय अपने नाखूनों के नेचुरल कर्व को फॉलो करें।

पिगमेंटेशन होने पर क्या करें: हाथों पर पिगमेंटेशन डेवलप होने से वे एजिंग के संकेत प्रदर्शित कर सकते हैं इसलिए मॉइश्चराईजर के अलावा अपने हाथों को डैमेज होने से बचाने के लिए सनस्क्रीन का उपयोग करना चाहिए।

मैनीक्योर से संवारें हाथ: हर महीने मेनीक्योर करवाया जा सकता है। इससे न केवल हाथ संवरते हैं बल्कि आपकी ओवरऑल एपीयरेंस और हाइजीन का स्तर भी सुधरता है।

टमाटर का रस: हाथ बहुत ही रूखे हैं, तो 1 टमाटर और नींबू का जूस निकाल कर अच्छी तरह मिला लें। इसमें अच्छी तरह ग्लिसरीन मिलाकर पेस्ट बना लें। पांच मिनट अपने हाथ अच्छी तरह धो लें।

अंडे की सफेदी: कटोरी में अंडे का सफेद हिस्सा, आधा चम्मच शहद, 1 चम्मच बार्ली पाउडर, 1 चम्मच ग्लिसरीन को अच्छी तरह से मिलाकर हाथ पर लगा लें। थोड़ी देर बाद अपने हाथ धो लें। इससे आपके हाथ पर जमा गंदगी साफ हो जाएगी। और आपके हाथ चमक उठेंगे।

गुलाब जल और ग्लिसरीन: 1/3 कप ग्लिसरीन और 2/3 कप गुलाबजल को मिला लें। इसे बोतल में भर कर फ्रिज में रख दें। कुछ काम करने के बाद हाथ रूखे लगें तो इससे हाथों की मसाज करें। इससे आपके साथ स्वच्छ और सेहतमंद रहेंगे।

नींबू का रस: नीबू का रस 1 बड़ा चम्मच, चीनी 1 छोटा चम्मच में थोड़ा सा पानी मिलाकर इसका पेस्ट बना लें। इस मिश्रण को हाथों पर 5 मिनट के लिए लगा कर छोड़ दें। फिर हाथों को गुनगुने पानी से साफ कर लें। हमारे हाथों में ऑयल ग्लैड्स कम होते हैं, इसलिए हाथ, विशेषकर सर्दियों के मौसम में रुखे हो जाते हैं। घर के काम जैसे कपड़े और बरतन आदि धोते रहने से भी हालत खराब हो जाती है। ऐसे में हमें हाथों को नियमित तौर पर एक्सफोलिएट और मॉइश्राइज करते रहना चाहिए।

शिशु को जानने के लिए समझें उनके इशारे

जन्म के बाद नवजात शिशु अपनी मां की गोद में खुद को सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करता है लेकिन कभी-कभी मां के मन में इस बात को लेकर आत्मविश्वास की कमी दिखाई देती है कि वह अपने बच्चे का पालन-पोषण सही ढंग से कर रही हैं या नहीं? क्योंकि बच्चे का पहला साल ऐसा होता है, जिसमें उसकी विशेष देखभाल की जरूरत होती है। इस उम्र में बच्चे को दूध पिलाने, उसे नहलाने, मालिश और उसकी नैपी बदलते समय काफी सावधानी बरतनी पड़ती है ताकि आपका बच्चा हमेशा स्वस्थ और हंसता-खिलखिलाता रहे। शिशु की उचित देखभाल के लिए जरूरी है कि माताएं उनकी जरूरत को पहचानें। छोटे बच्चें रो कर अपनी जरूरतों के बारे में बताते हैं ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शिशु की आदतों को जानें।

रोने पर दें ध्यान

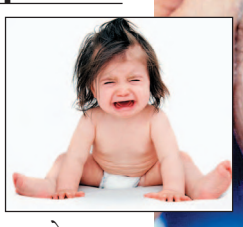

नवजात शिशुओं में यह स्वाभाविक क्षमता होती है कि वे आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बार-बार रोते हैं। दरअसल शिशु रोकर ही आपके साथ अपना संवाद स्थापित करता है और इस उम्र में बच्चे में इतनी समझ नहीं होती कि वह अपनी जरूरतों की प्राथमिकता को पहचान सके। इसलिए उसे जब भी कोई बात नापसंद होती है तो वह सिर्फ रोता है। आमतौर पर जब भी बच्चे को भूख लगती है, उसकी नैपी गीली होती है, जब वह कोई नया चेहरा देखता है, जब कोई नई आवाज सुनता है, जब उसे बड़ों द्वारा गोद में उठाए जाने की मुद्रा पसंद नहीं आती या फिर उसे कोई भी बात नापसंद होती है तो वह रोकर ही अपना विरोध प्रदर्शित करता है। कभी-कभी बच्चे थकान की वजह से भी रोते हैं।

नैपी चेक करें

अगर आपका बच्चा गहरी नींद से चौंक कर जागने के बाद रोने लगे तो सबसे पहले आप उसकी नैपी चेक करें कि कहीं वह गीलेपन की वजह से तो नहीं रो रहा। फिर आप उसकी गर्दन छूकर देखें कि कहीं उसकी गर्दन से पसीना तो नहीं आ रहा क्योंकि कई बार बच्चे गर्मी

की वजह से भी रोते हैं। ये कुछ ऐसे सामान्य कारण हैं, जिन्हें आप आसानी से पहचान कर यह अंतर समझ सकती हैं कि आपका बच्चा किस कारण से रो रहा है।

सावधानी है जरूरी

जन्म के बाद शुरुआती छह महीने में बच्चे बहुत जल्दी-जल्दी नैपी गीला करते हैं। इसलिए इस उम्र में हर-एक घंटे के बाद बच्चे की नैपी को चेक करके जरूर बदलना चाहिए। थोड़ी-थोड़ी देर में बच्चे की नैपी बदलना भले ही थका देने वाला काम है पर बच्चे को नैपी रैशेज से बचाने के लिए ऐसा करना बहुत जरूरी है। नैपी बदलने से पहले आप साफ नैपी, कॉटन वूल और बैरियर क्रीम ये सारी जरूरी चीजें बच्चे के पास रख लें, उसके बाद ही बच्चे की नैपी बदलें। नैपी बदलते समय आप इन बातों का मालिश से न केवल बच्चे के शरीर को आवश्यक पोषण मिलता है बल्कि उसके शरीर की कसरत भी होती है। साथ ही मां के हाथों का प्यार भरा स्पर्श बच्चे को सुरक्षा का अहसास दिलाता है। इसलिए बच्चे के लिए मालिश बहुत जरूरी है और रोजाना बच्चे को नहलाने से पहले उसकी मालिश जरूर करनी चाहिए। बच्चे की मालिश करने का सबसे सही तरीका यह है कि आप जिस कमरे में बच्चे की मालिश करने जा रही हैं, उसकी खिड़कियां और दरवाजे अच्छी तरह बंद कर दें ताकि बाहर की हवा से बच्चे को ठंड न लगे। फिर आप अपने पैर फैलाकर बच्चे को अपने दोनों पैरों के बीच लिटाएं और अपने हाथों में बेबी ऑयल लगा कर बच्चे की मालिश शुरू करें। मालिश की शुरुआत हमेशा बच्चे के पैरों से करें। फिर हलके हाथों से उसके पेट और छाती की मालिश करें। उसके बाद बच्चे को पेट के बल उलटा लिटाकर उसकी पीठ और कमर की मालिश करें और सबसे अंत में बच्चे के सिर की मालिश करें।

मालिश के बाद नहलाएं

हर मौसम में बच्चे की मालिश करने के बाद उसे प्रतिदिन नहलाना चाहिए। बच्चे को नहलाने के लिए पहले उसके नहाने से संबंधित सारा जरूरी सामान जैसे बेबी सोप, शैंपू, तौलिया, बच्चे के कपड़े और बाथ टब को एक जगह एकत्र करके फिर बच्चे को नहलाना शुरू करना चाहिए। बच्चे को नहलाने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना चाहिए।

जीवन के लिए संजीवनी है कपालभाती

योग की हर क्रिया कारगर होती है, लेकिन बात जब कपालभाती प्राणायाम की होती है तो इसे जीवन की संजीवनी कहा जाता है। कपालभाती प्राणायाम को सबसे कारगर माना जाता है। कपालभाती प्राणायाम को हठयोग में शामिल किया गया है। योग के आसनों में यह सबसे कारगर प्राणायाम माना जाता है। यह तेजी से की जाने वाली एक रोचक प्रक्रिया है। दिमाग आगे के हिस्से को कपाल कहते हैं और भाती का अर्थ ज्योति होता है। कपालभाती प्राणायाम करने के सही तरीके और इससे होने वाले फायदों के बारे में हम आपको बताते हैं।

कैसे करें यह आसान

कपालभाती प्राणायाम करने के लिए सिद्धासन, पद्मासन या वज्रासन में बैठकर सांसों को बाहर छोड़ने की क्रिया करें। सांसों को बाहर छोड़ने या फेंकते समय पेट को अंदर की तरफ धक्का देना है। ध्यान रखें कि सांस लेना नहीं है क्योंकि उक्त क्रिया में सांस अपने आप ही अंदर चली जाती है। कपालभाती प्राणायाम करते समय मूल आधार चक्र पर ध्यान केंद्रित करना होता है। इससे मूल आधार चक्र जाग्रत होकर कुंडलिनी शक्ति जागृत होने में मदद मिलती है। कपालभाती प्राणायाम करते समय ऐसा सोचना है कि हमारे शरीर के सारे नकारात्मक तत्व शरीर से बाहर जा रहे हैं।

इस आसन के फायदे

यह प्राणायाम आपके चेहरे पर कांति यानि चमक लाता है। इससे दांतों और बालों के सभी प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं। शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम होती है खासकर पेट की, यानी यह वजन कम करने में भी कारगर आसन है। इसे अलावा इसके नियमित अभ्यास करने से कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी पेट से संबंधित समस्या भी दूर हो जाती है। कपालभाती प्राणायाम का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है शरीर और मन पर, क्योंकि यह मन से नकारात्मक तत्वों को दूर कर सकारात्मकता लाता है। थायराइड, चर्म रोग, आंखों की समस्या, दांतों की समस्या, महिलाओं की समस्या, डायबिटीज, कैंसर, हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य करना, किडनी को मजबूत बनाने जैसे सभी तरह की समस्याओं को दूर करने की क्षमता होती है। यानी यह एक ऐसा आसन है जो सभी तरह की समस्याओं का उपचार करता है।

थोड़ी सावधानी

- कपालभाती व्यायाम सभी आयु वर्ग के लोग कर सकते हैं, लेकिन जिन लोगों को सांस संबंधी समस्या हो उनको चिकित्सक की सलाह के बाद ही यह आसन करना चाहिए।
- कपालभाती आसन एक ऐसा आसन है जिसमें सभी योगासनों का फायदा मिलता है। इसलिए इसे अपनी दिनचर्या बनायें और निरोग रहें।

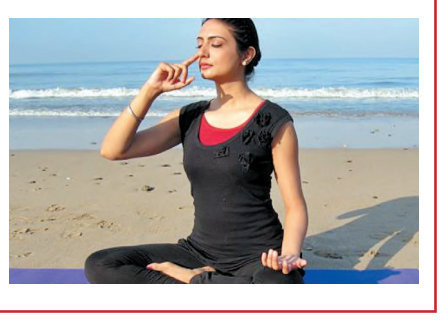

LIFE-STYLE

छोटे-छोटे टिप्स कर सकते हैं जिंदगी में बड़े बदलाव

दाम्पत्य को खुशहाल बनाते बेडरूम में सुंदर चित्र

बेडरूम हमारे घर का बहुत ही खास हिस्सा होता है। कई बार बेडरूम में वास्तु दोष होने से उसका बुरा असर हमारे दांपत्य जीवन पर भी पड़ता है। वास्तु टिप्स का उपयोग हमारे बेडरूम में करें तो दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रह सकती है। ये वास्तु टिप्स इस प्रकार हैं...

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए पलंग के सामने की दीवार पर सुंदर चित्र लगाने चाहिए। सुंदर चित्रों से मन में शांति की अनुभूति होती है और पलंग के सामने दर्पण नहीं होना चाहिए। अगर पलंग के सामने दर्पण होगा तो आप हमेशा परेशान रहेंगे। बेडरूम में पलंग हमेशा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। सोते समय सिर उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं कर सकते तो पश्चिम दिशा में पलंग रखना चाहिए। इस स्थिति में सोते समय मुंह पूर्व की ओर व सिरहाना पश्चिम की ओर रहना चाहिए। पूर्व की ओर व उत्तर की ओर मुंह करके सोना सुखदायक होता है। दक्षिण की ओर मुख करके नहीं सोना चाहिए। दक्षिण की ओर मुंह करके सोने से नींद नहीं आती है ।

दरवाजे से दूरी

बेडरूम में आपका बेड दरवाजे के पास नहीं होना चाहिए यदि ऐसा करेंगे तो चित्त में अशांति व व्याकुलता बनी रहेगी। बेडरूम में खिड़की अवश्य होना चाहिए। सुबह की किरणें बेडरूम में प्रवेश करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। कभी भी मुख्य द्वार की ओर पैर करके न सोएं।

बेड पर सीधे न पड़े प्रकाश

बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल कभी भी खिड़की के सामने न रखें, क्योंकि खिड़की से आने वाला प्रकाश परावर्तित होने के कारण परेशानी उत्पन्न करेगा। पलंग के सामने खिड़की न होकर ठोस दीवार होना चाहिए। बेडरूम में पलंग के दाईं ओर छोटी टेबल आवश्यक वस्तु रखने के लिए रख सकते हैं। बेडरूम में प्रकाश व्यवस्था ऐसी हो कि पलंग पर सीधा प्रकाश नहीं पड़े। प्रकाश सदैव पीछे या बांई ओर से आना चाहिए। मुख्य बेडरूम नैऋत्य (पश्चिम-दक्षिण) कोण में होना चाहिए। मुख्य बेडरूम वह होता है, जिसमें घर का मालिक सोता है। गलत दिशा में बेडरूम होने पर कमरे में राधा-कृष्ण का प्रेममय फोटो लगाएं। ऐसा करने पर कमरे के वास्तु दोष खत्म हो जाएंगे।

रेसिपी

आलू मेथी की टिक्की

सामग्री

2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1/4 कप कटे हुए प्याज, 1 कप उबले और मसले हुए आलू, 1/2 कप कटी हुई मेथी, 3 टी-स्पून कसूरी मेथी, भुनकर क्रश की हुई, 2 टी-स्पून अमचूर, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, नमक स्वादअनुसार, 1/4 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1/4 कप ब्रेड क्रम्ब्स, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हरी मिर्च, अदरक और प्याज डालकर 2-3 मिनट या प्याज के पार्दर्शी होने तक भुन लें। बची हुई सामग्री डालकर अच्छी तरह मिलाएं और 2 मिनट तक भुन लें। आंच से हठाकर मिश्रण को ठंडा करने रख दें। मिश्रण को 8 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग की गोल चपटी टिक्की बना लें। हर टिक्की को ब्रेड क्रम्ब्स् में लपेटकर सभी तरफ से कोट कर लें। मध्यम आंच पर कढ़ाई में तेल गरम करें और टिक्की को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर गरमा गरम परोसें।

एयरोस्पेस मैनेजमेंट में भविष्य की उड़ान

कुछ वर्षों के दौरान ग्लोबल कमर्शियल एयरोस्पेस सेक्टर महत्वपूर्ण विकास का साक्षी रहा है। एयरोस्पेस सेक्टर में हुए इस विकास की बदौलत ट्रेंड मैनेजर्स की जरूरत पैदा हुई है। इसे देखते हुए हाल ही में कनाडा की एचईसी मांट्रियाल ने एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए डिग्री लॉन्च की है ताकि देश-विदेश में एयरोस्पेस सेक्टर में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा सके।

योग्याताएं जरूरी

एयरोस्पेस इंडस्ट्री में अक्सर मैनेजर्स की शुरुआत साइंटिफिक या टेक्निकल बैकग्राउंड से होती है, जिसके पश्चात वे टीम या प्रोजेक्ट मैनेजमेंट पोजीशंस पर पहुंचते हैं, लेकिन इस कार्य के लिए उनमें कुछ विशिष्ट गुण, कौशल तथा योग्यताएं होनी जरूरी होती हैं। एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए उन्हें वह कौशल देगा, जिसकी उन्हीं इस क्षेत्र में सफल होने के लिए जरूरत पड़ेगी। एयरोवर्ल्ड एमबीए नामक यह प्रोग्राम एक वर्षीय कोर्स है, जिसे एयरोस्पेस में महारत रखने वाले ईबीसी एयरोवर्ल्ड इंस्टीट्यूट के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ मिल कर करवाया जाएगा।

बेहतर कॅरियर की संभावनाएं

बोइंग के अनुसार अगले 20 वर्षों के दौरान नए विमानों में से आधे से अधिक की बिक्री चीन तथा भारत जैसे देशों में होगी। नए विमान बनाने में विलम्ब, अनिश्चितता, बड़ा पूंजी निवेश तथा लम्बे समय तक वसूली जैसी बातें जुड़ी होती हैं। ऐसे में एयरोस्पेस इंडस्ट्री को न केवल उच्च दक्षता व कुशलता सहित रणनीतिक दृष्टिकोण वाले इंजीनियर्स व वैज्ञानिक ही नहीं, अच्छी तरह प्रशिक्षित मैनेजर व लीडर्स भी चाहिए। इसलिए एयरोस्पेस मैनेमेंट में एमबीए से आप इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसमें शुरुआती सैलरी 25 से 30 तक हो सकती है। इसे बाद तजुर्बा बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी इजाफा होगा।

पटॅटो सॉन्ग

सामग्री

1 1/2 टेबल-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज, 2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 1/2 कप कटे हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/4 कप इमली का पानी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, सजान के लिए

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, प्याज डालकर, लगातार हिलाते हुए उनके पार्दर्शी होने तक, लगातार हिलाते हुए मध्यम आंच पर भुन लें। लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और धिमी आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। आलू, 11/2 कप पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर आलू के पक जाने तक ढ़ककर पका लें, बीं में एक बार मिला लें। इमली का पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और 5 से 7 मिनट तक धिमी आंच पर उबाल लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिलाजुला रहेगा कही काम बनेंगे कही दिक्कतें आंएगी मिश्रित परिणाम रहेगे. आमदनी ठीक रहेगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर विराम लगाने में आप सफल नहीं हो पाएंगे. दिन–प्रतिदिन के कार्य सुचारू रूप से चलते रहेंगे. कुछ भी काम करने से पहले पर्याप्त पूछताछ करें. काम के लिए लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. गृहस्थी मे हल्का सा तनाव बनेगा लेकिन दिन बदलते ही शान्ति का अनुभव होगा स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन खुशहाल और बहतर रहेगा । छात्रों का पढाई के प्रति मन आकृष्ट होगा। जीवनसाथी के करियर में बदलाव आने से घर में खुशी का माहौल बनेगा.नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा.आप अपने काम में सफल भी होंगे.माता–पिता का सहयोग भी बना रहेगा.शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे.किसी अपने से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है.आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं.गाय को गेहूँ गुड खिलाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज काम का ओवरलोड रहेगा थकावट ज्यादा रहेगी परन्तु काम करने की ताकत और बातचीत बेहतर रहेगी. नए विचार दिमाग में आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए समय पहले से अच्छा हो सकता है. यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं. घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें. दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा.बच्चों के साथ कहीं यात्रा होगी मौसमी बिमारी से सावधानी जरुरी हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज नयी योजना को मूर्तरुप देना उचित होगा भविष्य मे लाभदायक होगी। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इए आज का दिन शुभ है, भाग्य आपका पक्ष लेगा और आपके रुके हुए कार्य प्रगति करेंगे. आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ अतिरिक्त प्रयासों के साथ एक पुराना दिया गया ऋण भी वापिस प्राप्त कर सकते हैं. कोई भी निवेश करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें. विरोधियों को आप परास्त करेंगे आप की ईच्छा शक्ति बलवान रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज छात्रों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे .आपको अपने काम पर पूरा फोकस रखना चाहिए. ऑफिस के किसी काम में आपको अधिक समय लग सकता है. कारोबार में आपको धन लाभ हो सकते हैं.किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा को बदल सकती है.आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं.किसी भी जरुरी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए, शिवमंत्र का जप करें चमेली का दीप प्रज्वलित करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ पुराने मामले सुलझ सकते है परन्तु पहल आप को ही करनी पडेगी . जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है. सरकारी क्षेत्र के अटके कार्य फिर से चल पड़ेंगे. खर्च थोड़ा संभल कर करें. आज आप काम में अधिक व्यस्त रहें. इससे आपको शारीरिक थकान रहेगी. शाम के वक्त पार्क मे ठहलने के लिए निकले बॉडी को रिलैक्स फील होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जांएगे अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए आज अच्छा दिन है. पारिवारिक आय में सुधार होगा और बच्चे प्रत्येक दिशा मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे. परिवार में कुछ सुखद घटनाएं घट सकती हैं. माता की संपत्ति के पक्ष में कानूनी मुद्दे कुछ गति प्राप्त कर सकते हैं. व्यापार में हालात सामान्य रहेंगे. आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है किसी नए व्यक्ति के साथ यात्रा का योग नही हैं भोजन करते समय मौन रहें आप के स्वास्थ्य के लिए जरुरी हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कार्यालय मे माहौल खुशनुमा रहेगा आज के कुछ जरूरी काम पूरे हो सकते हैं.आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा.जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है. आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी.आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं.आपका सामाजिक दायरा अचानक बहुत बढ़ जायेगा.आसपास के लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी. आपको व्यवसाय में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है.दैनिक कार्यों से कुछ समय मिलेगा असहाय लोगों को जरुरत की वस्तु की सेवा करें आत्मीय शान्ति होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन और बुद्धि को स्वच्छ रखें ईष्ट मंत्र का जप करें गजब का उत्साह देखने को मिलेगा. अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना सबसे अच्छा होगा.अगर आप कलाकार हैं तो अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे. घर और काम पर दबाव रहेगा क्रोध और बेचैन बना सकता है. अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव न डालें. यह इसके लिए सही समय नहीं है. आज सुबह पौधों को जल सींचे तुलसी के पास दीप जलाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सुबह माता–पिता का आशीर्वाद लेकर निकले सफलता निकट होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. आप भौतिक सुखों पर व्यय कर सकते हैं. आपकी भाषा शैली काफ़ी प्रभावशाली रहेगी. आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे. परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा. इस अवधि में आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे. आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढ़ेगी. व्यापार का विस्तार भी हो सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. जीवनसाथी के साथ आनंददायी समय बीतेगा, बच्चों पर अधिक दबाव मत बनाए कुछ छूट देना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप पीपल वृक्ष का रोपण करें वंशवृद्धि होगी । आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा.जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं.आपको किस्मत का पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा.अधिकारियों से आपको मदद मिलेगी.आप व्यापार में किसी से साझेदारी कर सकते हैं. परिवार वालों का हंसी–मजाक घर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा.गौशाला मे बच्चों के साथ जाए अपने हाथों से सेवा करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को बहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक तला हुआ अधिक मीठा भोजन का त्याग करना होगा । कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का साथ मिलेगा. शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी. आप को मित्रों के रुके हुए काम अपनी क्षमता पर पूरे करने पड़ेंगे रिश्ता और मजबूर होगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 29 मार्च 2025, शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 04:29 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 07:27 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 10:02 तक
करण : चतुष्पाद प्रात: 06:15 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य शनैश्चरी अमावस्या, मन्वादि तिथि , गण्डमूल रात्रि 07:28 से, चान्द्रवर्ष संवत् 2081 पूर्ण

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने अटल ई–गवर्नेंस स्टेट अवार्ड से के.के. पाठक को किया सम्मानित

भीलवाड़ा/जयपुर, 28 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास हमारे लिए सुशासन का मंत्र है। विकास और सुशासन के इस संकल्प में जनता का साथ हमारी ताकत है। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान को एक समृद्ध और विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं।

शर्मा शुक्रवार को भीलवाड़ा में राजस्थान दिवस कार्यक्रम के तहत आयोजित विकास एवं सुशासन उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान के एकीकरण में अपना अमूल्य योगदान देने वाली महान विभूतियों को, विशेष रूप से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी को नमन करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों के कारण ही राजपूताना की रियासतों का एकीकरण संभव हो सका। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब से हर साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर ही राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय किया है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं के दिशा–निर्देश जारी करने के साथ ही 10 हजार करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का

लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने नगरीय विकास विभाग से संबंधित डेलीगेशन के आदेश, फायर एनओसी प्राप्त करने की प्रक्रिया के सरलीकरण, नए जिलों में डीएमएफटी के गठन, हरित अरावली विकास परियोजना, अन्नपूर्णा भण्डार, रजिस्ट्रार कार्यालय सप्ताह में 2 दिन सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक खुलने के दिशा–निर्देश जारी किए। इस अवसर पर सभी जिलों की पंचगौरव पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इससे स्थानीय क्षमताओं और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि पत्रकार हमारे लोकतंत्र के प्रहरी और चौथा स्तंभ हैं। विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने में उनकी भूमिका अहम है। उनके श्रम और समर्पण को सम्मान देते हुए हमारी सरकार ने पत्रकार हेल्थ कवरेज (आरजेएचएस) योजना का शुभारंभ किया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा–ाओं को बेहतर करने के लिए चिकित्सा ऐप लॉन्च किया गया है। इससे मरीज घर बैठे मोबाइल से अपॉइंटमेंट ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना के आज जारी हुए दिशा–निर्देश शहरों को और अधिक समृद्ध और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के शासन में महिला उत्पीड़न, पेपर लीक की घटनाएं, बिजली की किल्लत, जल जीवन मिशन में घोटाले, ईआरसीपी के नाम पर राजनीति एवं आर्थिक कुप्रबंधन जैसे मामलों से प्रदेश अराजकता और अव्यवस्था की गिरफ्त में रहा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में केवल जनता को दिखाने के लिए इन्वेस्टमेंट समिट किया था। जबकि हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, क्योंकि हमारी मंशा इन एमओयू को धरातल पर उतारना है।

आज राजस्थान विकास की पटरी पर तेजी से दौड़ रहा है। हमारी सरकार किसान, युवा, मजदूर, महिला के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। हमने किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने का लक्ष्य रखा है, साथ ही उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न नीतियां जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन में 12 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल, पेपर लीक प्रकरणों में गिरफ्तारी, राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू, राम जल सेतु लिंक परियोजना तथा यमुना जल समझौते जैसे जनता से किए गए प्रत्येक वादे को पूरा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन हमारे देश और प्रदेश की प्रगति की कुंजी है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के अनुसार अच्छा शासन वही है, जो लोगों की आकांक्षाओं और उम्मीदों के अनुसार काम करे। इसी को ध्येय मानते हुए हमारी सरकार आमजन की बेहतरी और कल्याण के लिए काम कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर चित्तौड़गढ़ आलोक रंजन, जिला कलक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह, शासन सचिव कार्मिक के.के. पाठक, महानिदेशक साइबर क्राइम शरद कविराज, महानिदेशक बीकानेर रेंज ओमप्रकाश को अटल ई–गवर्नेंस स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया।

कार्यक्रम में प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास वैभव गालरिया सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। वहीं, विभिन्न जिलों से जनप्रतिनिधि एवं लाभार्थी वीसी के माध्यम से जुड़े।

निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रिया में रचनात्मक सुधार के लिए सुझाव मांगे : महाजन

जयपुर, 28 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने देश में चुनाव प्रक्रिया को मौजूदा संवैधानिक ढ़ांचे की सीमाओं में प्रचलित प्रावधानों और कानूनों के तहत अधिक व्यवस्थित, मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए कवायद शुरू की है. इस क्रम में चुनावी प्रक्रिया के महत्वपूर्ण हितधारक राजनीतिक दलों से रचनात्मक सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य–स्तरीय राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ राज्य–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे. उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देश पर राज्य भर में विधानसभा क्षेत्र और जिला स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जा चुकी हैं. इस बैठकों में प्राप्त सभी स्तर के सुझावों को आयोग को भेजा जाएगा, जिस पर सकारात्मक कार्यवाही की जा सकेगी. मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने बताया कि निर्वाचन आयोग के अनुसार निर्वाचन विभाग ने प्रदेश भर में स्थानीय स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विचार–विमर्श का दौर पूरा कर लिया है. इस क्रम में, 20 मार्च तक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की अध्यक्षता में सभी विधानसभा क्षेत्रों के स्तर पर बैठकें आयोजित हुई हैं, जिनमें राजनीतिक दलों के कुल 921 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. इसी प्रकार, सभी 33 जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) के स्तर 25 मार्च बैठकें हुईं, जिनमें 182 राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की. उन्होंने बताया कि इन बैठकों में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं. महाजन ने सभी दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे मतदान केंद्र के स्तर तक सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपने–अपने दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नामित करें और उनकी सूचियां सम्बंधित चुनाव अधिकारियों को उपलब्ध करवाएं. उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति चुनाव के समय मतदान और मतगणना के अतिरिक्त हर समय स्थानीय चुनाव अधिकारी (बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ)) के साथ समन्वय पर मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन करने आदि कार्यों में महत्व–पूर्ण एवं सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बैठकों में विचार–विमर्श के दौरान मतदाता पहचान–पत्र को आधार कार्ड से लिंक करने, बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को निर्वाचन विभाग के माध्यम प्रशिक्षित करवाने, घुमंतू परिवारों के सदस्यों के नाम मतदाता के रूप में रजिस्टर करने के लिए विशेष शिविर आयोजित करने, मतदाता सूचियों की रंगीन प्रतियां उपलब्ध करवाने और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूचियों में शामिल करने के लिए आधार पहचान–पत्र का डाटा फेच करने जैसे सुझाव प्राप्त हुए हैं।महाजन के अनुसार, आयोग को इन बैठकों के विषय में तथ्यात्मक रिपोर्ट 31 मार्च तक आयोग को भेजी जाएगी।

आरटीआई की 15 दिन में सूचना नहीं दी तो जेडीए अफसर सजा भुगतने को तैयार रहें : मुख्य सूचना आयुक्त

जयपुर, 28 मार्च (एजेंसियां)। सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई सूचनाएं उपलब्ध नहीं कराए जाने के लिए राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त एम. एल. लाठर ने शुक्रवार को जेडीए अधिकारियों को जोरदार फटकार लगाई। आयुक्त ने कहा कि परिवादी को 15 दिन के अंदर मांगी गई समस्त सूचना की प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध कराई जाए। प्रकरण की अगली सुनवाई 22 अप्रैल, 2025 को तय की गई है।

गिरिराज अग्रवाल बनाम लोक सूचना अधिकारी जेडीए प्रकरण की सुनवाई करते हुए मुख्य सूचना आयुक्त ने जेडीए की ओर से प्रस्तुत किए गए जवाब को अमान्य कर दिया। मुख्य सूचना आयुक्त लाठर ने कहा कि जेडीए ने जवाब में संबंधित प्रकरण की फाइल 9 जनवरी, 2025 को राज्य सरकार को भिजवाया जाना बताया है, जबकि आयोग ने इस मामले में फैसला 27 जून, 2024 को ही सुना दिया था कि प्रार्थी को सूचना उपलब्ध कराई जाए। इस तरह 6 माह से अधिक समय तक फाइल जेडीए में ही रही, फिर आयोग के फैसले का पालन क्यों नहीं किया गया।मुख्य सूचना आयुक्त लाठर ने कहा कि प्रकरण के तथ्यों को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि इसमें बदमाशी हुई है। लेकिन, जब कोर्ट की कार्यवाही चल रही है तो फाइल मंत्री अथवा राज्य सरकार के पास लंबित होने के कारण सूचना दिया जाना संभव नहीं बताकर जेडीए जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। उन्होंने जेडीए के अधिकारी को स्पष्ट तौर पर चेताया कि यदि आगामी 15 दिन में आयोग के फैसले का पालन नहीं किया गया तो संबंधित अधिकारियों को सजा भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।बता दें कि प्रार्थी गिरिराज अग्रवाल द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जेडीए के जोन संख्या 1 से दो बिंदुओं पर सूचना मांगी गई थी।

अपर्णा संस्थान विधेयक : स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी के जन कल्याण कार्यों को आगे बढ़ाएगी सरकार : सैनी

चंडीगढ़, 28 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि उनकी सरकार द्वारा विधानसभा में लाए गए अपर्णा संस्थान विधेयक का उद्देश्य स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी के जन कल्याण के विचारों को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान की भूमि पर पहले से ही एक योगा आश्रम बना हुआ है और स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी यहाँ लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराना चाहते थे। इसलिए सरकार ने इस आश्रम का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर उनके जन कल्याण के सपने को साकार करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सैनी ने हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधेयक पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार केंद्र सरकार के किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं कर रही है, बल्कि सभी प्रक्रियाएं उनके अधीन रहकर ही पूरी की जा रही हैं।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू ने इफ्तार पार्टी में दी रमजान और ईद की शुभकामनाएं

चंडीगढ़, 28 मार्च (एजेंसियां)। रमजान के पवित्र माह में अलविदा जुम्मे के शुभ अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने चंडीगढ़ के होटल हयात सेंट्रिक में हरियाणा राज्य हज समिति के अध्यक्ष चौधरी मोसिन रज्जा द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में भाग लिया। इस आयोजन में कई प्रमुख हस्तियों और मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया, जो एकता और सौहार्द की भावना को दर्शाता है। अपने संबोधन के दौरान, राज्यपाल ने मुस्लिम समुदाय को रमजान और आगामी ईद–उल–फितर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी, साथ ही इन अवसरों के आध्यात्मिक विकास और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने में महत्व पर बल दिया।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा कि रमजान इस्लाम में एक विशेष स्थान रखता है और यह श्रद्धा व भक्ति का महीना है। उन्होंने बताया कि यह वह समय है जब दुनियाभर के मुसलमान रोजा रखते हैं, नमाज अदा करते हैं और अल्लाह को याद करके अपने मन और शरीर को शुद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि रमजान केवल भोजन से परहेज करने का समय नहीं है। यह आत्म–अनुशासन, चिंतन और आध्यात्मिक शुद्धता का दौर है। उन्होंने इस्लाम के पांच स्तंभों– शहादा (विश्वास), सलाह (नमाज), जकात (दान), स्वाम (रोजा), और हज (तीर्थयात्रा)– का जिक्र करते हुए इनके मुसलमानों के जीवन को मार्गदर्शन देने में महत्व को रेखांकित किया।

भरतपुर : भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे महाराजा सूरजमल बृज विवि के पहले कुलगुरु प्रो. रमेश चंद्र निलंबित

भरतपुर, 28 मार्च (एजेंसियां)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रमेश चंद्र को भ्रष्टाचार और अवैध नियुक्तियों के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है। संभागीय आयुक्त की जांच रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए, जिसके बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने यह निर्णय लिया। राज्य सरकार ने हालही बदलाव कर यूनिवर्सिटी के कुलपित या वाइस चांसलर को कुलगुरु नाम दिया है।भरतपुर के प्रतिष्ठित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय में प्रशासनिक अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते कुलगुरु प्रो. रमेश चंद्र को निलंबित कर दिया गया है। संभागीय आयुक्त भरतपुर की रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि कुलपति ने विश्वविद्यालय में नियुक्तियों के दौरान अवैध प्रक्रियाओं को अपनाया और वित्तीय अनियमितताएँ कीं।छात्र संगठनों ने इन अनियमितताओं के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन किया और राज्यपाल को कई शिकायतें भेजीं। 1 जनवरी 2025 को संभागीय आयुक्त को मामले की जांच के आदेश दिए गए थे, जिसकी रिपोर्ट 18 मार्च को प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि कुलपति द्वारा नियमों की अनदेखी कर नियुक्तियाँ की गईं और विश्वविद्यालय प्रशासन में भ्रष्टाचार की शिकायतें सत्य पाई गईं।इससे पहले, डीग स्थित विश्वविद्यालय परिसर में एक पूर्व छात्र नितेश चौधरी और प्रो. रमेश चंद्र के बीच विवाद हुआ था, जिसमें एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कुलपति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

हरियाणा को मिला अपना राज्य गीत, जय–जय–जय हरियाणा ध्वनिमत से स्वीकृत

चंडीगढ़, 28 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा ने जय–जय–जय हरियाणा को आधिकारिक रूप से राज्य गीत के रूप में मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को विधानसभा में राज्य गीत चयन समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह यादव ने समिति की रिपोर्ट पेश की, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। इस अवसर पर सदन में राज्य गीत सुनाया गया, जिसकी सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने सराहना की। समिति ने हरियाणा के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, भौगोलिक संरचना और विकास यात्रा को ध्यान में रखते हुए गीत का चयन किया। गीत की विषयवस्तु, अर्थ, भाव और लय को संगीत के मानकों पर परखा गया। हरियाणवी बोली के गायकों की सहजता और राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर गीत की प्रभावशीलता को भी ध्यान में रखा गया।

गीत में वैदिक काल की संस्कृत, हिंदी और हरियाणवी शब्दों का संतुलित प्रयोग किया गया है। इसमें हरियाणा की संस्कृति, भाईचारे, शिक्षा, व्यापार, किसानों, सैनिकों और खिलाड़ियों के योगदान को दर्शाया गया है।समिति की अध्यक्षता विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने की।

समिति में विधायक गीता भुक्कल, विनोद भ्याना, बलवान सिंह दौलतपुरिया और आदित्य देवीलाल सदस्य थे। गीत डॉ. बाल किशन शर्मा ने लिखा है, डॉ. श्याम शर्मा ने गाया है, पारस चोपड़ा ने संगीत दिया है और मालविका पंडित ने निर्देशन किया है।विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने गीत के गायन के मापदंड तय करने के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका हाइकोर्ट से खारिज

लागू रहेगा जारी रिजल्ट

पटना (एजेंसियां)।

बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका पटना हाइकोर्ट ने खारिज कर दी है। अब पूर्व में जारी किया गया रिजल्ट लागू रहेगा। इससे पहले कुछ शर्तों के साथ बिहार लोक सेवा आयोग ने गुरुवार को 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम जारी किया था। उसमें शर्तें थीं कि एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बन्धित माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दायर याचिका सीडब्ल्यूआईसी- 369/2025 में पारित आदेश के फलाफल से परीक्षा परिणाम प्रभावित होगा। साथ ही जिन अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा प्रतिवारित किया गया है और भविष्य में प्रतिवारित किया जाना है उनकी भी अभ्यर्थिता प्रभावित होगी। लेकिन कोर्ट से अब आए फैसले ने सभी शर्तों को खत्म कर दिया है और रिजल्ट पहले वाला ही लागू रहेगा।

दरअसल, बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा हंगामे के कारण विवादों में आ गई थी। पटना के एक परीक्षा केंद्र की तस्-वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद हंगामे ने पैर पसारना शुरू किया। आयोग ने उस परीक्षा केंद्र पर पुनर्परीक्षा ले ली, लेकिन वह हंगामा शांत नहीं हुआ। बीपीएससी अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र में देर से प्रश्नपत्र देने, परीक्षा कक्ष में प्रश्नपत्रों के कम-ज्यादा होने, एक-दूसरे रूप में

खुले में ले जाए जाने, परीक्षा के दौरान उत्तरपुस्तिका छीन-झपट जैसे मुद्दों को जोड़ते हुए पेपर लीक तक का आरोप लगाया था।

इन आरोपों के साथ परीक्षार्थियों का हंगामा शुरू तो छोटे स्तर पर हुआ, लेकिन फिर राजनीति के दिग्गजों का घुसना शुरू हुआ और मामला बढ़ता गया। पहले विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव घुसे। फिर निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव। उसके बाद कमान संभाल ली जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने। इस क्रम में दो बार पुलिस से आंदोलनकारियों की झड़प भी हुई। कई कोचिंग संचालकों पर प्राथमिकी भी। अब तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना आने पर बीप-ीएससी आंदोलनकारियों के साथ खड़े होकर गए हैं। इन नेताओं में प्रशांत किशोर ने दो बड़े काम किए। एक तो उन्होंने लंबी भूख हड़ताल की और दूसरी कि हाईकोर्ट में परीक्षार्थियों से एक याचिका दायर करवा दी। बीपीएससी ने जो शर्तें लिखी हैं, उसके पीछे यही याचिका वजह है।

शेखपुरा के पप्पू कुमार, पूर्वी चंपारण के संदीप कुमार सिंह, गया के रवीश कुमार राज, रोहतास के हिमांशु राज, मुजफ्फरपुर के सुभाष कुमार ठाकुर, दीपक कुमार व दीपशिखा, खगड़िया की खुशी कुमारी, नालंदा के गौतम कुमार व सत्यम राज, औरंगाबाद के राजन कुमार तिवारी, सुपौल के चंदन कुमार, पटना के विवेक कुमार और अररिया के आकाश आनंद ने सामूहिक रूप से यह याचिका (सीडब्ल्यूआईसी-369/2025) दायर की थी। यह 14 नाम हाई कोर्ट में सामने से हैं, जबकि प्रशांत किशोर और उनका राजनीतिक दल- जन सुराज इसके साथ अंदर से खड़ा है।

बिहार के मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव, बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार लोक सेवा आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को इसमें परिवादी बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरीय अधिवक्ता वाई वी गिरी हाईकोर्ट में जिरह कर रहे हैं। आंदोलन अभी भी चल रहा है, लेकिन ठंड के साथ थोड़ा ठंडा पड़ा है। गुरुवार को परिणाम आने के कुछ घंटे पहले भाजपा दफ्तर में आंदोलनकारियों ने कुछ देर के लिए हंगामा किया, लेकिन बाकी समय शांति ही रह रही। वजह यह भी है कि हाईकोर्ट ने 31 जनवरी को सुनवाई की अगली तारीख देने के साथ ही स्पष्ट किया था कि याचिकाकर्ता की अपील पर कोई अंतरिम राहत नहीं दी जाएगी, लेकिन आयोग अगर रिजल्ट जारी करता है तो वह औपबंधिक होगा। यही परिणाम आज आया है, लेकिन यह पूरी तरह से हाईकोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा। अगर याचिकाकर्ताओं की दलील खारिज हो जाती है तो बीपीएससी की ओर से गुरुवार को जारी परिणाम लागू रह जाएगा और हाईकोर्ट का नजरिया भी आंदोलनकारियों की अपील के साथ गया तो यह परिणाम रद्द हो जाएगा। मतलब, पास होने वाले 21581 अभ्यर्थी पास होकर भी पेंडिंग रिजल्ट वाली स्थिति में हैं, जबकि असफल रहे 307409 अभ्यर्थियों को यह मौका बचाने के लिए पटना हाईकोर्ट से अंतिम उम्मीद है।

ढाका विधायक बने कारा सुधार समिति के सभापति

चुनाव से पहले एनडीए का जातीय समीकरण साधने की कोशिश

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी के ढाका विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक पवन कुमार जायसवाल को बिहार विधानसभा के कारा सुधार समिति का सभापति नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल एक अप्रैल 2025 से 17वीं बिहार विधानसभा के कार्यकाल तक रहेगा। इस नियुक्ति को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और एनडीए की रणनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे वैश्य समाज को पार्टी के पक्ष में लामबंद किया जा सके।

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष ने कारा सुधार समिति का गठन किया है, जिसमें राज्य के सात विधायकों को सदस्य बनाया गया है। इस समिति का सभापति ढाका विधायक पवन कुमार जायसवाल को नियुक्त किया गया है। जायसवाल भाजपा के फायर ब्रांड नेता माने जाते हैं और उनकी राजनीतिक सक्रियता को देखते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के अन्य सदस्यों में प्रमोद कुमार सिन्हा, मोहम्मद अंजार नईमी, मीणा कुमारी, श्यामबाबू यादव, राम विशुन सिंह और मुरारी प्रसाद गौतम शामिल हैं।

यह समिति बिहार की जेलों के बजट आवंटन और खर्च की

समीक्षा करेगी। इसके अलावा कैदियों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं, उनकी आजीविका और जेलों में आपूर्ति की जाने वाली सामग्री की भी समीक्षा की जाएगी। समिति का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य कैदियों के साथ होने वाले व्यवहार की निगरानी और उसमें सुधार लाने के लिए आवश्यक कदम उठाना होगा।

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा ने पवन कुमार जायसवाल को कारा सुधार समिति का सभापति बनाकर वैश्य समाज को साधने की रणनीति अपनाई है। जायसवाल स्वयं वैश्य समुदाय से आते हैं, जो बिहार के कई हिस्सों में भाजपा का पारंपरिक समर्थक माना जाता है। ऐसे में यह नियुक्ति भाजपा और एनडीए के जातीय समीकरण को मजबूत करने की एक महत्वपूर्ण रणनीति हो सकती है।

विधायक पवन कुमार जायसवाल को कारा सुधार समिति का सभापति बनाए जाने के बाद उन्हें बधाई देने वालों की लाइन लग गई। उन्हें बधाई देने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद राधामोहन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, सांसद लवली आनंद, मंत्री कृष्णनंदन पासवान, विधायक सुनील मणि तिवारी, प्रमुख किरण चौधरी, प्रमुख प्रतिनिधि उपेंद्र जायसवाल और आकाश जायसवाल सहित कई बड़े नेता शामिल हैं।

बिहार में राजस्व और रोजगार का उत्प्रेरक बनेगा मखाना बोर्ड

किसानों और उद्यमियों को होगा व्यापक लाभ

पटना (एजेंसियां)।

उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा मखाना बोर्ड के गठन की दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा की गई। इस बैठक में सचिव कृषि संजय कुमार अग्रवाल, सचिव लघु जल संसाधन संदीप कुमार पुडकलकट्टी, निदेशक उद्यान अभिषेक कुमार, बिहार कृषि विश्वविद्यालय के वरीय वैज्ञानिक, एपीडा के प्रतिनिधि ने भाग लिया।

मंत्री ने कहा कि मखाना बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार से वार्ता की जाए। मखाना बोर्ड

के उपाध्यक्ष पद पर बिहार राज्य के प्रतिनिधि को नामित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाय। मखाना बोर्ड के बजट का 50 प्रतिशत हिस्सा मखाना उत्पादन से सम्बन्धित घटकों के लिए उपयोग किया जाय। उन्होंने कहा कि मखाना बोर्ड के गठन से हमारे अन्नदाता किसानों, उद्यमियों और छोटे व्यवसायियों को प्रोत्साहन मिलेगा। बोर्ड के गठन से मखाना की खेती को गैर परंपरागत क्षेत्रों में तो बढ़ावा मिलेगा ही।

साथ ही मखाना उद्यम का पूरा इकोसिस्टम विकसित करने में मदद मिलेगी।

सिन्हा ने निर्देश दिया कि मखाना आधारित फसल चक्र को प्रोत्साहित किया जाए। ताकि मखाना उत्पादक किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। इस बाबत किसानों को उभरते कृषि तकनीकों और मार्केटिंग पद्धति के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी विकसित होनी चाहिए। किसानों की आय सुरक्षा के लिए मखाना को न्यूनतम समर्थन मूल्य बास्केट में शामिल करने पर भी विचार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में गुणवत्ता एवं प्रमाणन काफी अहम हो गया है। लिहाजा हम इस दिशा में भी ठोस पहल करने जा रहे हैं। मखाना के जैविक उत्पादन के साथ ब्रांडिंग पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया, ताकि प्रीमियम और अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि मखाना प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने, आयुर्वेद के साथ जोड़ा जाय।

जल्द होगा तीन राज्यों से सांस्कृतिक समझौता

एक भारत, श्रेष्ठ भारत को मिलेगा नया आयाम

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय को बढ़ावा देने में एक कदम आगे बढ़ाते हुए बिहार सरकार जल्द ही तीन राज्यों के साथ एक सांस्कृतिक समझौता करने जा रही है। इससे संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तैयारी है।

यह पहल एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत हो रही है, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित और प्रोत्साहित करना है।

बता दें कि दिसंबर 2024 में एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत बिहार और उत्तर प्रदेश के

बीच सांस्कृतिक साझेदारी का करार हुआ था। इस पहल का उद्देश्य दोनों राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करना है।

इस समझौते के तहत अगले तीन वर्षों तक बिहार और उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सहयोग करेंगे। हाल ही में बिहार दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने बिहार में अपनी प्रस्तुति दी और लोगों का मन मोह लिया। गौरतलब है कि इससे पहले बिहार के कलाकार भी उत्तर प्रदेश दिवस में हिस्सा ले चुके हैं।

इस साझेदारी के तहत लोक संगीत, नृत्य, नाटक, प्रदर्शनियों और संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों के लिए विशेष कला प्रतियोगिताएं होंगी और सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित पुस्तकें स्कूल-कॉलेजों में वितरित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों का प्रसारण टेलीविजन और रेडियो पर भी होगा, जबकि प्रचार सामग्री में दोनों राज्यों के प्रतीक चिह्नों का इस्तेमाल किया जाएगा।

जिंदा महिला के नाम पर बना दिया मृत्यु प्रमाण पत्र, पिता पर फर्जीवाड़े का आरोप

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के मुंगेर जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक जीवित महिला के नाम पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। अब महिला खुद को जिंदा साबित करने के लिए अपने पति के साथ नगर परिषद हवेली खड़गपुर के दफ्तरों के चक्कर लगा रही है। इस मामले में महिला के पिता पर फर्जीवाड़े का आरोप लगा है।

दरअसल, नगर परिषद हवेली खड़गपुर ने 16 नवंबर 2024 को यह प्रमाण पत्र जारी किया था। जब महिला को इस धोखाधड़ी की जानकारी मिली, तो वह अपने पति के साथ न्याय की गुहार लगाने के लिए प्रशासन के पास पहुंची। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) राजीव रोशन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जानकारी के मुताबिक, यह

मामला हवेली खड़गपुर प्रखंड के महकोला गांव से जुड़ा है। यहां के नवल किशोर बिंद के 27 वर्षीय पुत्र आनंद कुमार दिल्ली में रह रहे थे। वहीं, दिल्ली में ही अपने पिता और परिवार के साथ रह रही सत्तन बिंद की 20 वर्षीय बेटी संजना से आनंद की मुलाकात हुई। दोनों के बीच प्यार हुआ और 27 अक्तूबर 2024 को संजना अपने प्रेमी आनंद के साथ घर से चली गई।

इसके बाद 28 अक्तूबर 2024 को दोनों ने दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में प्रेम विवाह कर लिया। इस शादी से संजना का परिवार नाराज था, खासकर उसके पिता सत्तन बिंद। बेटी की शादी से गुस्साए पिता ने खड़गपुर नगर परिषद में जाकर उसकी झूठी मृत्यु दिखाकर प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दे दिया। कुछ महीनों बाद, नगर परिषद ने संजना का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया, जिसमें उसे मृत घोषित कर दिया गया।

संजना और आनंद अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुश थे, लेकिन तभी उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पता चला कि संजना को मृत घोषित कर दिया गया है। जब संजना ने अपना ही मृत्यु प्रमाण पत्र देखा, तो वह सन्न रह गई। इसके बाद वह अपने पति आनंद के साथ नगर परिषद हवेली खड़गपुर पहुंची, जहां अधिकारियों से बात करने पर यह चौंकाने वाला सच सामने आया कि उसके पिता सत्तन बिंद ने ही उसका फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया था। संजना ने अनुमंडल पदाधिकारी खड़गपुर को लिखित शिकायत दी और बताया कि उसके पिता ने नगर परिषद के कर्मचारियों की मिलीभगत से यह फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करवाया।

संजना ने बताया कि फर्जी प्रमाण पत्र के कारण उसे कई जरूरी कामों में परेशानी हो रही है। उसने नगर परिषद कार्यालय के कर्मचारियों और अपने पिता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में जारी मृत्यु प्रमाण पत्र का पंजीकरण संख्या डी-2024:10-90083-0000134 है, जिसे 16 नवंबर 2024 को जारी किया गया था। संजना ने स्पष्ट किया कि वह पूरी तरह से स्वस्थ और जीवित है।

अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन ने मामले पर संज्ञान लेते हुए कहा कि यह एक गंभीर मामला है और इसकी गहराई से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर परिषद के जिन कर्मचारियों ने इसमें मिलीभगत की है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर संजना के पिता दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी और दोषियों को सजा मिलेगी।

फिलहाल संजना अपने जिंदा होने का सबूत लेकर अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रही है, ताकि वह अपनी पहचान वापस पा सके और दोषियों को सजा दिला सके।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार वार्ड सदस्य को कुचला, मौके पर मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के नालंदा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार वार्ड सदस्य की मौत हो गई। शुक्रवार को नूरसराय-नारी पथ पर दरुआरा गांव के पास एक अज्ञात ट्रैक्टर ने बाइक सवार को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया और पुलिस उसकी पहचान में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद नूरसराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान पटना जिले के धनरुआ थाना क्षेत्र के निजामत गांव निवासी दिवंगत गणेश प्रसाद के पुत्र कमलेश कुमार (46) के रूप में हुई। वह अपने ससुराल नूरसराय के चकदाऊदपुर गांव जा

रहे थे, लेकिन रास्ते में ही दरुआ-रा गांव के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

मृतक चकदाऊदपुर निवासी राजेंद्र प्रसाद के दामाद थे। हादसे की खबर मिलते ही ससुरालवालों में कोहराम मच गया। कमलेश कुमार पांच बच्चों के पिता थे, जिनमें तीन बेटे और दो बेटियां हैं। उनकी मौत की खबर सुनते ही चकदाऊदपुर गांव में मातम पसर गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कमलेश कुमार इलाके के वार्ड सदस्य भी थे और समाज सेवा में सक्रिय रहते थे। उनकी अचानक हुई मौत से परिजनों के साथ-साथ ग्रामीण भी शोक में डूब गए हैं।

नूरसराय थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने हादसे में शामिल अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। थानाध्यक्ष ने कहा कि जल्द ही ट्रैक्टर और उसके चालक की पहचान कर ली जाएगी और दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि अगर किसी ने हादसे को देखा हो या कोई जानकारी हो, तो तुरंत पुलिस को बताएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com